मत्ती रचित सुसमाचार

ईसू क बंसावली

1 इ ईसू मसीह क बंसज बृच्छ अहइ। इब्राहीम क बंसज
दाऊद क पूत ईसू मसीह अहइ।

2 इब्राहीम क बेटवा इसहाक।
इसहाक क बेटवा याकूब।
याकूब क बेटवन यहूदा।
अउर ओकर भाइयन।
3 यहूदा क बेटवन फिरिस अउर जोरह।
(ओनकर महतारी तामार।)
फिरिस क बेटवा हिस्रोन।
हिस्रोन क बेटवा एराम।
4 एराम क बेटवा अम्मीनादाब।
अम्मीनादाब क बेटवा नहसोन।
नहसोन क बेटवा सलमोन।
5 सलमोन क बेटवा बोअज।
(बोअज की महतारी राहब।)
बोअज क बेटवा ओबेद।
(ओबेद की महतारी रूथ।)
ओबेद क बेटवा यिसै।
6 यिसै क बेटवा दाऊद राजा।
दाऊद क बेटवा सुलैमान।
(सुलैमान की महतारी उरिय्याह क पत्नी।)
7 सुलैमान क बेटवा रहबाम।
रहबाम क बेटवा अबिय्याह।
अबिय्याह क बेटवा आसा।
8 आसा क बेटवा यहोसाफात।
यहोसाफात क बेटवा योराम।
योराम क बेटवा उज्जियाह।
9 उज्जियाह क बेटवा योताम।
योताम क बेटवा आहाज।
आहाज क बेटवा हिजकियाह।
10 हिजकियाह क बेटवा मनस्से।
मनस्से क बेटवा आमोन।
आमोन क बेटवा योसिय्याह।
11 योसिय्याह क बेटवन यकुन्याह अउर ओकर
भाइयन।
(इस्राएल क मनइयन क कइदी बनाइ
के बेबीलोनलइ जात कसमइउ दुइनउँजनमेन।)
12 बेबीलोन मँ लइ जाए क पाछे:
यकुन्याह क बेटवा सालतिएल।
सालतिएल क बेटवा जरुब्बाबिल।
13 जरुब्बाबिल क बेटवा अबीहूद।
अबीहूद क बेटवा इल्याकीम।
इल्याकीम क बेटवा अजोर।
14 अजोर क बेटवा सदोक।
सदोक क बेटवा अखीम।
अखीम क बेटवा इलीहूद।
15 इलीहूद क बेटवा एलीआजर।
एलीआजार क बेटवा मत्तान।
मत्तान क बेटवा याकूब।
16 याकूब क बेटवा यूसुफ।
यूसुफ मरियम क पति।
ईसू क महतारी मरियम।
ईसू मसीह कहा गवा।
17इ तहर इब्राहीम स दाऊद ताई चउदह पीढ़ी बीत गइन।
अउर दाऊद स लइके कइदी बनाइके बेबीलोन पठए जाइ
तलक चउदह पीढ़ी। अउर कइदी बनाइ के बेबीलोन पठए
जाइ स मसीह क जनम ताईं चउदह पीढ़ी अउर भइन।

ईसू मसीह क जनम

18ईसू मसीह क जनम इ तरह भवा: जब ओकर महतारी
मरियम क यूसुफ क साथ बरिच्छा भइ तउ बियाहे स पहिले
ही पता लगि गवा कि उ पवित्तर आतिमा क सक्ति स
ओकर गोड़ भारी होइ ग। 19मुला होइवाला ओकर भतार
यूसुफ एक ठु बढ़िया मनई रहा। उ इ बात क खोलिके
बतावइ स बदनाम नाहीं होइ चाहत रहा। तउ उ मने मँ ठान
लिहेस कि उ बरिच्छा क चुप्पे स पक्का न होइ दे। 20फिन
जबहिं उ इ बारे मँ सोचत रहा कि उ सपने मँ आपन
समन्वा पर्भू क दूत परगट होत ओसे कहेस, "हे यूसुफ,
दाऊद क बेटवा,* मरियम क पत्नी बनवइ स जिन डेरआ
काहेकि जउन बचवा ओकरे गरभ मँ अहइ, उ पवित्तर
आतिमा क अहइ। 21उ एक पूत क जनमी। तू ओकर नाउँ
ईसू धार्या काहेकि उ आपन मनइयन क पापन स उद्धार
देई।"
22इ सब कछू इ बरे भवा ह कि पर्भू नबी स जउन कछू
कहवाएस, पूरा होई: 23"सुना, कुँआरी कन्या गोड़े स
भारी होइके एक बेटवा क जनमी। ओकर नाउँ इम्मानुएल
रक्खा जाई।"* (जेकर अरथ अहइ, "परमेस्सर हमरे लगे
बाटइ।")

दाऊद क बेटवा दाऊद क परिवारे क मनई, इस्राएल क दूसर राजा, मसीह क 1000 बरिस पहिले।

सुना … जाई यसा. 7:14

24जब यूसुफ नींदे स जागि गवा तउ उ उहइ किहेस जउन जेका करइ क पर्भू क दूत ओका हुकुम दिहेस। उ मरियम क बियाही के आपन घरे लइ आइ। 25मुला उ जब ताईं उ पूत क जनम नाहीं दिहेस तब ताईं यूसुफ ओकरे लगे सोएस नाहीं। यूसुफ बेटवा क नाउँ ईसू राखेस।

पूरब द बिद्वानन क आउब

2 यहूदिया क बैतलेहम मँ अब ईसू क जनम भवा तबहिं हेरेदेस राज्य करत रहा। कछू समइ बीत जाइ क पाछे कछू विद्वान जउन नछत्रन क बारे मँ पढ़त रहेन पूरब स यरुसलेम आएन। 2उ पचे पूछेन, "नवा पइदा भवा बचवा कहाँ बाटइ जउन यहूदियन क राजा अहइ? हम ओकर नछत्र क अकासे मँ देखा ह। एह बरे हम पूछत अही। हम पचे ओकर आराधना करइ आइ अही।" 3जबहिं राजा हेरोदेस इ सुनेस तउ उ बहोतइ बेचइन भवा। ओकरे साथे यरूसलेम क सब मनइयम फिकिर करइ लागेन। 4तउ उ यहूदी समाज सब मुख्य याजकन अउर धरम सास्तिरियन क एँकट्ठा कइके उ पचेन स पूछेस कि मसीह क जनम कहाँ होइ क अहइ?

5उ पचे ओका बताएन, "यहूदीया क बैतलहम मँ काहेकि नबी पवित्तर सास्तरन मँ इ तरह लिखा बाटइ:

6ओ यहूदा क धरती प टिका अहा बैतलेम, तू यहूदा क अधिकारियन मँ कउनो तरह स छोट नाहीं काहेकि तोसे एक ठु राजा परगट होई जउन मोरे मनइनयम, इस्राएल क देखभाल करी।" *मीका 5:2*

7तब हेरोदेस तारा गियान क पण्डितन क बोलाएस अउर ओनसे पूछेस, कि उ तारा ठीक समइ प कब देखॉइ पड़ा? 8फिन उ ओनका बैतलहम पठएस अउर कहेस, "जा, उ बचवा क बारे मँ नीक नीक पता लगावा अउर जब उ तू पचेन क मिलि जाइ तउ मोका बतावा जेहबरे मइँ भी आइके ओकर आराधना कइ सकउँ।"

9फिन उ पचे राजा क बात सुनिके चल दिहेन। उ तारा जेका उ पचे अकासे मँ निकरा निहारे रहेन उ ओनके अगवा अगवा तब तलक गवा जब तलक उ ठउर पइ पहुँच नाहीं गएन जहाँ उ बचवा रहा। 10जब उ पचे तारा क देखेन तउ उ सबइ आनंद स झूमि उठेन। 11उ सबइ उ पचे घरवा क भीतर गएन अउर बचवा क अउर ओकरी महतारी मरियम क संग दरसन किहन। उ पचे सास्टांग दण्डवत करेन अउर ओकर आराधना करेन। फिन आपन कीमती चीजन्क पिटारी स सोना, लोहबान अउर इत्र क भेंट चढ़ाएन। 12मुला परमेस्सर ओनका सपने मँ होसियार कइ दिहस कि उ पचे हेरोदेस क पास लौटि क न जाँइ। तउ उ सबइ एक दूसरे राहे स आपन देस लौट गएन।

ईसू क लइके माता-पिता क मिस्र जाब

13जब उ पचे चल दिहन तउ यूसुफ क सपने मँ पर्भू क दूत परगट होइके कहेस, "उठा, बचवा क अउर ओकर महतारी क चुप्पे स लइके मिस्र भागि जा। जब ताईं मइँ तोसे न कहउँ, हुवाँ ठहर्या। काहेकि हेरोदेस इ बचवा क जान स मरवावई बरे खोजी।"

14तउ यूसुफ खड़ा भवा अउर बचवा अउर ओकर महतारी क रातोरात मिस्र क बरे चलि पड़ा। 15फिन हुवाँ हेरोदेस क मउत तलक रुकि गवा। इ एह बरे भवा कि पर्भू जउन नबी स कहवाए रहा, उ पूरा होइ जाइ, "मइँ आपन पूत क मिस्र स बाहेर आवइ बरे कहेउँ।"*

बैतलहम क सब लरिकन क हेरोदेस जान स मरवाइ दिहस

16हेरोदेस जबहिं इ देखेस कि तारा गियानी ओकरे संग इ चाल चलेन ह, तउ उ बहोत गुस्साइ गवा। जइसा तारा गियान क पण्डितन क बताइ भए क अनुसार उ हुकुम दिहस कि बैतलहम अउर ओकरे नगिचे क पहँटा मँ दुइ साल या एसे छोटवार लरिकन क जान स मरिवाइ दीन्ह जाइ। 17नबी यिर्मयाह क कहा भवा बचन पूरा होइ ग:

18"रामाह मँ दु:ख भरा सब्द सुना गवा, रोवइ अउर बिलपइ क सुना। राहेल रोवत रही आपन बचवन बरे उ नाहीं चाहेस कि कउनो धीरा धखावइ काहेकि ओकर सबइ बचवन मरि गवा रहेन।" *यिर्मयाह 31:15*

ईसू क लइके यूसुफ अउर मरियम क मिस्र लउटब

19फिन हेरोदेस क मउत क पाछे मिस्र मँ यूसुफ क सपन आवा ओहमाँ पर्भू क एक ठु दूत परगट भवा। 20अउर सरगदूत ओसे कहेस, "उठि जा, बचवा अउर ओकर महतारी क लइके इस्राएल क धरती प जा काहेकि जउन बचवा क मार डावइ चाहत रहेन उ सबइ मर बिलाइ गएन।"

21तब यूसुफ उठि गवा अउर बचवा अउर ओकर महतारी क लइके इस्राएल गवा। 22मुला यूसुफ जब इ सुनेस कि यहूदिया प आपन बाप हेरोदेस क जगह प अरखिलाउस राज्य करत अहइ तउ उ हुवाँ जाइ स डेराइ गवा किन्तु सपने मँ परमेस्सर स हुकुम मिले क पाछे उ गलील पहँटा बरे चल दिहस। 23अउर हुवाँ नासरत नाउँ क नगर मँ घर बनाइके रहइ लाग; एह बरे नबियन क कहा भवा बचन पूरा होइ जाइ कि, 'उ नासरी' कहा जाइ।

बपतिस्मा देइवाला यूहन्ना क काम

(मरकुस1:1-8 लूका 3:9-9,15-17 यूहन्ना 1:19-28)

3 उ दिनन बपतिस्मा देइवाला यूहन्ना यहूदिया क बियाबान उसरे मँ उपदेस देत भवा हुवाँ आवा। 2उ इ प्रचार करइ लाग, "मन फिरावा काहेकि सरग क राज्य जल्दी आवइ क अहइ।" 3इ उहइ यूहन्ना बाटइ जेकरे बारे मँ नबी यसायाह बात बतावत कहेस ह:

"उसरे मँ एक पुकारैवाला क सब्द अहइ: "पर्भू बरे रास्ता तइयार करा अउर ओकर बरे सोझ रस्ता बनवा।'" *यसायाह 40:3*

4यूहन्ना क ओढ़ना ऊँटे क ऊन स बना रहा अउर करिहाउँ प चमड़ा क पेटी बाँधे रहा। ओकर खइया क

मइँ … कहेउँ होसे. 11:1

टिड्डन अउर जंगली सहद रहा। 5उ समइ यरूसलेम, समूचा यहूदिया छेत्र अउर यरदन नदी क नगिचे मनई ओकरे लगे ओका सुनइ ऍकट्ठा भएन। 6उ पचे आपन पापन्क कबूलेन्ह अउर यरदन नदी मँ ओकरे जरिये बपतिस्मा* दीन्ह गवा।

7जब उ लखेस कि ढेर फरीसियन* अउर सदूकियन* ओकरे लगे बपतिस्मा लेइ आवत अहइँ तउ उ ओनसे कहेस, "ओ सरप क बच्चा लोग! तू पचन क कउन चिताउनी दिहस ह कि परमेस्सर क होइवाला किरोध स बच जा? 8तोहका इ बात क प्रमान देइ पड़ी कि तू पचे फुरे फुरे मनफिराया ह। 9अउर इ जिन सोचा कि खुद अपने स कहे बिना इ बात काफी होइ जाई, 'हम पचे इब्राहीम क संतान अही'। मइँ तोसे कहत हउँ कि परमेस्सर इब्राहीम बरे इ पथरन स बचवन क पइदा कइ सकत ह। 10बृच्छन* क जरे प कुल्हाड़ा रखा बाटइ अउर हर एक बृच्छ जउन फर पइदा नाहीं करतेन, उ काटिके गिराइ दीन्ह जइहीं; अउर फिन कोका आडी मँ झोंकि दीन्ह जाई। 11मइँ तउ तू पचन क तोहरे मनफिराव बरे पानी स बपतिस्मा देत हउँ; मुला उ जउन मोरे पाछे आवइवाला अहइ उ मोसे जिआदा बरिआर अहइ। मइँ तउ ओकर पनही खोलइ क जोग्ग नाहीं। उ तू पचन क पवित्तर आतिमा अउर आगी स बपतिस्मा देइ। 12ओकरे हाथ मँ सूप अहइ, जेहसे उ अनाजे क भूसा स अलग करी। अपने खरिहाने स उ साफ कीन्ह अनाजे क उठाइ क, ऍकट्ठा कइके कोठिला मँ भरि देइ अउर भूसा क अइसी आगी मँ नाइ दीन्ह जाई कि बुझाए प न बुझी।"

ईसू क यूहन्ना स बपतिस्मा लेब

(मरकुस 1:9-11; लूका 3:21-22)

13उ समइ ईसू गलील स चलिके यरदन क किनारे यूहन्ना क नगिचे ओसे बपतिस्मा लेइ बरे आवा। 14मुला यूहन्ना ईसू क निर्नय बदले क जतन करत कहेस, "मोका तउ खुद तोसे बपतिस्मा लेइ क दरकार अहइ फिन तू काहे मोरे नगिचे आया ह!"

15ईसू जवाबे मँ ओहसे कहेस, "अबहिन तउ ऍका अइसे होइ द्या। जउन परमेस्सर चाहत अहइ, हमका उ पूरा करब नीक बाटइ।" फिन उ वइसे होइ दिहस।

16अउर तबहिं ईसू बपतिस्मा लइ लिहस। जइसे उ पानी स बाहेर आवा, अकास खुलि गवा। उ परमेस्सर क आतिमा क एक ठु कबूतरे क नाईं खाले उतरत अउर ऊपर आवत देखेस। 17तबहिन आकासवाणी भइ: "इ मोर पिआरा पूत अहइ जेसे मइ खूब खुस हउँ।"

बपतिस्मा एक यूनानी सब्द अहइ। जेकर अरथ अहइ पानी मँ बुड़की या गोता लगाउब।

फरीसियन एक यहूदी धार्मिक समूह, जउन मूसा क व्यवस्था अउ रीति रिवाज क कट्टर होइके मानत रहा।

सदूकियन एक यहूदी धार्मिक समूह जउन 'पुराना धर्म नियम' कि केवल पहली पाँच पुस्तकन क स्वीकार करत ह अउर कउनो क मर जाने क बाद ओकर पुनरुस्थान नाहीं मानता।

बृच्छन अर्थात जउन मनई ईसू मँ बिस्सास नाहीं रखतेन।

ईसू क परिच्छा

(मरकुस 1:12-13; लूका 4:1-13)

4 फिन आतिमा ईसू क उसरे मँ लइ गइ, काहेकि सइतान क जारिये ओका परखा जाइ सकइ। 2चालीस दिन अउर चालीस रात भुखिया क पाछे जब ओका भूख तड़पावइ लाग।

3तउ ओका ललचावइ वाला ओकरे लगे आवा अउर कहेस, "जदि तु परमेस्सर क पूत बाट्या तउ इ सबइ पथरन स कहा कि इ सब रोटी बन जाइँ।" 4ईसू जवाब दिहस, "पवित्तर सास्तरन मँ लिखा बाटइ:

'मनई सिरिफ रोटी स नाहीं जिअत मुला उ हर एक सब्द स जिअत ह जउन परमेस्सर क मुँहे स निकरत ह।'"

व्यवस्था विवरण 8:3

5फिन सइतान ओका यरूसलेम क पवित्तर नगर मँ लइ गवा। हुआँ मन्दिर क सब स ऊँचे बुर्ज प खड़ा होइके 6उ ओसे कहेस, "जदि तू परमेस्सर क पूत बाट्या, तउ नीचे कूदि जा काहेकि पवित्तर सास्तरन मँ लिखा बाटइ:

'उ तोहरे रखवारी बरे आपन दूतन क हुकुम देइ अउर उ पचे तोहका हाथन स उठाइहीं जेह बरे तोहरे गोड़े मँ कउनो पाथर ताईं न लग्ई।'"

भजन संहिता 91:11-12

7ईसू जवाब दिहेस, "मुला पवित्तर सास्तरन इहइ कहत ह,

'अपने पर्भू परमेस्सर क परीच्छा मँ जिन डावा।'"

व्यवस्था विवरण 6:16

8फिन सइतान ईसू क बहुतइ ऊँच पहाड़े प लइ गवा। अउर ओका इ संसार क सब राज्य अउर ओनकइ माया वैभव देखाएस। 9सइतान तब ओसे कहेस, "इ सब चीजन्क मइँ तोहका दइ देब जदि तु मोरे अगवा दण्डवत करा अउर मोर आराधना करा"

10फिन ईसू ओसे कहेस, "सइतान! दूर होइ जा। पवित्तर सास्त्र कहत ह:

'आपन पर्भू परमेस्सर क आराधना अउर सिरिफ ओकर सेवा करा।'"

व्यवस्था विवरण 6:13

11फिन सइतान ओका छाँड़ि के चला गवा। अउर सरगदूतन आइके ओकर सेवा करइ लागेन।

ईसू गलील मँ काम सुरू करेस

(मरकुस 1:14-15; लूका 4:14-15)

12जब ईसू सुनेस कि यूहन्ना पकड़ लीन्ह गवा ह, तउ उ गलील लौटि आवा। 13मुला उ नासरत मँ नाहीं रुका अउर जाइके कफरनहूम मँ रहइ लाग जउन जबूलून अउर नप्ताली क पहटा मँ गलील झीले के नगिचे रहा। 14इ एह बरे भवा कि परमेस्सर क नबी यसायाह जउन कहेस ह, उ पूरा होइ जाइ:

15जबूलून अउर नप्ताली क देस सागर क राहे प, यरदन नदी क पच्छिम मँ गैर यहूदियन क देस गलील मँ

16जउन मनई आँधियारे मँ जिअत रहेन उ सबइ एक भारी जोति देखेन अउर जउन मउत क परिछाइँ क देस मँ रहत रहेन, ओन प ज्योति क भिन्सारे क रोसनी फैलि गइ।"

यसायाह 9:1-2

17उ समई स ईसू सुसमाचार क प्रचार सुरू कइ दिहस, "मनफिराव करा काहेकि सरगे क राज्य नगिचे बाटइ।"

ईसू चेलन्क चुनेस

(मरकुस 1:16-20; लूका 5:1-11)

18जब ईसू गलील झिलिया क नगिचे स जात रहा, उ दुइनउँ भाइयन क निहारेस समौन (जउन पतरस कहा गवा।) अउर ओकर भाई आन्द्रियास। उ पचे झिलिया मँ जाल डारत रहेन। उ पचे मछुवारा रहेन। 19ईसू ओनसे कहेस, "मोरे पाछे आवा, मइँ तोहका सिखाउब कि लोगन्क बरे मछरी पकड़इ क बजाय मनई रूप मँ मछरी कइसे बटोरी जात हीं?" 20उ सबइ तुरतहिं आपन जाल छाँड़ि दिहन अउर ओकरे पाछे होइ गएन।

21फिन उ हुवाँ स आगे चला गवा। उ देखेस कि जब्दी क बेटवा याकूब अउर ओकर भाई यूहन्ना आपन बाप क संग नाउँ मँ बैठिके आपन जालन्क मरम्मत करत रहेन। ईसू ओनका बोलाएस। 22अउर उ पचे फउरन नाउ अउर बाप क छाँड़िके ओकरे पाछे चल दिहन।

ईसू क मनइयन क उपदेस अउर ओनका चंगा करब

(लूका 6:17-19)

23ईसू समुच्चइ गलील पहँटा मँ यहूदी आराधनालय मँ सरगे क राज्य क सुसमाचार क उपदेस देत अउर हर तरह के बेरामी अउर घोर कस्टन क दूर करत घूमइ लाग।

24समुच्चइ सीरिया देस मँ ओकरे बारे मँ खबर संचर गइ। यह बरे लोग अइसे मनइयन जउन खूब बेरमिया रहेन या जउन तरह के बेरामी अउर भारी बेदनन स पीड़ित रहेन। जेह प दुस्ट आतिमान सवार रहीं जेका मिर्गी आवत रही अउर जउन सुखंडी रहेन, ओनका ओकर पास लिआवइ लागेन। ईसू ओनका चंगा किहेस।

25एह बरे गलील, दिकापुलिस,* यरूसलेम, यहूदिया अउर यरदन नदी क उ पार मनइयन क भारी भीड़ पाछे पाछे होइ लाग।

ईसू क उपदेस

(लूका 6:20-23)

5 ईसू जब भारी भीड़ देखेस उ एक पहाड़े प चला गवा। हुवाँ उ बैठि गवा अउर ओकर चेलन ओकरे नगिचे आएन। 2तबहिं ईसू उपदेस देत भवा कहेस:

3"धन्य अहइँ उ पचे जउन दीन अहइँ, काहेकि सरगे क राज्य अहइ ओनके बरे।

4धन्य अहइँ उ सबइ जउन सोक करत हीं काहेकि परमेस्सर ओनका धीरज बँधावत ह।

5धन्य अहइँ उ सबइ जउन नम्र अहइँ काहेकि इ धरती ओनही क अहइ।

6धन्य अहइँ उ सबइ जउन नीति क बरे भूखा अउर पियासा जउन रहत हीं। काहेकि परमेस्सर ओनका संतोस देइ, अउर तृप्ति देइ।

7धन्य अहइँ जउन दयालु अहइँ काहेकि ओन पइ अकास स दया बरसी।

8धन्य अहइँ जउन हिरदय स सुद्ध अहइँ काहेकि उ सबइ परमेस्सर क दरसन करिहीं।

9धन्य अहइँ जउन सान्ति बरे काम काज करत हीं काहेकि उ सबइ परमेस्सर क पूत कहा जइहीं।

10धन्य अहइँ जउन धर्म क कारण सतावा जात हीं काहेकि सरगे क राज्य ओनही क अहइ।

11"अउर तू पचे धन्य अहा काहेकि जब लोग तोहका पचन्क बेज्जत करइँ, तोहका पचन्क सतावइँ अउर मोरे बरे तोहरे खिलाफ सब प्रकार क झूठी बातन कहइँ बस एह बरे तू सबइ मोर मनवइया अहा। 12तब तू सबइ खुस रह्या, आनन्द मँ रह्या, काहेकि सरगे मँ तोहका पचन्क एकरे बरे अच्छा होई। इ वइसे ही बाटइ जइसे तोहरे पहिले क नबियन क मनइयन सताएन ह।

तू नोन क नाईं अहा, तू प्रकास क नाईं अहा

(मरकुस 9:50; लूका 1434-35)

13"तू सबइ समुच्चइ मानवता बरे नमक अहा। मुला जदि नोन नोनखार न होइ तउ ओका फिन नोन कइसे बनाइ जाइ सकत ह। उ फिन कउनो कामे क न रही। सिरिफ एह बरे कि ओका मनई क गोड़वा तले फेंक दीन्ह जाइ।

14"तू संसार क प्रकास अहा। एक ठु अइसा सहर जउन पहाड़े क चोटी प बसा अहइ, उ छिपाए स छिप नाहीं सकत। 15लोग दिया बारि के ओका बाल्टी तले नाहीं रखतेन मुला ओका डीबट प धइ देत हीं। अउर उ घरे क सब मनइयन क प्रकास देत ह। 16मनई क समन्वा तोहार प्रकास अइसा चमकइ कि उ पचे तोहरे नीक कामन्क निहारइँ अउर सरगे मँ बइठा भवा तोहरे परमपिता क महिमा बखानइ।"

ईसू अउर पवित्तर धरम सास्तर

17"इ जिन सोचा कि मइँ मूसा क व्यवस्था या नबियन क लिखा भवा क नस्ट करइ आइ हउँ। मइँ ओन सबन्क नस्ट करइ नाहीं आइ हउँ मुला ओनके पूरा-पूरा अरथ क समझावइ आइ अहउँ। 18मइँ तोहसे सच कहत हउँ कि जब ताईं इ धरती अउर अकास नस्ट नाहीं होइ जातेन, व्यवस्था क एक एक सब्द अउर एक एक अच्छर बना रही, उ तब ताईं बना रही जब ताईं उ पूरा नाहीं होइ जात। 19एह बरे जउन एन हुकुमन स इ छोटवार स छोटवार हुकुमन क तोड़त ह अउर लोगन्क वइसा ही करइ सिखावत ह, उ सरगे क राज्य मँ कउनो का बड़कई न पाई। मुला जउन ओह पइ चलत ह अउ दूसरन मनइनयन क ओनपइ चलइ क उपदेस देत ह, उ सरगे क राज्य मँ बड़क्का समुझा जाई। 20मइँ तोहसे सच कहत हउँ कि जब ताईं तू पचे

दिकापुलिस यूनानी भाखा मँ कहा जात ह, जेकर अरथ अहइ दस सहर।

धरमसास्तिरयन अउर फरीसियन क धरम मानइ स अगवा
जिन जा, कि तू सरगे क राज्य मँ घुसइ न पउब्या।

किरोध

21“तू पचे सुन चुक्या ह कि हमरे पूर्वजन स कहा गवा
रहा, ‘हत्या जिन करा* अउर जदि कउनो हत्या करत ह तउ
ओका अदालत मँ जवाब दिहे होई’। **22**मुला मइँ तोहसे
कहत हउँ कि जउन मनई आपन भाई प किरोध करी,
ओहका भी अदालत मँ एकरे बरे जवाब दिहे होई। अउर
जउन आपन भाइ क बेज्जत करी ओका सबते ऊँच अदालत
मँ जवाब दिहे होई। जदि कउनो आपन भाई स कहइ, ‘अरे
जाहिल, मूर्ख तउ नरके क आगी क बीच ओह पइ एका
जवाब दिहे होई।

23“एह बरे जदि तू वेदी प आपन भेंट चढ़ावत ह अउर
हुवाँ तोहका याद आइ जाइ कि तोहरे मन मँ तोहरे भाई
खातिर कउनो खिलाफ बात बाटइ **24**तउ तू उपासना भेंट क
वेदी के सामने छाँड़ि द्या अउर पहिले जाइके आपन भाई स
सुलह कइ ल्या अउर फिन आइके भेंट चढ़ावा।

25“जब ताईं तू मुद्दई क संग रास्ता मँ रहा, झटपट
ओसे मेल कइ ल्या। कहूँ अइसा न होइ कि उ तोहका
हाकिम स सौंप देइ अउर हाकिम तोहका सिपाही क। फिन
तू जेल मँ धाँध दीन्ह जा। **26**मइँ तोहका सच-सच बतावत
हउँ कि जब तक तू पाई-पाई क हिसाब न कइ देब्या तब
तलक तू जेल स न छूटि पउब्या।

व्यभिचार

27“तू सुनि लिहा कि इ कहा गवा अहइ, व्यभिचार जिन
करा।’* **28**मुला मइँ तोहसे कहत हउँ कि जदि कउनो स्त्री
क बुरी निगाह स देखत ह तउ उ आपन मन मँ पहिले ही
ओकरे संग संभोग कइ चुका अहइ। **29**यह बरे जदि तोहार
दाहिन आँख तोसे पाप करवावइ तउ ओका निकारि क
फेंक द्या। काहेकि तेरे बरे इ नीक बाटइ कि तोहरे बदन
क एक ठु अंग नस्ट होइ जाइ एकरे बजाय तोहार सारा
बदन नरक मँ नाइ दीन्ह जाइ। **30**अउ जदि तोहार दाहिन
हाथ तोहसे पाप करवावइ तउ ओका काटिके फेंकि डारा।
काहेकि तोहरे बरे इ नीक अहइ कि तोहरे बदन क एक
अंग नस्ट होइ जाइ बजाए कि तोहार समूचा बदन नरक मँ
जाइ।

तलाक

(मत्ती 19:9 मरकुस 10:11-12 लूका 16:18)

31“कहा गवा अहइ, ‘जबहि कउनो आपन पत्नी क
तलाक देत ह तउ आपन पत्नी क लिखिके तलाक देइ
चाही।’* **32**मुला मइँ तोहसे कहत हउँ कि हर मनई जउन
आपन पत्नी क तलाक देत ह, जदि उ तलाक ओकरे
व्यभिचारी करइ क कारण नाहीं दिहेस तउ जब उ पत्नी
दूसरा बियाह करत ह, तउ समुझ ल्या कि उ मनई ओसे
व्यभिचार करत ह। अउर जउन कउनो उ छोड़ी भई स्त्री स
बियाह करत ह तउ भी व्यभिचार करत ह।

सपथ

33“तू सबइ इहउ सुन्या ह क हमरे पूर्वजन स कहा गवा
रहा, ‘तू सपथ जिन तोड़ा मुला पर्भू स कीन्ह सपथन पूरा
करा।’* **34**मुला मइँ तू सबन स कहत हउँ सपथ जिन ल्या।
सरगे क सपथ जिन खा काहेकि उ परमेस्सर क सिंहासन
अहइ।’ **35**धरती की सपथ जिन खा काहेकि उ ओकरे
गोड़वा क चौकी बाटइ। यरूसलेम क सपथ जिन खा
काहेकि इ महाराजाधिराजा क सहर बाटइ। **36**आपन मूँड़ क
सपथ जिन खा, काहेकि तू एक ठू बारे तक द सफेद या
करिया नाहीं कइ सकल्या। **37**जदि तू हाँ चाहत ह तउ
सिरिफ ‘हाँ’ कहा अउर ना चाहत ह तउ सिरिफ ‘ना’
काहेकि जउन कछू एँसे जिआदा होता अहइ उ दुस्ट
(सइतान) स आवत अहइ।

बदला लेइ क भावना जिन रखा

(लूका 6:29-30)

38तू पचे सुन्या ह कि कहा बाटइ, ‘आँखी क बदले
आँखी अउर दाँत बदले दाँत’* **39**मुला मइँ तोहसे कहत हउँ
कि कउनो बुरा मनई क विरोध जिन करा। मुला कउनो
तोहरे दाहिन गाले प थप्पड़ लगावइ तउ दूसर गाले क
ओकरे कइँती घुमाइ द्या। **40**जदि कउनो तोह प मुकदमा
चलाइ के तोहार कुर्ता उतरवावइ चाहइ तउ तू ओका आपन
चोगा तलक दइ द्या। **41**जदि कउनो तोहका बेगार मँ एक
मील चलावइ तउ तू ओकरे संग दुइ मील जा। **42**जदि
कउनो तोसे कछू माँगइ तउ ओका उ दइ द्या। जउन तोसे
उधार लेइ चाहइ, ओका मना जिन करा।

सबते पिरेम राख

(लूका 6:27-28,32-36)

43“तू पचे सुन्या ह कि कहा गा बाटइ, ‘तू आपन पड़ोसी
स पिरेम करा* अउर दुस्मन स घिना कर।’ **44**मुला मइँ
कहत हउँ आपन दुस्मन स भी पिरेम करा। जउन तोहका
सतावत हीं, ओनके बरे भी पराथना करा। **45**काहेकि सरगे
मँ बसइया आपन परामपिता क संतान होइ सका। उ सूरज
क प्रकास बुरा अउर भला सब पइ चमकावत ह। उ पापी
अउर धर्मी सब पइ बसकाला मँ पानी बरसावत ह। **46**इ मइँ
यह बरे कहत हउँ कि जदि तू ओनही स पिरेम करब्या
जउन तोहसे पिरेम करत हीं तउ तोहका का फल मिली?
का अइसा तउ चुंगी (टैक्स) क उगाहिया* भी नाहीं
करतेन? **47**जदि तू आपन मीतन क बरे नीक बाट्या तउ

हत्या जिन करा निर्ग. 20:13; व्यवस्था. 5:17

व्यभिचार जिन करा: निर्ग. 20:14 व्यवस्था. 5:18

‘जबहि … चाहीं व्यवस्था. 24:1

‘तू … करा’: लैव्य. 19:12; गनती. 30:2; व्यवस्था. 23:21

‘आँखी … दाँत’ निर्ग. 21:24; लैव्य. 24:20

‘तू पचे … करा’ लैव्य. 19:18

चुंगी क उगहिय रोम क जरिया किराये प खरीदा भवा यहूदी जउन चुंगी क उगाही करत रहेन। उ पचे कबहुँ कबहुँ धोखा दिहन अउ दूसर यहूदी ओनसे घिना करत रहेन।

दूसर मनई स नीक नाहीं बाट्या। का अइसा विधर्मी भी नाहीं
करतेन? 48यह बरे आपन मँ परिपूर्ण बना जइसे तोहार सरगे
क परमपिता परिपूर्ण बाटइ।

ईसू दान उपदेस देत ह

6 "होसियार रहा! अउ परमेस्सर चाहत ह कि उ सब
काम काजन्क मनई क समन्वा दिखावा जिन करा।
नाहीं तउ तू आपन परमपिता स फल न पउब्या जउन सरगे
मँ बाटइ।

2"एह बरे जब तू कउनो दीन दुखिया क दान दच्छिना देत
ह तउ ओकर ढिंढ़ोरवा पीटा जिन। जइसा कि आराधनालयन
मँ अउर गलियन मँ कपटी मनई औरन स बड़कइ पावई बरे
करत हीं। मइँ तोसे सच कहत हउँ कि ओनका तउ एँकर
पूर-पूर फल पहिले ही दीन्ह जाइ गवा अहइ। 3मुला जबहिं
तू कउनो दीन दुखिया क देत ह तउ तोहार बावाँ हाथ न
जान पावइ कि तोहार दाहिन हाथ का करत बाटइ?
4काहेकि तोहार दान गुपुत रहइ। तोहार उ परमपिता जउन
छिपाइ क करत ह, तोहका ओकरे बदले मँ फल देई।

पराथना क महत्व

(लूका 11:2-4)

5"जब तू पराथना करा तउ कपटी क नाईं जिन करा।
काहेकि उ पचे आराधनालयन मँ अउर गलियन क नुक्कड़
प खड़ा होइ क पराथना करइ चाहत हीं। जैसे मनइयन
ओनका निहार सकइँ। मइँ तोसे सच सच कहत हउँ कि
ओनका तउ ओकरे बदले मँ फल पहिले ही मिल चुका
बाटइ। 6मुला जब तू पराथना करा, आपन कोठरी मँ चला
जा अउर फटकवा बंद कइके परमपिता स पराथना करा।
फिन तोहार परमपिता जउन तोहार करम क छिपिके निहारत
ह, तोहका ओनके बदले फल देई।

7"जब तू पराथना करत रहा, तउ विधर्मी क नाईं फिजूल
बातन क यों ही बार बार जिन दोहरावा। उ सबइ इ सोचत
हीं कि ओनके बहोत बोले स ओनकइ सुनि लीन्ह जाई।
8यह बरे ओनके जइसा जिन होइ जा काहेकि तोहरे परमपिता
तोहारे माँगइ स पहिले जानत ह कि तोहार का जरूरत
अहइ। 9यह बेर इ प्रकार पारथना करा:

'सरग मँ रहइ वाले हमारे परमपिता, पवित्तर अहइ
तोहार नाँउ
10जग मँ तोहार राज्य आवइ जउन चाहा तू वइसे पूर
होइ इ धरती प जइसे पूर होत रहता तोहार इच्छा
सदा सगर मँ।
11आज तू हमका दिन भर क खइया द्या
12हमार पापन क छमा करा जइसे हम छमा कीन्ह
आपन अपराधिनक।
13जिन ल्या कठिन परिच्छा भारी हमका ओसे
बचावा जउ उन दुस्ट (सइतान) स अहइ।'*

14यह बरे जदि तू लोगन्क अपराधे क छमा करब्या तउ
तोहार सरगे क परमपिता भी तोहरे पाप छमा करी। 15मुला
अगर तू लोगन्क छमा न करब्या तउ तोहार सरगे क
परमपिता भी तोहरे पापन्क छमा न करी।

उपवास क अरथ

16"जब तू उपवास राखा तउ कपटी क नाईं दु:खी मुँह
बनाइके जिन रहा। काहेकि उ पचे तरह तरह स मुहँ बिसवत
हीं ताकि लोगन्क इ मालूम होइ जाइ कि उ सबइ उपवास
करत अहइँ। मइँ तोहसे सच कहत हउँ कि ओनका तउ
बदले मँ फल मिलि चुका अहइ। 17मुला जब तू उपवास
राखा तउ आपन मूँड़ प जैतून क तेल लगावा अउर आपन
मुँहना धोवा। 18जेसे लोग इ न भाँप सकइँ कि तू उपवास
करत अहा। मुला तोहार परमपिता जेका तू निहार नाहीं
सकत्या देखइ कि तू उपवास करत अहा। तबहिं तोहार
परमपिता जउन तोहरे छमा भवा कामे क देखत रहत ह, उ
तोहका ओकरे बदले मँ फल देई।

परमेस्सर धने स बड़वार अहइ

(लूका 12:33-34; 11:34-36; 16:13)

19"आपन बरे धरती प भंडारा जिन भरा। काहेकि ओका
किरवा अउर जंग नास कइ देइहीं। चोर सेंध लगइहीं अउर
चोराय लइ जइहीं। 20बजाए एँकरे सरग मँ भंडारा भरा। हुवाँ
किरवा अउर जंग नास न कइ पइहीं। अउर चोर भी हुवाँ
सेंधिया लगाइके नास न कइ पइहीं। 21याद रखा जहाँ तोहार
भंडार होई, हुँवई तोहार जिअरा लागी।

22"देह बरे प्रकास क सोत आँखी अहइ। एह बरे तोहार
आँखी नीक अहइ तउ तोहार देह प्रकास करत रही। 23मुला
जदि तोहार आँखी खराब होइ जाइ तउ तोहार सब देह
अँधियर होइ जाइ। यह बरे उ सिरिफ प्रकास जउन तोहरे
भीतर अहइ जदि अँधियर होइ जाइ तउ उ केतना गहिर
होई।

24कउनो भी साथ साथ दुइ सुआमी क नउकर नाहीं होइ
सकत काहेकि उ एक स तउ उ घिना करी अउर दूसर स
पिरेम। या एक बरे उ न्यौछावर करी अउर दूसरे क
धिक्कारी। तू धन अउर परमेस्सर दुइनउँ क सेवा नाहीं कइ
पउब्या।

चिंता तजि द्या

(लूका 12:22-34)

25"यह बरे मइँ तोहसे सच कहत हउँ कि अपने जिअइ
बरे खाइ पिअइ क चिंता तजि द्या। आपन तने क ओढ़ना
क फिकिर जिन करा। सचमुच जिन्नगी खइया स अउर तने
क ओढ़ना स जिआदा बड़कई क अहइ। 26लखा! अकासे
क पंच्छी न तउ बोआँई करत हीं अउर न कटाई, न ही उ
पचे कोठिला मँ अनाज भरि देत हीं मुला तोहार स्वर्गीय
पिता ओनकइ भी पेटवा भरत ह। का तू ओनसे जिआदा
बड़कवा नाहीं बाट्या!? 27तू सबन मँ का कउनो अइसा
अहइ कि फिकिर कइके आपन जिन्नगी मँ एक घड़ी भी
अउ बढ़ाइ सकत ह?

पद 13 कछु यूनानी प्रतियन मँ यह भाग जोड़ी गइ अहइ:
"काहेकि राज्य अउ महिमा सदा तोहरी अहइ। आमीन।"

28"अउ तू आपन ओढ़ना क बरे मँ काहे सोचत ह?
सोचा, जंगले क फूलन क बारे मँ कि उ सबइ कइसे खिल
जात हीं? उ सबइ न कउनो काम करत हीं अउर न आपन
बरे ओढ़ना बनावत हीं। 29यह बरे मइँ तोहसे कहत हउँ कि
सुलैमान भी आपन समूची धन दौलत क संग ओहमा स
कउनो एक नाईं नाहीं सज सका। 30तउ जउन जंगली पौधा
जउन आज जिअत अहइँ मुला जेनका भियान भारे मँ झोंक
दीन्ह जाब अहइ, परमेस्सर अइसा ओढ़ना पहिरावत ह तउ
अल्प बिसवास क करवइया मनइयो! का उ तोहका अउर
जिआदा बढ़िया ओढ़ना न पहिराई?
31यह बरे चिंता करत करत इ जिन कहा, 'हम का
खाबइ' या 'हम का पिअब' या 'का पहिरब?' 32मनई जउन
परमेस्सर क नाहीं जनतेन इ सब चीजन्क पाछे दौड़त रहत हीं
मुला सरग क बसइया तोहार परमपिता जानत ह कि तोहका
इ सब चीजन्क जरूरत अहइ। 33यह बरे सब ते पहिले
परमेस्सर क राज्य अउर तोहसे जउन धरम की खोज उ
चाहत ह, ओकर फिकिर करा। इ सब चीजन तउ तोहका
खुद ही घेलइया मँ दइ दीन्ह जइहीं। 34भियान क फिकिर
जिन करा, काहेकि भियान क तउ अउर आपन चिंता
होइहीं। हर दिन क आपन आपन परेसानी होत रहत ह।

ईसू क बचन दूसर क दोखी ठहरावइ बरे

(लूका 6:37-38, 41-42)

7 "दूसर प दोख लगावइ क आदत जिन डावा काहेकि
तोहरे प दोख न लगावा जाइ। 2काहेकि तोहार निआव
उहइ फैसला प टिका होई, जउन फैसला तू दूसर क
निआव प दिहे रहा अउर परमेस्सर तोहका उहइ नपना स
नापी जउने नपना स तू दूसर क नाप्या ह।
3"तू आपन भाई बंद क आँखी क किरकरी तक क
काहे लखत ह? जब कि तोहका आपन आँखी क लट्ठा
तलक नाहीं देखाइ पड़त? 4जबहिं तोहरे आँखी मँ लट्ठा
बाटइ तब तू आपन भाई स कइसे कहि सकत ह, "तू
मोका तोहरी आँखी क किरकिरी निकाइ द्या।" 5अरे
कपटी! पहिले आपन आँखी क लट्ठा निकार, फिन तू
नीक नीक देख पउब्या अउर आपन भाई क आँखी क
किरकिरी निकार पउब्या।
6"कूकुरन क पवित्तर चीज जिन द्या अउर सुअरन क
अगवा मोती जिन बिखरावा। नाहीं तउ उ पचे आपन गोड़ी
क तले रौदिहइँ अउर कूकुरन पलटि क तोहरे ऊपर चढ़ि
बैठिहीं।

जउन तू चाहत ह परमेस्सर स पराथना करत रहा

(लूका 11:9-13)

7"परमेस्सर स माँगत रहा, तोहका दीन्ह जाइ। खोजत
रहा, तोहका मिली। खटखटावत रहा, तोहरे बरे दरवाजा
खोलि दीन्ह जाई। 8काहेकि हर कउनो जउन माँगत ह,
पावत ह। जउन ढूँढ़त ह, पावत ह। जउन न खटखटावत
रहत ह ओकर बरे दरवाजा खोलि दीन्ह जाई। 9तू सबन मँ
स अइसा बाप कउन सा अहइ जेकर बेटवा रोटी माँगइ
अउर उ बेटवा क पाथर देइ? 10या जब उ मछरी माँगइ
तउ उ ओका साँप दइ देइ। बतावा का कउनो देई? अइसा
कउनो न करी। 11एह बरे चाहे तू बुरा काहे न हवा, जानत
ह कि आपन गदेलन क नीक भेंट कइसे दीन्ह जात हीं।
वइसे हीं सचमुच सरगे क बसइया तोहार परमपिता माँगइवालन
क नीक नीक चीचन्क जरूर देइ।

नेम धरम क सबते बड़ी उपदेस

12"एह बरे जइसा बेवहार आपन बरे तू दूसर लोगन्स
चाहत ह, वइसा बेवहार तू भी ओनसे करा। यही मूसा क
व्यवस्था अउर नबियन दुआरा बतावा गवा बा।

सरग अउर नरक क राह

(लूका 13:24)

13"सँकरे राह स घुसा! इ मइँ तोहका यह बरे कहत हउँ
काहेकि चौड़ा दुआर अउर बड़की राह तउ बिनासे कइँती
लइ जात ह। बहोत स मनई उ राहे प चलत हीं। 14मुला
केतँना सँकरा अहइ उ दुआर अउर केतँना छोटकी अहइ उ
राह जउन जिन्नगी कइँती लइ जात ही अउर कठिन अहइँ
उ सबइ मनइयन जउन ओका पावत अहइँ।

करम ही बतावत हीं कि कउन कइसा अहइ

(लूका 6:43-44; 13:25-27)

15"झूठे नबियन स होसियार रहा। उ पचे तोहरे लगे
निर्छल भेड़िन क भेस मँ आवत हीं मुला भीतर उ सबइ
खूँखार बड़का कूकुर होत हीं। 16तू ओनके करमन क फल
स पहिचान लेब्या। कउनो कँटेहरी झाड़ी स न तउ अंगूर
एकट्ठा कइ पावत ही अउ न गोखरू स अंजीर। 17अइसे
ही बढ़िया बिरवा प नीक फल लागत हीं मुला बेकार बिरवा
प बेकार फल लागत हीं। 18एक नीक बिरवा बुरे फल नाहीं
पइदा करत अउर न कउनो बेकार बिरवा नीक फल पइदा
कइ सकत ह। 19हर उ बिरवा जेह प नीक फल नाहीं
लगतेन, ओका काटि के आगी मँ झोकि दीन्ह जात ह।
20एह बरे मइँ तू सबन क दुबारा कहत हउँ कि उ लोगन
क तू ओनके करमन क फले स पहिचान लेब्या।
21"'पर्भू, पर्भू' कहइवाला हर मनई सरगे क राज्य मँ
घुस न पाई मुला उहइ सरग जउन सरगे मँ बसा अहइ मोरे
परमपिता क इच्छा प चलत ह उहइ ओहमाँ घुसि पाई।
22उ आखिरी दिना मँ बहोत स मनई मोसे पुछिहीं, 'पर्भू!
पर्भू! का हम तोहरे नाउँ स भविस्सबाणी नाहीं कीन्ह? का
तोहरे नाउँ स हम सबन दुस्ट आतिमन क नाहीं निकारा
अउर का हम पचे तोहरे नाउँ स अद्भुत कारजन नाहीं
कीन्ह? 23तबहिं मइँ ओनसे साफ साफ कहियउँ कि मइँ तू
सबन्क नाहीं जानत हउँ, 'हे कुकरमी महइयो! हियाँ स
भागि जा।'

एक ठु बुद्धिमान अउर एक मूर्ख

(लूका 6:47-49)

24"यह बरे जउन मोर सब्दन क सुनत ह अउर उ एन प
चलत ह ओकर तुलना उ बुद्धिमान स कीन्ह जाई जउन
आपन घर चट्टाने प बनएस। 25बरखा भइ, बाढ़ आइ,

आँधी चली अउइ सबई उ घरे स टक्कराइ गएन, मुला घर
गिरा नाहीं। काहेकि ओकर नेंव चट्टाने प घरि गइ रही।
26मुला उ जउन मोरे सब्दन क सुनत ह मुला ओन प चलत
नाहीं, उ मूर्ख मनई क नाईं अहइ जउन आपन घर रेते प
बनाएस। **27**बरखा भइ, बाढ़ आइ अउर आँधी चली अउर उ
घरे स टकराइ गएन, जेहसे उ घर आवाज कइके समूचइ
गिर गवा।"

28नतीजा इ भवा कि जबहिं ईसू इ बतियन क कहिके
पूरी किहेस, तउ ओकरे उपदेसन प भीड़ क लोगन क
अचरज भवा। **29**काहेकि उ धरम सास्तिरियन क नाईं नाहीं
मुला एक अधिकारी क नाईं उपदेस देत रहा।

ईसू क कोढ़ी क चंगा करब

(मरकुस 1:40-45; 5:12-16)

8 ईसू जबहिं पर्वते स खाली उतरा तउ बहोत बड़ी
मनइयन क भीड़ ओकरे पाछे होइ चली। **2**हुँवई एक
कोढ़ी भी रहा। उ ईसू क लगे आइ अउर निहुरिके बोला,
"पर्भू, जदि तू चाहा तउ मोका चंगा कइ सकत ह।"

3एँह प ईसू आपन हथवा बढ़ाइके कोढ़ी क छुएस अउर
कहेस, "मइँ चाहत हउँ; चंगा होइ जा!" अउर फउरन कोढ़ी
क कोढ़ पराइ गवा। **4**फिन ईसू ओसे कहेस, "देखा एँकरे
बारे मँ कउनो स कछू जिन कह्या। मुला याजक क लगे
जाइके ओका आपन क देखावा। फिन मूसा क हुकुम क
मुताबिक भेंट चढ़ावा जैसे लोगन्क तोहरे चंगा होइ क
साच्छी मिलि जाइ।"

ईसू फऊजी नायक क नउकर क चंगा किहेस

(लूका 7:1-10; यूहन्ना 4:43-54)

5फिन ईसू जब कफरनहूम गवा, तउ एक फऊजी नायक
ओकरे नगिचे आवा अउर ओसे मदद बरे बिनती करत
बोला, **6**"पर्भू, मोर एक सेवक मोरे घरवाँ मँ बिछउना प
ओलरा बाटइ। ओका लकवा मारे बाटइ। ओका बहोत दर्द
होत अहइ।" **7**तबहि ईसू फऊजी नायक स कहेस, "मइँ
आइके ओका चंगा करिहउँ।"

8फऊजी नायक जवाब दिहेस, "पर्भू, मइँ इ जोग्ग नाहीं
हउँ कि तू मोरे घर मँ आवा। यह बरे हुकुम दइ द्या। बस
मोर नउकर चंगा होइ जाई। **9**इ मइँ जानत हउँ कि मइँ एक
बड़का अधिकारी क नीचे काम करत अहउँ अउर मोरे नीचे
दूसर सिपाही अहइँ। जबहि मइँ एक ठु सिपाही स कहत
हउँ, 'जा' तउ उ चला जात ह अउर दूसर सिपाही स कहत
हउँ, 'आ' तउ उ आइ जात ह। मइँ आपन सेवक स कहत
हउँ, 'इ करा' तउ उ ओका करत ह।"

10जब ईसू इ सुनेस तउ उ अचरजे मँ पड़ि गवा। जउन
मनइयन ओकरे पाछे पाछे आवत रहेन ईसू ओनसे कहेस,
"मइँ तोहसे सच कहत हउँ मइँ एँतना गहरा बिसवास
इस्राएल मँ भी कउनो मँ नाहीं पाएउँ। **11**मइँ तोहका इ अउ
बतावत हउँ कि, बहोत स पूरब अउर पच्छिम स अइहीं
अउर उ सबइ भोजे मँ इब्राहीम, इसहाक अउर याकूब क
संग सरगे क राज्य मँ आपन आपन ठउर प बैठ जइहीं।
12मुला राज्य क आदिम प्रजा बाहेर आँधियारे मँ ढकेल दीन्ह
जाई जहाँ उ पचे चिचियाइके नरियाइके दाँत पीसत रइहीं।"
13तब ईसू उ फऊजी नायक स कहेस, "जा वइसा ही तोहरे
बरे होइ जइसा तोहार बिसवास अहइ।" अउर ओकर नउकर
फउरन चंगा होइ गवा।

ईसू बहोतन क चंगा किहेस

(मरकुस 1:29-34; लूका 4:38-41)

14जब ईसू पतरस क घरे पहुँच गवा, उ ओकरे सास क
बुखार स दुखी बिछउना प ओलरी देखेस। **15**तब ईसू ओका
आपन हथवा स छुएस अउर ओकर बुखार उतर गवा। फिन
उ उठी अउर ईसू क सेवा करय लाग।

16जइसे साँझ होइ गइ तउ लोग ओकरे नगिचे बहोतन
मनइयन क लइ आएन जेहमाँ दुस्ट आतिमन रहत रहीं।
आपन एक ही हुकुम स उ दुस्ट आतिमन क निकारि दिहस।
इ तरह स उ सबइ बेरमियन क नीक कइ दिहस। **17**इ यह
बरे भवा कि परमेस्सर नबी यसायाह स जउन कछू कहेस, उ
पूरा होइ जाइ:

"उ हमरे बेरमियन क लइ लिहस अउर हमरे संतापे क
ओढ़ लिहस।" *यसायाह 53:4*

ईसू क मनवइया बनइ क ललक

(लूका 9:57-62)

18जब ईसू आपन चारिहुँ कइँती भीड़ देखेस तउ उ आपन
चेलन क हुकुम दिहेस कि उ सबइ झिलिया क ओह पार
किनारे चलइँ। **19**तब एक धरम सास्तरी ईसू क निअरे आवा
अउर कहेस, "गुरु, जहँ तहँ तू जाब्या, मइँ तोहरे पाछे
चलब।"

20एँह प ईसू ओसे कहेस, "लोखरी क बिल अउर
अकास क पंछीयन क घोंसला होत हीं मुला मनई क पूत*
क लगे मूँड़ टेकावइ क कउनो ठउर नाहीं।"

21ओकर चेलन मँ स एक ठु ईसू स कहेस, "पर्भू, मोका
पहिले जाइके आपन पिता क गाड़इ क हुकुम द्या।"

22मुला ईसू ओसे कहेस, "मोरे पाछे चला आवा अउर
मरा भवा मुर्दन क आपन खुद गाड़इ द्या।"

ईसू तूफान क सांत किहेस

(मरकुस 4:35-41; लूका 8:22-25)

23तब ईसू एक नाउ प बइठि गवा। ओकर चेलन भी
पाछे पाछे गएन। **24**उहइ समइया झील मँ एँतना भयंकर
तूफान उठि गवा कि नाउ लहरन स दबी जात रही पर ईसू
सोवत रहा। **25**तबहिं ओकर चेलन ओकरे लगे पहुँचेन अउर
ओका जगाइके कहेन, "पर्भू, हमार रच्छा करा। हम पचे
मरि जाब!"

26तबहिं ईसू ओनसे कहेस, "अरे कम बिसवास करइवालो।
तू पचे काहे एँतना भयभीत अहा?" तब उ खड़ा होइके
तूफान अउर झिलिया क डाटेस अउर चारिहुँ कइँती सांति
छाइ गइ।

मनई क पूत ईसू परमेस्सर क पूत रहा। दानि. 7:13-14 मँ इ मसीह क नाउँ अहइ जेका परमेस्सर मनइयन क उद्धार करइ बरे चुने रहा।

27मनइयन अचरजे मँ पड़ि गएन। उ सबइ कहेन, "इ कइसा मनई बाटइ? अंधड़ तूफान अउर झिलिया तक ऍंकर बतिया मानत हीं!"

दुइ मनई क दुस्ट आतिमन स छूटि जाब

(मरकुस 5:1-20; लूका 8:26-39)

28जब ईसू झील क उ पार, गदरेनियोन क देस पहुँच गवा, तउ ओका कब्रन स निकरि के दुइ मनई आवत भए मिलेन, जेहमाँ दुस्ट आतिमन रहिन। उ पचे ऍंतना खौफनाक रहेन कि उ रस्ता स कउनो निकरि तक नाहीं सकत रहा। 29उ पचे चिचियानेन, "हे परमेस्सर क पूत! तू मोसे का चाहत बाट्या? का तू हियाँ ठीक समइ स पहिले हमका दंड देइ आइ अहा?"

30हुवाँ तनिक दूरी प बहोत स सुअरन क झुंड चरत रहा। 31तउ उ दुस्ट आतिमन ओसे बिनती करत भए कहेन, "जदि तोहका हम पचन क बाहेर निकारब ही बाटइ, तउ हमका सुअरन क झुंडे मँ पठइ द्या।"

32तउ ईसू ओनसे कहेस, "चला जा!" तब उ सबइ ओन मनइयन मँ स बाहेर निकरि आइन अउर सुअरन मँ घुसि गइन। फिन समूचा झुंड ढलाने स लुढ़कत पुढ़कत पराइके ढालू किनारे स झिलिया मँ गिरि गवा अउ सबहिं सुअरन पानी मँ बूड़िके मर गएन। 33सुअरन क झुंड क रखवालन भागत भागत हुआँ स सहर आएन अउर सुअरन क साथ तथा दुस्ट आतिमन स ग्रस्त ओन मनइयन क साथ जउन कछू भवा, कहिके सुनाएन। 34फिन तउ सहर क सबइ मनइयन ईसू स भेंटइ बरे निकर पड़ेन। जब उ पचे ईसू क देखेन तउ ओसे बिनती किहेन कि उ ओनके हियाँ स कहुँ अउर ठउर चला जाइ।

लकुआ क मरीज क चंगा करब

(मरकुस 2:1-12; लूका 5:17-26)

9 फिन ईसू एक नाउ प चढ़ा अउर झिलिया क पार आपन सहर आइ गवा। 2मनइयन लकुआ क मरीजे क खटिया प ओलराइके ओकरे नगिचे लइ आएन। ईसू जबहि ओकरे बिसवास क देखेस तउ लकुआ क रोगी स कहेस, "हे बालक ढाढ़स रखा। तोहार पापन्क छमा कीन्ह गवा।" 3तबहि कछू यहूदी धरम सास्तिरियन आपस मँ कहइ लागेन, "इ मनई (ईसू) अपने सब्दन स परमेस्सर क बेज्जत करत ह।"

4ईसू जानत रहा कि उ पचे का सोचत विचारत अहइँ; ईसू ओनसे बोला, "तू सब आपन मन मँ काहे बुरा बिचार आवइ देत ह? 5जिआदा सहल का बाटइ? इ कहब, 'तोहार पापन्क छमा कीन्ह गवा।' या इ कहब 'खड़ा ह्वा अउर चलि पड़ा?' 6काहेकि तू सब इ जान पावा कि धरती प पापन्क छमा करइ क सक्ती मनई क पूत मँ अहइ।" ईसू लकुआ क रोगी स कहेस, "खड़ा ह्वा, आपन बिछउना उठावा अउ घरे चला जा।" 7उ लकुआ क मरीज खड़ा होइके आपन घर चला गवा। 8जबहि भीड़े मँ मनइयन इ निहारेन कि तउ उ सबइ गहरी भक्ती स अचरजे मँ पड़ि गएन अउर परमेस्सर क गुन गावइ लागेन जउन मनई क अइसी सक्ती दिहेस।

ईसू क मत्ती क चुनब

(मरकुस 2:13-17; लूका 5:27-32)

9ईसू जब हुआँ स जात रहा तउ उ महसूले क चुंगी क चौकी प बइठा भवा एक मनई क देखेस। ओकर नाउँ मत्ती रहा। ईसू ओसे कहेस, "मोरे पाछे चला आवा।" ऍंह प मत्ती खड़ा भवा अउर ओकरे पाछे होइ गवा।

10अइसा भवा कि जब ईसू मत्ती क घर बहोत स चुंगी उगहियन अउर पापी मनइयन क संग आपन मनवइयन क साथ लइके जेंवत रहा। 11तउ ओका फरीसियन देखेन अउर ओनके चेलन स पूछइ लागेन, "तोहार गुरु चुंगी क उगहिया अउर बुरा मनइयन क संग खइया के काहेखात ह?"

12इ सुनिके ईसू ओनसे कहेस, "हिट्ठ पुट्ठ मनई क नाहीं मुला बेरमियन क एक बैद्य (डाक्टर) क जरूरत होत ह। 13एह बरे तू सबइ जा अउर समझा कि सास्तरे क बचन क अरथ का अहइ? 'मइँ बलिदान नाहीं चाहत हउँ मुला दाया चाहता हउँ।'* मइँ धर्मी क नाहीं मुला पापियन क बुलावइ आइ हउँ।"

ईसू दूसर यहूदी धर्म नेता स न्यारा

(मरकुस 2:18-22; लूका 5:33-39)

14फिन बपतिस्मा क देवइया यूहन्ना क चेलन ईसू क लगे गएन अउर पूछेन, "हम सबइ अउर फरीसियन पुनि पुनि उपवास काहे करत हीं परन्तु तोहार चेलन काहे नाहीं करतेन?"

15फिन ईसू ओनका समझाएस, "का दूल्हा क साथी जब ताईं दूल्हा ओनके संग अहइ, सोक मनाइ सकत हीं? मुला उ दिनन अइहीं जब दुल्हा ओनसे छीन लीन्ह जाई फिन उ समइया मँ उ सबइ दुखी होइहीं अउर उपवास करिहीं।

16"बे सिकुड़ा भवा नवा कपरा क पइबंद पुरान पोसाके प कउनो लगावत नाहीं काहेकि इ पइबंद पोसाके क अउर जिआदा फाड़ देइ अउ कपरा क खोंच अउर बाढ़ जाई। 17नई दाखरस पुरान मसकन मँ भरी नाहीं जात। नाहीं तउ मसकन क फोरि देइ अउर दाखरस बहिके फैलि जाई। एह बरे लोग नई दाखरस नई मसकन मँ भरत हीं जइसे दाखरस अउर मसकन दुइनउँ बचा रहइँ।"

मरी लरिकी क जिन्नगी देब अउर बेरमिया स्त्री क चंगा करब

(मरकुस 5:21-43; लूका 8:40-56)

18ईसू ओन मनइयन क जब इ बतिया बतावत रहा, तबहि यहूदी आराधनालय क एक मुखिया ओकरे लगे आवा अउर ओकरे समन्वा निहुरिके बिनती करत भवा बोला, "अबहीं अबहीं मोर बिटिया मरी गइ अहइ। तू चलिके जदि ओह प आपन हाथ रख द्या तउ उ फिन जी जाई।"

'मइँ … हउँ' होसे 6:6

19एँह प ईसू खड़ा होइके आपन चेलन क संग ओकरे
साथ चल दिहेस।
20हुवाँ एक ठु स्त्री रही जेका बारह बरिस स खून बहत
रहा। उ पाछे स ईसू क नगिचे आइ, ओकरे ओढ़ना क
मुहरी छुइ लिहस। 21उ आपन मनवा मँ सोचत रही, "जदि
मइँ तनिकउ भी एकर ओढ़ना छुइ पावउँ, तउ नीक होबउँ।"
22घूमिके निहारत भवा ईसू कहेस, "बिटिया, खुस रहा।
तोहार बिसवास तोहका चंगा किहेस ह।" अउर उ स्त्री
तुरंतहि उहइ छन चंगा होइ गइ।
23ओह कइँती ईसू जब आराधनालय क मुखिया क घरवा
पहुँचा तउ उ देखेस कि सोक धुन बजावत बाँसुरी क
बजवइया अउर हुवाँ एँकट्ठा भए मनइयन लरकी क मउत
प सोक करत रहेन। 24तबहि ईसू लोगन्स कहेस, "हियाँ स
बाहेर जा। लरकी मरी नाहीं बा, उ तउ सोवति अहइ।" एँह
प मनई ओकर हँसी ठट्ठा करइ लागेन। 25फिन जब
भिरिया क मनइयन क बाहेर पठएस तउ ईसू लरकी क
कोठरी मँ जाइके ओकर हथवा पकड़ेस अउर उ उठि गइ।
26एँकर खबरिया उ समूचइ पहँटा मँ संचर गइ।

ईसू ढेर मनइयन क चंगा किहेस

27ईसू जब हुवाँ स जाइ लाग तउ दुइ आँधर ओकरे पाछे
होइ गएन। उ दुइनउँ चिल्लात रहेन, "हे दाऊद क पूत, हम
प दाया करा।"
28ईसू जइसे घरवा क भीतर पहुँच गवा तउ उ पचे
आँधर ओकरे लगे आएन। तबहिं ईसू ओनसे कहेस, "का
तोहका बिसवास अहइ कि मइँ, तोहका फिन आँखिन दइ
सकत हउँ?" उ पचे जवाब दिहेन, "हाँ पर्भू।"
29एँह पर ईसू ओनकइ आँखिन क छुअत कहेस, "तोहरे
बरे वइसा होइ जइसा तोहार बिसवास अहइ।" 30अउर
आँधरन क जोति मिल गइ। फिन ईसू ओनका चिताउनी देत
कहेस, "एँकरे बारे मँ कउनो क पता नाहीं लागइ चाहीं।"
31मुला उ पचे हुवाँ स जाइके इ खबरिया क उ पहँटा मँ
चारिहुँ कइँती फैलाइ दिहन।
32जब उ दुइनउँ हुवाँ स जात रहेन तउ कछू लोग ईसू
क लगे एक ठु गूंगा क लइ आएन। गूंगा मँ दुस्ट आतिमा
क सवारी रही अउर यह बरे उ कछू बोल नाहीं पावत रहा।
33जब उ दुस्टा आतिमा क निकारि दिहस तउ उ गूंगा,
जउन पहिले कछू नाहीं बोल सकत रहा, बोलइ लाग। तबहि
भिरिया क लोग अचरजे मँ कहेन, "इस्राएल मँ अइसी
घटना कबहुँ नाहीं देखी गइ।"
34मुला फरीसियन कहत रहेन, "उ दुस्ट आतिमन क
सइताने क मदद स बाहेर खदेरत ह।"

ईसू क मनइयन प दुःख

35ईसू यहूदी आराधनालयन मँ उपदेस देत, परमेस्सर क
राज्य क सुसमाचार क प्रचार करत, मनइयन क बेरामी
अउर हर तरह क दारून दुःख हरत उ समूचइ पहँटा क
गाउँ गाउँ अउर सहर सहर घूमत रहा। 36ईसू जब कउनो
भिरिया क देखततउओनके बरेकरुना स भरिजात काहेकि उ
पचे सतावा भवा अउर बेसहारा रहेन, जइसें भेड़ रहिन अउ
ओनकइ कउनो गड़रिया नाहीं रहा। 37तबहिं ईसू आपन
चेलन स कहेस, "तइयार खेत तउ बहोत अहइँ मुला मजदूर
कम बाटेन। 38यह बरे फसल क परमेस्सर स बिनती करा
कि उ, आपन फसल काटइ बरे मजदूर पठवइ।"

सुसमाचार क प्रचार बरे प्रेरितन क पठउब

(मरकुस 3:13-19; 6:7-13; लूका 6:12-16; 9:1-6)

10 तउ ईसू आपन बारहु चेलन क लगे बोलवाइके
ओनका दुस्ट आतिमन क बाहेर खदेरइ, अउर हर
तरह क रोगन अउर दारुन दुःखन क दूर करइ क सक्ती
दिहेस। 2उ सबइ बारहु प्रेरितन क नाउँ इ अहइँ सबते पहिले
समौन, जउन पतरस कहा गवा, अउर ओकर भाई आन्द्रियास,
जब्दी क बेटवा याकूब अउर ओकर भाई यूहन्ना। 3फिलिप्पुस,
बरतुल्मै, थोमा, चुंगी (टिक्स) क उगहिया मत्ती, जल्फै क
बेटवा याकूब अउर तद्दै। 4समौन कनानी* अउर यहूदा
इस्करियोती जे ओका धोखा दइके पकड़वाए रहा।
5ईसू इन बारहु प्रेरितन क बाहेर पठवत हुकुम दिहेस कि
उ सबइ, "गैर यहूदियन क पहँटा मँ न जाइँ अउर कउनो
सामरी सहर मँ न घुसइँ। 6मुला उ सबइ इस्राएल क परिवारे
क हेराइ गइ भेड़न क नगिचे जाइँ 7अउर ओनका उपदेस
देइँ, 'सरगे क राज्य नगिचे अहइ।' 8उ सबइ बेरमियन क
नीक करइँ, मरे भएन क जिन्नगी देइँ, कोढ़िन क नीक
करइँ अउर दुस्ट आतिमन क खदेरइँ। तू सबइ बे कछू देए
भए पर्भू क असीस अउर सक्ती पाए अहा, एह बरे दूसरउँ
क बे कछू लिए अजादी स बाँटा। 9आपन बटुआ मँ सोना,
चाँदी अउर ताँबा जिन रखा। 10जात्रा बरे कउनो झोला तक
जिन रखा। कइसो फालतू कुर्ता, चप्पल अउर छड़ी जिन
ल्या। काहेकि मजदूर क ओकरे खइया प हक अहइ।
11"तू पचे जब कबहुँ कउनो सहर या गाउँ मँ जा तउ
पता करा कि हुवाँ बिसवास क लायक कउन अहइ। फिन
तब ताईं हुवाँ ठहरि जा जब ताईं हुवाँ स चल न द्या।
12जबहिं तू उ कउनो क घरे मँ जा तउ उ परिवार क
मनइयन क मान सम्मान करत कहा, 'तोहका सांति मिलइ।'
13जदि घरे क मनई सुपात्र होइहीं तउ तोहार असीस ओनके
संग रही अउर जदि ओकरे जोग्ग नाहीं होइहीं तउ तोहार
असीस तोहरे लगे लौटि आई। 14जदि कउनो तोहार
अगवानी न करइ या तोहार बतियन क न सुनइ तउ उ
घरवा या सहर क तजि द्या। अउर आपन गोड़वा मँ लागी
माटी क हुवँइ झाड़ि द्या। 15मइँ तोहसे सच कहत हउँ कि
जब निआव होई तब उ सहर क दसा सदोम अउर अमोरा*
सहरन क दसा कहूँ जिआदा बढ़िया होई।

आपन प्रेरितन क ईसू क चिताउनी

(मरकुस 13:9-13; लूका 21:120-17)

16"होसियार! मइँ तोहका बिगवन मँ भेड़न क नाईं बाहेर
पठवत अहउँ। कीरा क नाईं चालाक अउर कबूतरे क नाईं

कनानी यहूदी क एक कटटर राजनीति दल क नाउँ जेकर उ निंअंबर होत रहा।

सदोम अउ अमोरा दुइ सहरन क पर्भू ओनके बसइया क पापन क दण्ड बरे नास कइ दिहेस।

भोला बना रहा। 17मनइयन स होसियार रह्या काहेकि उ
पचे तोहका बंदी बनाइके यहूदी पंचायत क दइ देइहीं अउर
तोहका आपन आराधनालयन मँ कोड़ा स धुनवइहीं। 18तोहका
हुकूमत क सासक अउर राजा क समन्वा हाजिर करिहीं,
काहेकि तू सबहीं मोर चेलन अहा। तोहका इ औसर दीन्ह
जाई कि तू ओनका अउर गैर यहूदियन क मोरे बारे मँ
साच्छी द्या। 19जब उ पचे तोहका धरइँ तउ फिकिर जिन
कर्‌या कि तोहका का कहइ क बाटइ अउर कइसे कहइ
क अहइ। काहेकि उ समइ प तोहका बताइ दीन्ह जाई कि
तोहका का कहइ क अहइ। 20याद रखा कि बोलवइया तू
नाहीं अहा, मुला तोहरे परमपिता क आतिमा तोहरे भीतर
बोली।

21"भाई आपन भाइयन क धरवाइ क मरवइहीं, महतारी
बाप आपन गदेलन क पकड़वइहीं अउर बचवन आपन
महतारी बाप क खिलाफ होइ जइहीं। उ पचे ओनका मरवाइ
देइहीं। 22मोरे नाउँ क कारण मनई तोहसे घिना करिहीं।
मुला आखिर तक जउन टिका रही उहइ क उद्धार होई।
23उ सबइ अब तोहका सहर मँ सतावइँ तउ तू दूसर सहर मँ
पराइ जाया। मइँ तोहसे सच सच कहत हउँ अइसे पहिले तू
इस्राएल क सबइ ही सहरन क चक्कर लगाइ ल्या, मनई
क पूत दुबारा आइ जाई।

24"चेला आपन गुरु ते बड़वार नाहीं होतेन अउर न ही
कउनो नउकर आपन मालिक ते बड़वार होत ह। 25चेला क
गुरु क नाईं होइ मँ अउर नउकरे क मालिक क नाईं होइ
मँ संतोख करइ चाही। जब उ घरे क मालिक क बेल्जाबुल
(सइतान) कहइँ तउ, ओकरे घरे क दूसर लोगन क संग
तउ अउ भी बुरा बेवहार करिहीं!"

परमेस्सर स डेराअ मनइयन स नाहीं

(लूका 12:2-7)

26"एह बरे ओनसे डेराअ जिन काहेकि जउन छुपी अहइ,
सब खुलि जाई। अउर हर चीज जउन छुपी अहइ, परगट
होइ जाई। 27मइँ अँधियारे मँ जउन कछू तोसे कहत हउँ,
मइँ चाहित ह कि तू उजियारे मँ कहा। मइँ जउन कछू तोहरे
कनवा मँ कहेउँ तू ओकरे मकाने क छत्तियापर चढ़िके,
एलान करा। 28ओनसे जिन डेराअ, जउन तोहरे देह क नास
कइ डइहीं मुला तोहरे आतिमा क नाहीं मारि सकतेन। बस
उ परमेस्सर स डेराअ जउन तोहार देह अउर आतिमा क
नरके मँ नाइ के नास कइ सकत ह। 29एक ठु पइसा क
दुइ चिड़िया बेसहे मँ स भी एक तोहरे परमपिता क बे जाने
भए अउर ओकर बिना इच्छा स धरती प नाहीं गिर सकत।
30अरे तोहरे मूँड़े क एक एक बार तक गिना भवा बाटइ।
31यह बरे डेराअ जिन, तोहार कीमत तउ वइसी बहोत स
चिड़ियन ते जिआदा बाटइ।

ईसू मँ बिसवास

(लूका 12:8-9)

32"जउन कउनो मोका सब मनइयन क समन्वा अपनाई,
मइँ भी ओका सरगे मँ बसा आपन परमपिता क समन्वा
अपनियाउब। 33मुला जउन कउनो मोका सब मनइयन क
समन्वा न अपनियाई, मइँ भी ओका आपन परमपिता क
समन्वा न अपनियाउब।

ईसू क अनुसरण तोहार बरे परेसानी लावइ सकत ह

(लूका 12:51-53; 14:26-27)

34"इ जिन सोचा कि मइँ धरती प सांति लइ आवइ आइ
हउँ। सांति नाहीं मुला एक तरवारे क लइ आइ हउँ।
35-36मइँ तउ, बेटवा क बाप क खिलाफ:
'बिटिया क महतारी खिलाफ, दुलहिन क सासे क
खिलाफ करइ आइ हउँ। मनई क बैरी ओकरे घरे क मनई
ही होइहीं।' *मीका 7:6*

37"जउन आपन महतारी बाप स मोसे जिआदा पिरेम
करत ह, उ मोर होइ क जोग्ग नाहीं जउन अपने बेटवा
अउर बिटिया से मोसे जिआदा पिरेम करत ह, उ मोर होइके
जोग्ग नाहीं। 38उ जउन क्रूसे (यातना) उठाइके मोरे पाछे
होत नाहीं, मोर होइके जोग्ग नाहीं। 39उ जउन आपन प्राण
बचावा चाहत ह, आपन प्राण खोइ देइ। मुला जउन मोरे बरे
आपन प्राण दइ देइ, उ जिन्नगी पाई।

परमेस्सर ओका आसीस देब जउन तोका स्वीकार करी

(मारकुस 9:41)

40जउन तू पचन क अपनावत ह, उ मोका अपनावत ह
अउर जउन मोका अपनावत ह, उ उहइ परमेस्सर क
अपनावत ह, जउन मोका पठएस ह। 41जउन कउनो नबी क
यह बरे अपनावत ह कि उ नबी अहइ, ओका उहइ ओकरे
बदले मँ फल मिली जउन कि नबी क मिलत ह। अउ जदि
तू कउनो धर्मी क यह बरे अगवानी करत ह कि उ धर्मी
बाटइ, ओका सच उहइ बदले मँ फल मिली जउन कउनो
धर्मी क मिलत ह। 42अउर जदि कउनो मोर इ भोला भाला
चेलन मँ स कउनो एक क एक लोटा ठंडा पानी तक दइ
दे कि उ मोर चेला अहइ, तउ मइँ तोसे सच कहत हउँ
कि ओका एँकरे बदले मँ फल सचमुच बे मिले भए न
रही।"

ईसू अउर बपतिस्मा क देवइया यूहन्ना

(लूका 7:18-35)

11 अइसा भवा कि ईसू आपन बारहु चेलन क इ तरह
समझाइके हुवाँ स चला गवा अउर गलील देस क
सहरन मँ उपदेस देत अउर प्रचार करत लाग। 2यूहन्ना जब
जेल मँ मसीह क काम क बारे मँ सुनेस तउ उ आपन
चेलन स संदेस पठइके पूछेस, 3"का तू उहइ अहा, जउन
आवइवाला रहा या हम पचे कउनो अउर आवइवाला क
बाट जोही?"

4ईसू जवाबे मँ ओनसे कहेस, "जउन कछू तू सबइ सुनत
अहा, अउर देखत अहा, जाइके जूहन्ना क बतावा कि,
5अँधरे क आँखी मिलति अहइँ, लूला लगँड़ा चल पावत
अहइँ, कोढ़ी चंगा होत अहइँ, बहिर सुनत अहइँ अउ मुर्दी
जिआइ जात अहइँ अउर गरीबन मँ सुसमाचार क प्रचार

कीन्ह जात अहइ। 6उ धन्य अहइ जउन मोका अपनाइ
सकत ह।”
7जब यूहन्ना क चेलन हुवाँ स जात रहेन तउ ईसू भीड़ मँ
यूहन्ना क बारे मँ कहइ लाग, “तू पचे इ उसरे मँ का
निहारइ आइ अहा? का कउनो सरपत? जउन हवा स उड़ि
जात बा। 8नाहीं, तउ फिन का देखइ आइ अहा? का एक
मनई? जउन बहोत बढ़िया ओढ़ना पहिरे बा? देखा जउन
उत्तिम बस्तर पहिरत हीं, उ सबइ तउ राजा क महले मँ
मिलत हीं। 9तउ तू सबइ का निहारइ आइ अहा? का कउनो
नबी? हाँ, मइँ तोहका बतावत हउँ कि जेका तू देख्या ह उ
कउनो भी नबी स जिआदा अहइ। 10इ उहइ अहइ जेकरे
बारे मँ पवित्तर सास्तर मँ लिखा बाटइ:

‘देखा, मइँ तोहसे पहिले ही आपन दूत पठवत हउँ। उ
तोहरे बरे राह बनाई।’ *मलाकी 3:1*

11मइँ तोहसे सच कहत हउँ बपतिस्मा देवइया यूहन्ना त
बड़वार कउनो मनई पइदा नाहीं भवा। फिन भी सरगे क
राज्य मँ छोट त छोट मनई भी यूहन्ना स बड़कवा अहइ।
12बपतिस्मा क देवइया यूहन्ना क समइ स आज तलक
सरगे क राज्य खौफनाक हमला झेलत रहा अहइ अउ हिंसा
करवइया ओका छीन इ क जतन करत हीं। 13यूहन्ना क
आवइ तलक सारे नबियन अउर मूसा क व्यवस्था इ
भविस्सबाणी किहेन, 14अउर जदि तुम व्यवस्था अउर
नबियन जउन कछू कहइ, ओका स्वीकार करने क तैयार ह
तउ जेकरे आने की भविस्सबाणी की गयी थी इ यूहन्ना
उहइ एलिय्याह बाटइ। 15जउन सुनि सकत होइ, उ सुनि
लेइ!
16“आजु क इ पीढ़ी क तुलना मइँ कउने स करउँ? उ
सबइ बाजारे मँ बइठा भवा ओन गदेलन क नाईं अहइँ
जउन एक दूसर क नरियाइके कहत रहेन,

17‘हम तोहरे बरे बाँसुरी बजावा, मुला तू नाच्या नाहीं।
हम पचे सोकगीत गावा मुला तू रोया नाहीं।

18बपतिस्मा देवइया यूहन्ना आवा। जउन अउरन क नाईं
खात रहा अउर न पिअत रहा। मुला लोग कहे रहेन,
‘ओहमा दुस्ट आतिमा समाइ गइ अहइ।’ 19फिन मनई क
पूत आवा। जउन अउरन क नाईं खात-पिअत ह, मुला मनई
कहत हीं, ‘इ मनई क देखा, ई पेटू अहइ, पिअक्कड़
बाटइ। इ चुंगी क उगहिया अउर पापी क मीत अहइ।’
मुला बुद्धि क चमत्कार काम स सिद्ध होइ जात ही।”

बिसवासी क न करइया क ईसू क चिताउनी

(लूका 10:13-15)

20फिन ईसू ओन नगरन क धिक्कारेस, जेहमाँ उ ढेर
अद्भुत कारजन किहेस। काहेकि हुवाँ क मनइयन आपन
पाप करबँ नाहीं छोड़ेन अउर मनफिराव नाहीं करेन। 21ईसू
कहेस, “अरे अभगे खुराजीन* अरे अभगे बैतसैदा जउन
अद्भुत कारजन तोहमा कीन्ह गएन जदि उ सबइ काम सूर
अउ सैदा मँ कीन्ह जातेन तउ हुवाँ क मनई बहोत पहिले
टाट क कपरा* ओढ़िके सोक बरे अउर देह प राखि
लगाइके दुख क परगट करत मनफिराव कइ चुका होतेन।
22मुला मइँ तू सब लोगन स कहत हउँ कि निआव क दिन
सूर अउर सैदा क दसा तोहसे जिआदा सहइ बरे जोग्ग होई।
23अउर अरे कफरनहूम का तू सोचत ह कि तोहका सरगे
क महिमा तलक ऊँचे उठावा जाई? तू तउ अधोलोक मँ
नरक तलक जाब्या। काहेकि जउन अद्भुत कारजन तोहमाँ
कीन्ह गएन, जदि उ सबइ सदोम मँ कीन्ह जातेन तउ उ
नगर आज तलक टिका होत। 24मुला मइँ तोहका बतावत
हउँ कि निआव क दिन तोहरे मनइयन क दसा ते सदोन क
दसा कहूँ नीक होई।”

ईसू क अपनियावइ बरे सुख चइन क बचन

(लूका 10:21-22)

25उ समइया प ईसू कहेस, “परमपिता, तू सरग अउर
धरती क पर्भू अहा, मइँ तोहार गुन गावत हउँ काहेकि तू
इन बातन क, ओनमाँ स जउन गियानी अउर समझदार
अहइँ, छुपाइके रखे अहा। अउ जउन भोला भाला अहइँ
ओनके बरे परगट किए अहा। 26हाँ परमपिता इ यह बरे
भवा काहे की तू ही एका अच्छे स जानत अहा। 27मोर
परमपिता सब कछू मोका सौंप दिहेस अउर असिल मँ
परमपिता क बजाय कउनो भी पूत क नाहींजानत।अउर हर
उ मनई परमपिता कजानत ह, जेकरे बरे पूत ओका परगट
करइ चाहत ह।
28“अरे, ओ थका माँदा, बोझन स दबान मनइयन मोरे
लगे आवा। मइँ तोहका सुख चइन देब। 29मोर जुआ ल्या
अउर आपन उपर धरा। फिन मोसे सीखा काहेकि मइँ सहल
हउँ अउर मोर मनवा कोमल अहइ। तोहका भी आपस बरे
सुख-चइन मिली। 30काहेकि उ जुआ जउन मइँ तोहका देइत
ह बहोत सहल बाटइ। अउर उ बोझवा जउन मइँ तोह पर
डारत अही, हल्का बाटइ।”

कछू यहूदियन ईसू क निन्दा किहेन

(मरकुस 2:23-28; 6:1-5)

12 लगभग उहइ समइया ईसू सबित क दिन अनाजे क
खेतन स होइके जात रहा। ओकरे चेलन क भूख
लाग अउ गोहूँ क बाल तोड़ि क चबाइ लागेन। 2फरीसियन
अइसा होत देखिके कहेन, “देख! तोहार चेलन उ करत
अहइँ जेकर सबित क दिन करब मूसा क व्यवस्था क
माफिक नाहीं।”
3एँह प ईसू ओनसे पूछेस, “का तू नाहीं पढ्या कि दाऊद
अउर ओकर साथी, जब ओनका भूख लाग, का
किहे रहेन? 4उ परमेस्सर क घरे मँ घुसिके ओनके बरे
चढ़ाई गइ पवित्तर रोतिन क कइसे खाए रहेन? तउ भी
ओका अउर ओनके साथी संगी क ओकर खाब मूसा क

खुराजीन, बैतसैदा, कफरनहूम गलील झील क किनारे बसा नगर अहइँ जहाँ ईसू उपदेस दिहे रहा।

टाट क कपरा उ दिनन मँ सोक मनावई बरे मोटा कपरा पहिरत रहेन अउ देह प राख लगावत रहेन।

व्यवस्था क खिलाफ रहा। ओका सिरिफ याजकन ही खाइ
सकत रहेन। 5मूसा क व्यवस्था मँ तू इ नाहीं पढ़्या कि
सबित क दिन मंदिर क याजक ही असिल मँ सबित क दिन
बिगार देत हीं अउर फिन ओनका कउनो कछू नाहीं कहत।
6मुला मइँ तोसे कहत हउँ, हियाँ जउन कउनो बाटइ उ
मंदिर ते बड़वार बाटइ। 7जदि तू पवित्तर सास्तर मँ जउन
लिखा अहइ, ओका जानत ह, 'मइँ मनइयन मँ दाया चाहत
हउँ, पसुबलिदान नाहीं तउ तू ओनका दोखी नाहीं*

ठहरउत्या जउन निर्दोख अहइँ। 8हाँ, मनई क पूत सबित
क दिन क भी सुआमी अहइ।"

ईसू सुखंडी हाथे क चंगा किहेस

(मरकुस 3:1-6; लूका 6: 6-11)

9फिन उ हुवाँ स चला गवा अउर उनके आराधनालय मँ
पहुँच गवा। 10हुवाँ एक ठु मनई रहा, जेकर हाथ सुखंडी
रहा। तउ मनइयन ईसू स पूछेन, "मूसा क व्यवस्था क
माफिक सबित क दिन का कउनो क नीक करब ठीक
अहइ?" उ सबइ एह बरे ओसे पूछेन कि, उ पचे ओह प
दोख लगाइ सकइँ।

11मुला उ ओनका जवाब दिहेस, "मान ल्या, तोहमाँ स
कउनो क लगे एक ही भेड़ बाटइ, अउर उ भेड़ सबित क
दिन कउनो गड़हा मँ गिरि जात ही, तउ तू का ओका बाहेर
न निकरब्या? 12सच मनई तउ एक भेड़े स जिआदा बढ़के
अहइ। यह बरे सबित क दिन मूसा क व्यवस्था भलाई
करइ बरे अनुमति देत ह।"

13तब ईसू उ सुखंडी हाथवाला मनई स कहेस, "आपन
हथवा आगे बढ़ावा।" उ पूरी तरह स चँगा होइ गवा। ठीक
उहइ तरह जइसे ओकर दूसर हाथ रहा। 14तब फरीसियन
हुवाँ स चला गएन अउर ओका मार डावइ क तरकीब
गूंथइ मथइ लागेन।

ईसू उहइ करत ह जेकरे बरे परमेस्सर ओका चुनेस

15ईसू इ जान गवा अउर हुवाँ स चला गवा। भारी भीड़
पाछे पाछे होइ गइ। उ ओनका चंगा करत। 16चिताउनी
दिहस कि ओकरे बारे मँ मनइयन क कछू न बतावइँ। 17इ
एह बरे भवा कि नबी यसायाह पर्भू क बारे मँ जउन कछू
कहेस ह, उ पूरा होइ जाइ:

18"इ मोर सेवक अहइ, मइँ जेका चुनेउ हउँ। इ मोर
पिआरा अहइ, ऍहसे मइँ आनंद मँ हउँ आपन आतिमा ऍह
प मइँ रखियउँ सब देसन क सब मनइयन क इ निआव क
एलान करी।

19इ कबहुँ नाहीं चिचिआई, या झगड़ी ही मनइयन ऍका
गली कूचा मँ न सुनिहइँ

20उ सरते क न उ तोड़ीन इ बुझत दिया तलक उ न
बुझाई डटा रही तब ताईं जब ताईं निआव क जीत न होइ
जाई।

21तब फिन सबइ लोग आपन आसा ओहमाँ बंधिहीं,
फिन उहइ नाउँ मँ।" *यसायाह 42:1-4*

'मइँ ... नाहीं' होसे 6:6

ईसू मँ परमेस्सर क सक्ती बाटइ

(मरकुस 3:20-30; लूका 11:14-23; 12:10)

22फिन मनइयन ईसू क लगे एक अइसे आँधरे क लइ
आएन जउन गूँगा भी रहा काहेकि ओहँ प दुस्ट आतिमा क
सवारी रही। ईसू ओका चांगा किहेस अउर एह बरे इ गूँगा
अउर आँधर बोलइ अउर देखइ लाग। 23ऍह प सबइ
मनइयन अचरजे मँ पड़ि गएन अउर उ सबइ कहइ लागेन,
"का इ मनई दाऊद क पूत होइ सकत ह?"

24जबहिं फरीसियन इ सुनेन तउ उ पचे कहेन, "इ दुस्ट
आतिमन क ओनके सरदार बेल्जाबुल क सहारा स बाहरे
निकारत ह।"

25ईसू ओनके मनवा क बात जानि गवा अउर ओनसे
कहेस, "हर राज्य जेहमाँ फूट परि जात ह, ओकर नास होइ
जात ह। वइसे ही हर सहर या परिवार जेहमाँ फूट परि जात
ह उ टिकइ नाहीं पावत। 26तउ सइतान ही खुद आपन क
बाहेर कइसे निकारी फिन तउ ओहमाँ आपन खिलाफ फूट
पड़ि जाई। तउ ओकर राज्य कइसे बना रहि पाई। 27अगर
इ सच अहइ कि मइँ बेल्जाबुल क सहारा स दुस्ट आतिमन
क खदेरत हउँ तउ तोहार मनवइया कउने सहारा स ओनका
बाहेर खदेरत हीं? तउ तोहार आपन मनवइया ही सिद्ध
करिहीं कि तू गलत अहा। 28मइँ दुस्ट आतिमन क परमेस्सर
क आतिमा क सक्ती स निकारत हउँ। ऍहसे इ सिद्ध होत
ह कि परमेस्सर क राज्य तोहरे निअरे आइ ग अहइ।

29"फिन कउन कउनो जबरा क घरवा मँ घुसिके ओकर
माल कइसे चोरॉइ सकत ह, जब तलक उ जबरा क पहिले
बाँध न देइ। तबहिं उ ओकरे घरवा क लूटि सकत ह।

30"जउन मोर संग नाहीं उ हमरे खिलाफ बाटइ। अउर
जउन अलगााइ भई भेड़न क बटोरइ मँ मोर मदद नाहीं
करत, उ ओनका अलगावत ह। 31एह बरे मइँ तोहसे कहत
हउँ कि सब मनइयन क किस्म किस्म क निन्दा अउर
पापन्क छमा कइ दीन्ह जाइ मुला पवित्तर आतिमा क निन्दा
क छमा किन्ह न जाई। 32कउनउ मनई क पूत क खिलाफ
जदि कछू कहत ह तउ ओका छमा कीन्ह जाइ सकत ह,
मुला पवित्तर आतिमा क खिलाफ कउनो कछू कहइ तउ
ओका छमा न कीन्ह जाई। न तउ इ युग मँ अउर न
आवइवाला युगे माँ।

मनई आपन करम स जाना जात ह

(लूका 6:43-45)

33"तू लोग जानत ह कि बढ़िया फरे बरे तोहका बढ़िया
बृच्छ रोपइ चाही। मुला बृच्छ बुरा अहइ तउ बुरा फर देइ।
काहेकि बृच्छ आपन फरे स जाना जात ह। 34अरे हे कीरा
क बचवन! जब तू खुदइ बुरा अहा तउ नीक बातन कइसे
कहि सकत ह? मनई क सब्द जउन ओकरे मनवा मँ भरा
अहइ, उहइ स निकरत ही। 35एक नीक मनई मनवा क
नीक भंडारे स नीक बातन निकारत ह अउर बुरा मनई बुरी
बातन क निकारत ह जउन मनवा क भंडारे मँ एकट्ठा
रहत हीं। 36अउ मइँ तू सब जने क बातवन हउँ कि निआव
क दिन हर मनई क लापरवाही स बोली गइ बातन क

हिसाब देइ क होई। 37तोहरे बातन क ऊपर तोहका निर्दोख
अउर दोखी ठहराइ जाई।"

ईसू स प्रमाण सरूप अचरज चीन्ह क माँग

(मरकुस 8:11-12; लूका 11:29-32)

38फिन कछू धरम सास्तिरियन अउर फरीसियन ओसे
कहेन, "गुरु, हम पचे तोसे अद्भुत चीन्हा परगट करइ
चाहित ह।"

39ईसू ओनसे जवाबे मँ कहेस, "इ जुग क बुरा अउर
दुराचारी पीढ़ी क मनई अद्भुत चीन्हा देखा चाहत हीं। नबी
योना क अद्भुत चीन्हा तजिके ओनका अउर कउनो अद्भुत
चीन्हा न दीन्ह जाई। 40अउ जइसे योना तीन दिना अउर तीन
रात उ समुद्री जीव क पेटवा मँ रहा, वइसे ही मनई क पूत
तीन दिन अउर तीन रात धरती प रही। 41निआव क दिन
निनेवा क रहइवाले आज क पीढ़ी क मनई क संग खड़ा
होइहीं अउर दोखी ठहरइहीं। काहेकि निनेवा क मनई योना
क उपदेस स मनफिराव करे रहेन अउर हियाँ तउ कउनो
योना स बड़वार हाजिर अहइँ। 42निआव क दिन दक्खिन क
रानी इ पीढ़ी क मनइयन क संग खड़ी होइ अउर ओनका
दोखी ठहराई, काहेकि उ धरती क दूसर छोर स सुलैमान क
उपदेस सुनइ बरे आइ रही अउर हियाँ तउ कउनउ सुलैमान
स भी बड़वार हाजिर अहइ।

मनइयन मँ सइतान

(लूका 11:24-26)

43"जब कउनउ दुस्ट आतिमा कउनो मनई क छोड़ देत ह
तउ उ आराम खोजइ बरे झुरान धरती प ढूँढ़त फिरत ह,
मुला उ ओका मिल नाहीं पावत। 44तब उ कहत ह, 'जउन
घरे क मइँ छोड़ दिहेउँ, मइँ फिन उहइँ लौटि हउँ।' तउ उ
लौटत ह अउर ओका अब ताईं खाली अउ साफ सूथर
अउर सजा भवा पावत ह। 45फिन उ लौटत ह अउ आपन
संग सात अउ दुस्ट आतिमन क लइ आवत ह जउन ओसे
भी बुरी होत हीं। फिन उ सबइ आइके हुवाँ रहइ लागत
हीं। अउर उ मनई क हालत पहिले स जिआदा खौफनाक
होत ह। आज क इ खराब पीढ़ी क मनइयन क दसा अइसी
बाटइ।"

ईसू क मनवइयन ही ओकर परिवार

(मरकुस 3:31-35; लूका 8:19-21)

46ईसू अबहीं भिड़िया क मनइयन स बातन कर रहा कि
ओकर महतारी अउर भाइयन हुवाँ अइके बाहेर खड़ा होइ
गएन। उ पचे ईसू स बात करइ बरे इंतजार करत रहेन।
47कउनो ईसू स कहेस, "सुना तोहार महतारी अउर तोहार
भाइयन खड़ा बाटेन अउर तोसे बात करइ चाहत हीं।"

48जवाबे मँ ईसू बात करइवालन स कहेस, "कउन अहइ
मोर महतारी, अउ कउन अहइ मोर भाइयन?" 49फिन आपन
हथवा स चेलन कइँती सनकावत कहेस, "इ अहइँ मोर
महतारी अउर मोर भाइयन। 50हाँ सरगे मँ रहवइया मोरे
परमपिता क इच्छा प जउन कउनो चलत ह, उहइ मोर
भाई, बहिन अउर महतारी अहइ।"

किसान अउर बिआ क दिस्टान्त

(मरकुस 4:1-9; लूका 8:4-8)

13 उहइ दिन ईसू उ घरवा क छोड़िके झिलिया क
किनारे उपदेस देइ जाइ बइठा। 2बहोत मिला ओकरे
चारिउँ कइँती ऍकट्ठा होइ गएन। तउ एक दिन उ नाउ प
चढ़िके बइठि गवा। अउ भीड़ किनारे खड़ी रही। 3उ
ओनका दिस्टान्त क सहारा लेत भवा बहोत सी बात
बताएस।

उ कहेस, "एक किसान बिआ बोअइ निकरा। 4उ जब
बोआई करत रहा तउ कछू बिआ राहे क किनारे जाइ
गिरेन। चिड़ियन आइन अउर चुन गइन। 5तनिक बिआ
चट्टान क धरती प जाइ गिरेन। हुआँ क माटी उथली रही।
बिआ फउरन उगेन, काहेकि माटी गहिर नाहीं रही। 6यह
बरे जइसे सूरज निकरा तउ उ पउधन झुराइ गएन। अउर
काहेकि उ सबइ जिआदा जर पकड़े नाहीं रहेन एह बरे
झुराइके गिर गएन। 7बिआ क एक हींसा कँटहरी झाड़िन मँ
जाइ गिरा, झाड़िन बाढ़िन, अउर उ सबइ उ पउधन क
दहबोच लिहेन। 8मुला थोड़ा बिआ जउन बढ़िया धरती प
गिरा रहेन, बढ़िया फसल देइ लागेन। फसल, जेतॅना बोइ ग
रही, ओसे कउनो तीस गुनी, साठ गुनी या सौ गुनी स भी
जिआदा भई। 9जउन सुन सकत ह, उ सुनि लेई!'

दिस्टान्त कथा क मतलब

(मरकुस 4:10-12; लूका 8:9-10)

10फिन ईसू क चेलन ओकँरे लगे जाइके पूछेन, "तू
ओनसे बात करत भए दिस्टान्त कथा क प्रयोग काहे करत
ह?"

11जवाबे मँ उ ओनसे कहेस, "सरगे क राज्य क भेद क
जानइ क अधिकार सिरिफ तोहका दीन्ह ग अहइ, ओनका
नाहीं। 12काहेकि जेकरे लगे थोड़ा बहोत बाटइ, ओका अउर
भी दीन्ह जाई अउर ओकरे लगे ढेर होइ जाई। मुला जेकरे
लगे कछू भी नाहीं अहइ, ओहसे जेतना स ओकरे लगे
बाटइ, उ भी छोर लीन्ह जाइ। 13एह बरे मइँ ओनसे
दिस्टान्त कथा क प्रयोग करत कहत हउँ। काहेकि अगर उ
सबइ निहारत हीं, मुला असल मँ ओनका कछू देखॉइ नाहीं
देत, उ पचे अगर सुनत हीं, मुला असल मँ उ सबइ न
सुनत हीं, न समझत हीं। 14इ तरह ओन प यसायाह की
भविस्सबाणी खरी उतरत ही:

'तू सुनब्या अउर सुनतइ ही रहब्या मुला तोहरे कछू भी
समुझ न आई तू लखत ह, बस देखतइ ही रहब्या मुला
तोहका तउ कछू सूझ न पाई

15काहेकि ओनके अकिल प पाथर पड़ा हइ सबइ आपन
कान मूँद लिहेन, अउर आँखी बंद कई राखी अहइँ जेसे
आपन आँखिन स उ सबइ कछू न निहारइँ अउर उ सबइ
कनवा स कछू सुनि न पावइँ या आपन हिरदय स कबहुँ
बूझइँ अउ मुड़िकइ कबहुँ मोरी कइँती आवइँ अउर जेसे मइँ
ओनका उद्धार करउँ।' *यसायाह 6:9-10*

16मुला तोहार आँखी अउर कान धन्य अहइँ काहेकि उ
सबइ देख सुन सकत हीं। 17मइँ सच कहत हउँ बहोतन

नबियन अउर धर्मी जउन बातन क देखइ चाहत रहेन,
ओनका तू देखत अहा। उ पचे ओनका नाहीं देखि सकतेन।
अउ जउन बातन क उ सबइ सुनइ चाहत रहेन, ओनका तू
सुनत बाट्या। उ सबइ ओनका नाहीं सुन सकेन।

बिआ बोवइ क दिस्टान्त कथा क अरथ

(मरकुस 4:13-20; लूका 8:11-15)

18“तउ बिआ बोअइ क दिस्टान्त क अरथ सुन ल्या।
19उ बिआ जउन राह क किनारे गिर गवा रहा, ओकर
अरथ अहइ कि जबहिं कउनो सरगे क राज्य क उपदेस
सुनावत ह अउर समझत नाहीं तउ दुस्ट आइके, ओकरे
मनवा मँ जउन उगा रहा, उखाड़ लइ जात ह। 20उ सबइ
बिआ जउन पथरही धरती प छितराइ ग रहेन, ओकर अरथ
अहइ उ मनई जउन उपदेस सुनत ह, ओका खुसी होइके
फउरन अपनावत ह 21मुला आपन भीतर ओनकइ जड़ नाहीं
जमइ देत, उ तनिक देर ठहर पावत ह, जब उपदेस क
कारण ओह प कस्ट अउर यातना आवत हीं तउ उ फउरन
डगमगाइ जात ह।
22“कँटवन मँ छितराइ गवा बिआ क मतलब अहइ, उ
मनई जउन उपदेस क तउ सुनत ह, मुला संसार क फिकिर
अउर धन क लालच उपदेस क दहबोच लेत ह अउर उ
मनई सफल नाहीं होइ पावत। 23नीक धरती प छितरान
बिआ क अरथ अहइ उ मनई जउन उपदेस क सुनत ह
अउर समझत ह। उ सफल होत ह। ओकर सफलता तीस
गुनी, साठ गुनी या सौ गुगी तक होत ह।”

गोहूँ अउर खरपतवारे क दिस्टान्त

24ईसू ओनके समन्वा एकठू अउर दिस्टान्त कथा राखेस,
“सरगे क राज्य उ मनई क नाईं अहइ जउन आपन खेतवा
मँ नीक बिआ बोएस। 25मुला जब मनइयन सोवत रहेन, उ
मनई क दुस्मन आवा अउर गोहूँ क बीचउबीच खरपतवार
बोइ गवा। 26जइसे गोहूँ अँखुवान अउर ओह प बालन
आइन तउ खरपतवार देखाइ लाग।
27तइसेन खेते क मालिक क लगे आइके ओकर
नउकरन ओसे कहेन, ‘मालिक, तू तउ खेतवा मँ बढ़िया
बिआ बोए रहा, बोए रह्या न? फिन ई खरपतवार कहाँ ते
आइ गवा?’
28“तब उ ओनसे कहेस, ‘इ कउनो दुस्मने क काम
अहइ।’
“ओकर नउकरन ओसे पूछेन, ‘का तू चाहत ह कि हम
सबइ जाइके खरपतवार उखाड़ देइ?’
29“उ बोला, ‘नाहीं काहेकि जब तू खरपतवार उखड़ब्या
तउ ओनके संग तू गोहूँ भी उखाड़ देब्या। 30जब ताईं
फसल पाकइ, दुइनउँ क साथ साथ बाढ़इ द्या, फिन कटनी
क समइ फसल क कटइयान स कहब कि पहिले खरपतवारे
क गट्ठर बनाइके ओनका जराइ द्या अउर गोहूँ बटोरिके
मोरे खरिहाने मँ धइ द्या।’”

अउर दिस्टान्त कथा

(मरकुस 4:30-34; लूका 13:18-21)

31ईसू ओनके समन्वा अउर दिस्टान्त कथन्क राखेस:
“सरग क राज्य राई क बिआ क छोटवार बिआ क नाईं
अहइ, जेका कउनो लइके खेते मँ बोई दिहे होय। 32ई
बिआ नान्ह स नान्ह होत ह मुला बड़वार होए प इ बगिया
क सबइ पउधन स बड़वार होइ जात ह। इ पेड़ बनत ह
अउर अकासे क पंछी आइके एँकर डारन प सरन लेत हीं।”
33ईसू ओनका एक दिस्टान्त कथा अउ कहेस, “सरगे क
राज्य खमीर क नाईं अहइ, जेका जउनो स्त्री तीन अढ़इया
आटा मँ मिलाएस अउर तब ताईं ओका राखि दिहेस जब
तलक उ सबइ क सबइ खमीर नाहीं भवा।”
34ईसू लोगन्स सब कछू दिस्टान्त कथन स बताएस।
असिल मँ उ ओनसे दिस्टान्त कथा क बिना कछू नाहीं
कहत रहा।
35अइसा एह बरे भवा कि परमेस्सर नबी स जउन कछू
कहवाए रहा पूरा होइ जाइ:

परमेस्सर कहेस, “मइँ दिस्टांत कथन स आपन मुँहना
खोलिहउँ। सृस्टि क सुरू स जउन बात छुपी रहिन, ओनका
परगट करब।’ *भजन संहिता 78:2*

गोहूँ अउर खरपतवारे क दिस्टान्त क बखान

36फिन ईसू उ भीड़ क बिदा कइके घर आइ गवा।
तब्बइ ओकर चेलन आइके ओसे कहेन, “खेते क खरपतवार
क दिस्टान्त क अरथ हमका समझाइ द्या।”
37जवाबे मँ ईसू बोला, “जउन उत्तिम बिआ बोए रहा, उ
अहइ मनई क पूत। 38अउर खेत इ संसार अहइ। नीक
बिआ क अरथ अहइ, सरगे क राज्य क मनई। खरपतवार
क अरथ अहइ, दुस्ट (सइतान) क संतान। 39उ दुस्मन जउन
खरपतवारे क बोएस, सइतान अहइ, अउर कटनी क समइ
अहइ, इ संसार क अंत अउर कटइया अहइँ परमेस्सर क
दूतन।
40“तउ ठीक उहइ जइसे खरपतवारे क एँकट्ठा कइके
आगी मँ जराइ दीन्ह ग, वइसे ही संसार क अंत होई।
41मनई क पूत आपन दूतन क पठइ अउर उ सबइ ओनके
राज्य स सबइ पापिन क अउ ओनक जउन पाप बरे मनइयन
क भड़कावत हीं, 42एकट्ठा कइके धधकत भट्ठी मँ झोक
देइहीं जहाँ बस दाँतन क पीसब अउर रोउब ही रोउब होई।
43तब धर्मी आपन परमपिता क राज्य मँ सूरज क नाईं
चमकिहीं। जउन सुनि सकत ह, सुनि लेइ।

धने क भण्डार अउर मोती क दिस्टान्त

44“सरग क राज्य खेत मँ गड़ा भवा खजाना क नाईं
अहइ, जेका कउनो मनई पाएस अउर फिन ओका हुवँई
गाड़ दिहेस। उ एँतना खुस भवा कि ओकरे लगे जउन कछू
रहा उ ओका बेंच दिहस अउर उ खेत बेसहि लिहस।
45“सरग क राज्य एक अइसे बेवपारी क नाईं अहइ कि
जउन बढ़िया मोती क खोज मँ होइ। 46जइसेन ओका एक
अनमोल मोती मिला तउ जाइके जउन कछू ओकरे पास
रहा, उ बेंच डाएस अउर मोती बेसहि लिहस।

मछरी पकड़इ क जाल

47“सरगे क राज्य मछरी पकड़इ बरे झीले मँ पेंक गवा

जाल क नाईं भी अहइ। जेहमाँ किसिम किसिम क मछरी
पकड़ लीन्ह गइन। 48जब उ जाले मँ मछरी मुचामुच भरि
गइन तउ किनारे ओका हींच लीन्ह गवा अउर हुवाँ बैठिके
नीक मछरी छाँटिके टोकरिन मँ भरि लीन्ह गइन मुला बेकार
मछरी फेंकि दीन्ह गइन। 49सृस्टि क अंत मँ अइसे ही होई।
सरगदूतन अइहीं अउर धर्मियन मँ स दुस्ट मनइयन क
छाँटिके 50धधकत भट्ठी मँ झोकि देइहीं। हुवाँ बस रोउब
अउर दाँत पीसब होई।"

51ईसू आपन चेलन स पूछेस, "का तू सबइ इ बातन क
समझत ह?" उपचे जवाब दिहन, "हाँ।"

52फिन उ ओनसे कहेस, "देखा, एह बरे हर धरम सास्तरी
जउन सरग क राज्य क जानत ह, एक अइसे ग्रिहस्त क
नाईं अहइ, जउन आपन बखरी स नई पुरानी चीजन्क बाहेर
निकारत ह।"

ईसू क आपन देस लौटब

(मरकुस 6:1-6; लूका 4:16-30)

53इ सबन दिस्टान्त कथा क पूरा कइके उ हुवाँ स चला
गवा। 54अउर आपन देस आइ गवा। फिन उ आराधनालय
मँ उपदेस देब सुरू करेस। एँसे हर कउनो अचरजे मँ पड़िके
कहइ लाग, "एँका अइसी सूझबूझ अउर अद्भुत कारजन क
सक्ती कहाँ त मिल गइ? 55का इ उहई बढ़ई क बेटवा
नाहीं अहइ? का एँकर महतारी क नाउँ मरियम नाहीं अहइ?
याकूब, यूसुफ, समौन अउर यहूदा इहई क भाई अहइँ न?
56एँकर सबही बहिनियन हमरे बीच मँ नाहीं अहइँ? तउ फिन
ओका इ सब कहाँ त मिली गवा?" 57तउ उ सबइ ओका
मानेन नाहीं।

फिन ईसू कहेस, "कउनो नबी इ आपन गाँव अउर घरवा
क छाँड़िके, सब मनइयन इज्जत करत हीं।"

58तउ ओनके बिसवास न होइके कारण उ हुवाँ जिआदा
अद्भुत कारजन नाहीं किहेस।

हेरोदेस क ईसू क बारे मँ सुनब

(मरकुस 6:14-29; लूका 9:7-9)

14 उ समइ गलील क राजा हेरोदेस जब ईसू क बारे मँ
सुनेस 2तउ उ आपन नउकरन स कहेस, "इ
बपतिस्मा देइवाला यूहन्ना अहइ जउन मरि गएन मँ जी गवा
बाटइ। अउर इहइ बरे इ सक्तिन ओहमाँ करत बाटिन जेसे
इ इन अद्भुत कारजन क करि डावत ह।"

यूहन्ना क कतल

3इ उहइ हेरोदेस रहा जउन यूहन्ना क गिरफ्तार कइके,
जंजीरे स बाँधि, जेल मँ धाँध दिहस। इ उ हिरोदियास क
कहे प किहेस, जउन पहिले ओकरे भाई फिलिप्पुस क पत्नी
रही। 4यूहन्ना ओसे अक्सर कहत रहत रहा: "तोहका एँकरे
साथ नाहीं रहइ चाही।" 5एँह प हेरोदेस ओका मार डावइ
चाहत रहा, मुला उ मनइयन स डेरात रहा काहेकि मनई
यूहन्ना क नबी मानत रहेन।

6-7मुला जब हेरोदेस क जन्म दिन आवा तउ हिरोदियास
क बिटिया हेरोदेस अउर ओकर मेहमनवन क समन्वा
नाचिके हेरोदेस क एँतना खुस किहेस कि सपथ खाइके
ओका देइ बरे बचन दिहेस कि उ जउन कछू चाही। 8आपन
महतारी क उस्कावे मँ आइके उ कहेस, "मोका टाठी मँ
धइके बपतिस्मा देइवाला यूहन्ना क मूँड़ द्या।" 9तउ भी
राजा बहोत दुखी रहा मुला आपन सपथ अउर आपन
मेहमानन क कारण उ ओकर मंसा पूरी होइके हुकुम दिहेस।
10उ जेल मँ यूहन्ना क मूँड़ काटइ बरे मनई पठएस। 11तउ
यूहन्ना क मूँड़ टाठी मँ धइके लइ आवा गवा अउर लरकी
क दइ दीन्ह गवा। उ ओका आपन महतारी क लगे लइ
गइ। 12यूहन्ना क चेलन आएन अउर ओकरे धड़े क गाड़
दिहन अउर फिन उ पचे आइके ईसू क बताइ दिहन।

ईसू क पाँच हजार स जिआदा मनइयन क खियाउब

(मरकुस 6:30-44; लूका 9:10-17; यूहन्ना 6:1-14)

13जब ईसू एँकरे बारे मँ सुनेस तउ उ हुवाँ स नाउ मँ
बइठिके निर्जन जगहिया मँ अकेल्ले चला गवा। मुला जब
भीड़ क एँकरे बारे मँ मालूम भवा तउ आपन सहरन स
पइयाँ पइयाँ ओकरे पाछे होइ गएन। 14ईसू जब नाउ स
निकरि के किनारे आवा तउ उ बड़ी भीड़ देखेस। ओका
ओन प दाया आइ अउर ओनके बेरमियन क नीक किहेस।

15जब साँझ भई तउ ओकर चेलन ओकरे लगे आइके
कहेन, "इ निर्जन जगह अहइ अउर बहोत देर होइ गइ
अहइ, तउ भीड़ क बिदा कइ द्या, जेसे उ सबइ गाउँ मँ
जाइके आपन बरे खइया बेसहि लेइँ।"

16मुला ईसू ओनसे कहेस, "एँनका कहूँ जाइ क जरूरत
नाहीं बा। तू एनका कछू खाइके दइ द्या।" 17उ पचे ओसे
कहेन, "हमरे लगे पाँच ठु रोटी अउर दुइ मछरिन क
छोड़िके अउर कछू नाहीं अहइ।"

18ईसू कहेस, "ओका मोरे लगे लइ आवा।" 19उ
भिड़िया क मनइयन स कहेस कि उ पचे घास प बइठि
जाइँ। फिन उ पाँच ठु रोटी अउर दुइ मछरिन क लइके
सरग कइँती देखेस अउर भोजन बरे परमेस्सर क धन्यबाद
दिहेस। फिन रोटी क टुकड़न मँ तोड़ेस अउर ओनका आपन
चेलन क दिहेस। उ चेलन टुकड़न क मनइयन मँ बाँटेन।
20सबइ जिअरा भरि के जेंएन। ओकरे बाद खियाए स बचा
भवा टुकड़न स चेलन बारह झउआ भरि दिहेन। 21स्त्रियन
अउर गदेलन क तजिके हुवाँ खवइया कउनो पाँच हजार
रहेन।

झीले प ईसू क चलब

(मरकुस 6:45-52; यूहन्ना 6:15-21)

22एँकरे तुरंतइ पाछे ईसू आपन चेलन क नाउ प
बइठाएस अउर जब ताईं उ भिड़िया क बिदा करइ, ओसे
पहिले आपन चेलन स गलील झील क उ पार जाइ क
कहेस जइसे उ सबइ ईसू क जाइ स पहिले पहुँच जाइँ।
23उ भीड़ क बिदा कइके पराथना करइ अकेल्ले पहाड़ी प
चला गवा। साँझ होइ प उ हुवाँ अकेला रहा। 24तब ताईं
नाउ किनारे मीलन दूर तलक जाइ चुकी रही अउर लहरन
क हिलोर स नाउ डोलय लाग काहेकि आँधी उल्टी चलत
रही।

25भिन्सारे तीन अउर छः बजे क बीच मँ ईसू झील प
चलत ओनके लगे आवा। 26ओकर चेलन जब ओका झीले
प चलत देखेन तउ घबराइके आपुस मँ कहइ लागेन, "इ
तउ कउनो भूत अहइ!" उ पचे डेराइ के चिचियाने।
27ईसू फउरन ओनसे बात करत भवा कहेस, "हिम्मत
राखा! इ मइँ हउँ, अब अउ जिन डेराअ!" 28पतरस जवाब
देत ओसे कहेस, "पर्भू, अगर तू अहा, तउ मोका पानी प
चलिके आपन लगे आवइ क कहा।"
29ईसू कहेस, "पतरस, चला आवा।"
पतरस नाउ स निकरिके पानी प इसू कइँती चल पड़ा।
30जबहिं उ जोर क आँधी देखेस उ घबराइ गवा। उ बूड़ई
लाग अउर नरियान, "पर्भू, मोर रच्छा करा!"
31ईसू तुरंतहि ओकरे नगिचे पहुँचिके ओका थाम लिहेस
अउर ओसे कहेस, "अरे, कम बिसवास करइया, तू संदेह
काहे किहा?"
32अउर उ सबइ नाउ प चढ़ि आएन। आँधी पटाइ गइ।
33नाउ क मनइयन ईसू का आराधना किहेन अउर कहेन,
"तू सच परमेस्सर क पूत अहा।"

ईसू बहोत स लोगन क चंगा किहस

(मरकुस 6:53-56)

34तउ झील पार कइके उ सबइ गन्नेसरत क किनारे
उतरि आएन। 35जब हुवाँ क रहइवाला ईसू क पहिचानेन
तउ उ पचे ओकरे अवाई क खबर आसपास क सबहिं
ठउरन मँ पठइ दिहन। जेसे मनई जउन बेरमिया रहेन, उ
सबन क हुवाँ लइ आएन। 36अउर ओसे पराथना करइ
लागेन उ ओनका आपन ओढ़ना क छोर छुअइ दे। अउर
जउन छुइ लिहेन, उ सबइ पूरंपूर चंगा होइ गएन।

मनई क बनवा बिधान स परमेस्सर क व्यवस्था बड़वार अहइ

(मरकुस 7:1-23)

15 फिन कछू फरीसियन अउर धरमसास्तिरियन यरूसलेम
स ईसू क लगे आएन अउर ओसे पूछेन, 2"तोहार
चेलन हमरे पूर्वजन क रीति रिवाज क काहे नाहीं मनतेन? उ
पचे खइया खाइ स पहिले आपन हथवन क काहे नाहीं
धोउतेन!"
3जवाबे मँ ईसू ओनसे पूछेस, "आपन रीति रिवाजन क
कारण तू परमेस्सर क हुकुम क काहे टारत ह? 4काहेकि
परमेस्सर तउ कहेस, 'तू आपन महतारी बाप क इज्जत
करा'* अउर जउन कउनो, 'महतारी बाप क बेज्जत करइ,
ओका जरूर मार डावइ चाही।'* 5मुला तू कहत ह कि
अगर कउनो आपन महतारी बाप स कहइ, 'मइँ आपन सब
कछू परमेस्सर क अर्पन कइ दिहे हउँ, एह बरे तोहार मदद
नाहीं कइ सकत हउँ।' 6इ तरह ओका आपन बाप क मानइ
क जरूरत नाहीं। एह तरह तू आपन रीति रिवाजे क कारण
परमेस्सर क हुकुम क नाहीं मान्या।
7अरे कपटी मनइयो! तोहरे बारे मँ यसायाह ठीक ही
भविस्सबाणी किहेस। उ कहे रहा:
8'इ सबइ सिरिफ ओंठन स कि हमार मान करत हीं,
मुला रहत ऍनकइ मन मोसे सदा दूर
9अर्पन भइ आराधना मोका ऍनकी बगैर कामे की
काहेकि सिखउतेन इ सबइ मनइयन क कहिके आपन धरम
क उपदेस बनवा नेम मनई क।'" *यसायाह 29:13*

10उ भिड़िया क आपन नगिचे बोलॉएस अउर ओनसे
कहेस, "सुना अउर समझ ल्या कि 11मनई क मुँहे स जउन
भीतर जात ह उ ओका अपवित्तर नाहीं करत, मुला ओकरे
मुँहना स निकरा सब्द ओका अपवित्तर करत ह।"
12तब ईसू क चेलन ओकरे निअरे आएन अउर बोलेन,
"का तोहका पता बाटई कि तोहरे बात क फरीसियन बहोत
बुरा मान गएन?"
13ईसू जवाब दिहेस, "हर पउधा जेका सरगे मँ बसा मोर
परमपिता नाहीं लगाएन, ओका उजाड़ दीन्ह जाई। 14ओनका
तजि द्या, उ सबइ तउ आँधरन क नेता अहइँ। जदि एक
आँधर दुसरे आँधर क राह देखावत ह, तउ उ दुइनउँ गड़हा
मँ गिरि जात हीं।" 15जवाबे मँ पतरस ओसे कहेस, "हम
पचन क पवित्तर न होइ क बारे मँ पहिले दीन्ह मँ दिस्टान्त
क समझावा।"
16ईसू कहेस, "का तू अबहूँ नाहीं समझया? 17का तू
नाहीं जानत अहा कि जउन कछू कउनो क मुँहे मँ जात ह,
उ ओकरे पेटे मँ पहुँचत ह अउर फिन टट्टी स निकर जात
ह? 18मुला जउन मनई क मुँहे स बाहेर आवत ह, उ
ओकरे मने स निकरत ह। इहइ ओका अपवित्तर करत ह।
19काहेकि बुरा बिचार, कतल, व्यभिचार, बुरी चाल, चोरी,
झूठ अउर निन्दा सबइ बुराई मनवा स ही आवत हीं। 20इहइ
अहइँ जेसे कउनो अपवित्तर बनत ह। बे हाथ धोए खाइ स
कउनो अपवित्तर नाहीं होत।"

गैर यहूदी स्त्री क मदद

(मरकुस 7:24-30)

21फिन ईसू उ ठउर क तजिके सूर अउ सैदा कइँती
चला गवा। 22हुवाँ क एक कनानी स्त्री आइ अउर
चिचियाइ लाग, "हे पर्भू, दाऊद क पूत मोहे प दाया करा।
मोरी बिटिया प दुस्ट आतिमा बुरी तरह स सवार अहइ।।"
23ईसू ओसे एक सब्द भी नाहीं कहेस, तउ ओकर चेलन
ओकरे लगे आएन अउर बिनती करइ लागेन, "इ हमरे पाछे
चिचिआत भई आवति अहइ। ऍका दूर हटावा।"
24ईसू जवाब दिहेस, "मोका सिरिफ इस्राएल क लोगन
क भटक गई भेड़न क बजाय कउनो अउर बरे नाहीं पठवा
ग अहइ।"
25तब उ स्त्री ईसू क समन्वा निहुरिके बिनती करेस, "हे
पर्भू मोर सहायता करा!"
26जवाबे मँ ईसू कहेस, "इ ठीक नाहीं कि गदेलन क
खइया लइके ओका कुकुरन क अगवा नाईं दीन्ह जाइ।"
27उ बोली, "इ ठीक बाटइ पर्भू, मुला आपन मालिक क
मेजे स गिरि गवा चूर चराबा मँ स थोड़ बहोत तउ घरे क
कूकुर खाइ लेत ही।"

'तू … करा' निर्गमन 20:12; व्यवस्था. 5:16

'महतारी … चाही' निर्गमन 21:17

28तब ईसू कहेस, "बिटिया, तोहार बिसवास बहोत मजबूत
क अहइ। जउन तू चाहत ह, पूर होइ जाइ।" अउ फउरन
ओकर बिटिया चंगी होइ गइ।

ईसू क बहोतन क चंगा करब

29फिन ईसू हुवाँ स चल पड़ा अउर गलील झीले क
किनारे पहुँच गवा। उ एक पहाड़े प चढ़िके बइठ गवा।
30बहोत बड़ी भीड़ लँगड़ा, लूला, आँधर, अपाहिज,
बहिरा, गूँगा अउर अइसे दूसर बेरमिया क लइके ओकरे
लगे आवइ लागेन। भिड़िया ओकरे गोड़वा प भुइयाँ प डाइ
दिहेस अउ ईसू ओन पचेन क चंगा किहेस। 31एँहसे भीड़
क मनइयन क, इ लखिके बहिर, गूँगा बोलत अहइँ,
अपाहिज नीक होइ गएन, लँगड़ा लूला चलइ फिरइ लागेन
अउ आँधर अब देख पावत हीं, बड़ा अचरज भवा। उ सबइ
इस्राएल क परमेस्सर क सराहना करइ लागन।

चार हजार स जिआदा मनइयन क खइया क खियाउब

(मरकुस 8:1-10)

32ईसू तब आपन चेलन क आपन नगिचे बोलाएस अउ
कहेस, "मोका इ भीड़े पर तरस आवत अहइ काहेकि इ
मनइयन तीन दिना स बराबर मोर संग अहइँ अउर एँनके
लगे कछू खइया के भी नाहीं बाटइ। मइँ एँनका भूखा ही
नाहीं पठवइ चाहत हउँ काहेकि होइ सकत ह कि कहूँ उ
पचे रस्ता मँ चक्कर खाइके गिरि जाइँ।"
33तबहि ओकर चेलन कहेन, "एँतनी बड़वार भीड़ बरे
अइसी दूर क ठउर मँ एँतना ढेर खइया क कहाँ स
मिली?"
34तब ईसू ओनसे पूछेस, "तोहरे लगे केतॅनी रोटी
अहइँ?" उ सबइ कहेन, "सात रोटी अउर कछू नान्ह नान्ह
मछरिन।"
35ईसू भिड़िया स भुइयाँ प बइठइ क कहेस। 36अउर
ओन सात रोटी अउर मछरियन क लइके उ परमेस्सर क
धन्यबाद दिहेस अउ रोटिनक तोड़ेस अउर आपन चेलन क
देइ लाग। फिन ओकर चेलन लोगन क बाँटि दिहेन। 37सब
लोग तब तलक खात रहेन जब अघाइ नाहीं गएन। फिन
ओकर चेलन बचा भवा टुकड़न स सात झउआ भरेन।
38स्त्रियन अउर बचवन क छाँड़िके हुवाँ चार हजार
पुरुसन खइया क खाएन। 39भीड़े क बिदा कइके ईसू नाउ
मँ आवा अउर मगदन क छेत्र मँ चला गवा।

यहूदी नेतन क छलावा

(मरकुस 8:11-13; लूका 12:54-56)

16 फिन फरीसियन अउर सदूकियन ईसू क लगे
आएन। उ पचे ओका परखा चाहत रहेन तउ उ
सबइ ओका कउनो अद्भुत कारज करइ क कहेन, काहेकि
मालूम होइ कि ओका उ परमेस्सर क बाटइ।
2ईसू जवाब दिहेस, "सूरज बूड़इ क समइ तू पचे कहत ह
मौसम बढ़िया रही कहेकि अकास ललछउँड़ अहइ।
3अउर सूरज निकरे प तू कहत ह, 'आज अँधड़ आई
काहेकि अकास धूँधुर अउ ललछउँड़ अहइ।' त अकासे क
लच्छन पढ़इ जानत ह, मुला आपन समइ क लच्छन क
नाहीं पढ़ सक्त्या। 4अरे दुस्ट अउर पापी पीढ़ी क मनई
कउनो अद्भुत चीन्हा देखइ चाहत हीं मुला ओनके बजाय
योना क अद्भुत चीन्हा क कउनो अउ दूसर अद्भुत चीन्हा
नाहीं देखाइ जाई।" फिन उ ओनका तजि क चला गवा।

ईसू क चिताउनी

(मरकुस 8:14-21)

5ईसू अउर ओनकइ चेलन झीले क पार चला गएन पर
उ पचे रोटिया लइ आउब बिसरि गएन। 6एँह पइ ईसू
ओनसे कहेस, "चउकन्ना रह्या अउर फरीसियन अउ
सदूकियन क खमीरे स बचि रह्या।"
7उ पचे आपुस मँ तजबीजइ लागेन अउर बोलेन, "इ होई
कि उ यह बदे कहेस कि हम पचे कउनो रोटी संग नाहीं
लइ आएन।"
8उ पचे का बिचारत रहेन, ईसू इ जानत रहा, तउ उ
बोला, "अरे कमती बिसवास क मनइयो! तू सबइ आपुस मँ
काहे सोचत बिचारत अहा कि तोहरे लगे रोटी नाहीं। 9का
तू पचे अबहूँ नाहीं समुझ पाया अउर तोहका याद नाहीं
अहइ कि पाँच हजार मनइयन बरे उ पाँच रोटी अउर फिन
केतना झउआ भरिके तू सबइ उठाया ह? 10अउर का
तोहका याद नाहीं चार हजार मनइयन बरे सात रोटी अउर
फिन केतॅना झउआ भरि के तू पचे उठाए रह्या? 11काहे
नाहीं समझत्या कि मइँ तोहसे रोटियन क बारे मँ बात नाहीं
कहेउँ? मइँ तउ तोहका फरीसियन अउर सदूकियन क
खमीर* स दूर रहइ बरे कह्यो ह।"
12तबहि उ पचे समुझ गएन कि रोटिया क खमीरे स
नाहीं अरथ रहा मुला फरीसियन अउर सदूकियन क सिच्छा
स चौकस रहइ क अरथ रहा।

पतरस कहत ह कि ईसू अहइ मसीह

(मरकुस 8:27-30; लूका 9:18-21)

13जबहि ईसू कैसरिया फिलोप्पी क पहँटा मँ आइ तउ उ
आपन चेलन स पूछेस, "मनइयन का कहत बाटेन, कि मइँ
मनई क पूत कउन हउँ?"
14उ पचइ कहेन, "कछू मनइयन कहत हीं तू यूहन्ना
अहा बपतिस्मा देइवाला। दूसर मनइयन कहत हीं कि तू
एलिय्याह* अहा अउ कछू मिला कहत हीं कि तू
यिर्मय्याह* या नबियन मँ स कउनो एक अहा।"
15ईसू आपन चेलन स कहेस, "अउर तू का कहत ह कि
मइँ कउह हउँ?"
16समौन पतरस जवाब दिहस, "तू मसीह अहा, साच्छात
परमेस्सर क पूत।"
17जवाबे मँ ईसू ओसे कहेन, "योना क पूत समौन। तू
धन्य अहा काहेकि तोहका इ बात कउनो मनई नाहीं, मुला
सरगे मँ बसा भवा मोर परमपिता देखाएस ह। 18मइँ तोहसे

खमीरे फरीसियन अउ सदूकियन क कुसंग।

एलिय्याह एक ठु नबी ईसू स 850 बरिस पहिले भवा रहा।

यिर्मय्याह एक ठु नबी ईसू स 600 बरिस पहिले भवा रहा।

कहत हउँ कि तू परतस अहा। अउर इहइ चट्टाने प मइँ
आपन कलीसिया बनउब। मउत क सक्ती* ओह प परबल
नाहीं होइ। **19**मइँ तोहका सरगे क राज्य क कुंजी देत हउँ।
काहेकि भुइयाँ प जउन कछू तू बँधब्या उ परमेस्सर क
जारिये सरग मँ बाँध दीन्ह जाइ अउर धरती पर जेका तू न
बंधब्या ओका सरगे मँ भी न बांधा जाई।" **20**फिन उ आपन
चेलन क कर्रा हुकुम दिहेस कि उ सबइ कउनो क इ न
बतावइँ कि उ मसीह अहइ।

ईसू आपन मउत क भविस्सबाणी

(मरकुस 8:31-9:1; लूका 9:22-27)

21उ समइया ईसू आपन चेलन क बतावइ लाग कि,
ओका यरूसलेम जाइ चाही। जहाँ ओका धरम सास्तिरियन,
बुजुर्ग यहूदी नेतन अउर मुख्ययाजकन क जारिये यातनायें
दइके मरवाइ दीन्ह जाई। फिन तीसर दिन उ मरा भवा मँजी
जाई। **22**तबहि पतरस ओका अलगइ लइ गवा अउर ओकर
डांट-डपट करत ओसे कहेस, "ओ पर्भू! परमेस्सर तोह पइ
दाया करी। तेरे संग अइसा कबहुँ न होई!"
23फिन ईसू ओकरे कइँती मुड़ि गवा अउर बोला, "पतरस
मोरे समन्वा स हटि जा, सइतान! तू मोरे बरे एक रोड़ा
अहा। काहेकि तू परमेस्सर क नाई नाहीं मनई क नाईं सोचत
बिचारत ह।"
24फिन ईसू आपन चेलन स कहेस, "जदि कउनो मोरे
पाछे आवा चाहत ह, तउ उ आपन क बिसराइ के, आपन
क्रूस उठाइ लेइ अउर मोरे पाछे होइ जा। **25**जउन कउनो
आपन जिन्नगी क बचावइ चाहत बा, उ ओका हेराइ देइ।
मुला जउन कउनो मोरे बरे आपन जिन्नगी तजि देइ, उहइ
ओका बचाइ सकत ह। **26**जदि कउनो आपन जिन्नगी दइके
समूचा संसार भी पाइ जाइ तउ ओका ओसे कउन फायदा?
आपन जिन्नगी क फिन स पावइ बरे कउनो भला का दइ
सकत ह? **27**मनई क पूत सरगदूतन क संग आपन परमपिता
क महिमा क संग आवइवाला अहइ, जउन हर कउनो क
ओकर करम क फल देई। **28**मइँ तोहसे सच कहत हउँ,
हियाँ कछू अइसे लोग खड़ा अहइँ जउन तब तलक नाहीं
मरिहीं जब तलक उ पचे मनई क पूत क ओकरे राज्य मँ
आवत न निहारि लेइँ।"

तीन ठु चेलन क मूसा अउर एलिय्याह क संग ईसू क दरसन

(मरकुस 9:1-13; लूका 9:28-36)

17 छ: दिना पाछे ईसू, पतरस, याकूब अउर ओकर
भाई यूहन्ना क संग लइके अकेल्ले मँ उँचके
पहाड़े प गवा। **2**हुवाँ ओनके समन्वा ओकर रूप बदल
गवा। ओकर मुँहना सूरज क नाईं चमचमाइ लाग अउर
ओढ़ना अइसे दमकइ लागेन जइसे रोसनी। **3**फिन एकाएक
ओनके समन्वा मूसा अउर एलिय्याह परगट गएन अउर ईसू
स बतियाइ लागेन।
4इ लखिके पतरस ईसू स बोला, "पर्भू, नीक बाटइ कि
हम हियाँ अही। अगर तू चाहा तउ मइँ हियाँ तीन तम्बू
बनाइ देई एक ठू तोहरे बरे, एक मूसा बरे अउर एक
एलिय्याह क।"
5पतरस अबहीं बात करत रहा कि चमचमात बादर
आइके ओका ढाकि लिहेस अउर बदरे स अकासबाणी भइ,
"इ मोर पिआरा पूत अहइ। जैसे मइँ खूब खुस हउँ। एकर
सुना!"
6जब चेलन इ सुनेन तउ उ सबइ एँतना ससाइ गएन कि
धरती प मुँहना उलटि के गिरि गएन। **7**तबहिं ईसू ओनके
लगे गवा अउर ओनका छुअत भवा बोला, "डेराअ जिन,
खड़ा ह्वा।" **8**जब उ पचे आँखी क ऊपर करेन तउ हुआँ
कहूँ अउर का नाहीं बरन ईसू क पाएन।
9जब उ सबइ पहाड़े स उतरत रहेन तउ ईसू ओनका
हुकुम दिहेस, "जउन कछू तू देख्या ह, तब ताईं कउनो क
जिन बतावा जब ताईं मनई क पूत क मरा भवा मँ स फिन
जी न जाइ।"
10फिन ओकर चेलन ओसे पूछेन, "धरम सास्तिरियन फिन
काहे कहत हीं कि एलिय्याह क पहिले तू आउब तय
अहइ?"
11जवाब देत भवा ईसू ओनसे कहेस, "एलिय्याह आवत
अहइ, उ हर चीज क तरकीबे स ठीक कइ देइ। **12**मुला
मइँ तोहसे कहत हउँ कि एलिय्याह जउन अब तलक आइ
चुका अहइ। मुला मनइयन ओका पहिचानेन नाहीं। अउर
ओकरे संग जइसा चाहेन वइसा किहेन। ओनके जारिये मनई
क पूत क भी वइसे ही सतावइ जाइवाला अहइ।" **13**तबहिं
ओकर चेलन समुझ पाएन कि उ ओनसे बपतिस्मा क
देवइया यूहन्ना क बारे मँ कहे रहा।

बेरमिया लरिका क चंगा कीन्ह जाब

(मरकुस 9:14-29; लूका 9:37-43)

14जब ईसू भीड़ मँ वापस आइ गवा तउ एक मनई
ओकरे पास आवा। अउर ओका दंडवत कइके **15**बोला, "हे
पभूँ, मोरे बेटवा प दाया करा। ओका मिर्गी आवत ह। उ
बहोत तड़फड़ात ह। उ आगी या पानी मँ अक्सर गिरि पड़त
ह। **16**मइँ ओका तोहरे चेलन क लगे लइ आवा, मुला उ
सबइ ओका चंगा नाहीं कइ पाएन।"
17जवाबे मँ ईसू कहेस, "अरे भटका भवा अबिसवासी
मनइयन! मइँ केतॅना समइ तोहरे संग अउर रहब? केतॅना
समइ मइँ अइसे ही तोहार सहब जात रहब? ओका हियाँ
मोरे लगे लिआवा।" **18**फिन ईसू दुस्ट आतिमा क हुकुम
दिहेस अउर उ ओहमा स बाहेर निकर आइ अउ उ लरिका
फउरन नीक होइ गवा।
19फिन ओकर चेलन अकेल्ले मँ ईसू क लगे जाइ क
पूछेन, "हम इ दुस्ट आतिमा क काहे नाहीं निकार पाए?"
20ईसू ओनका बताएस, "काहेकि तोहमाँ बिसवास क
कमी अहइ। मइँ तोहसे सच कहत हउँ, जदि तोहमाँ सरसों
क बिया जेतॅना बिसवास अहइ तउ तू इ पर्वत स कहि
सकत ह, 'हियाँ स हटि के हुवाँ चला जा' अउर उ चला
जाई। तोहरे बरे असंभव कछू भी नाहीं होई। **21**अइसी दुस्ट
आतिमा सिरिफ पराथना अउ उपवास करइ स निकरत ह।"

मउत क सक्ती अधोलोक क दुआर।

ईसू क आपन मउत क बारे मँ बताउब
(मरकुस 9:30-32; लूका 9:43-45)

22जब ईसू क चेलन आएन अउर गलील मँ ओकरे साथ
मिलेन तउ ईसू ओनसे कहेस, "मनई क पूत, मनइयन क
जरिये पकड़वाइ जाइवाला अहइ, **23**अउर उ ओका मार
डइहीं। मुला तीसरे दिना उ फिन जी जाई।" एँह प ईसू क
चेलन बहोत बिआकुल होइ गएन।

चुंगी क भुगतान

24जब ईसू अउर ओकर चेलन कफरनहूम मँ आएन तउ
मंदिर क दुइ दरम क चुंगी उगहिया वालेन पतरस क लगे
आएन अउर बोलेन, "का तोहार गुरु दुइ दरम क मंदिर क
चुंगी नाहीं देत?" **25**पतरस जवाब दिहस, "हाँ, उ देत ह।"

अउर उ घरवा मँ आवा जहाँ ईसू रहा। पतरस क बोलइ
स पहिले ईसू बोल उठा, "समौन, तोहार का बिचार अहइ?
धरती क राजा केहसे चुंगी लेत हीं? खुद अपने बचवन स,
या दूसर क बचवन स?"

26पतरस जवाब दिहस, "बाहिर क मनइयन स।"

तबहिं ईसू ओसे कहेस, "यानी ओकरे आपन बचवन क
छूट मिलत ह। **27**मुला हम पचे ओन मनइयन क कोहाय न
देइ। एह बरे झिलिया प जा अउर आपन कटिया फेंक द्या
अउर फिन जउन मछरी धरे मँ आइ जाइ ओकर मुँहना
खोल द्या। तोहका चारि दरम क सिक्का मिली। ओका
लइके मोरे अउ आपन बरे ओनका दइ दिहा।"

सबते बड़कवा कउन
(मरकुस 9:33-37; लूका 9:46-48)

18 तब ईसू क चेलन ओकरे लगे आइके पूछेन,
"सरगे क राज्य मँ सबते बड़कवा कउन अहइ?"

2उहइ घड़ी ईसू एक ठु गदेला क अपने लगे बोलॉएस
अउर ओका ओकरे समन्वा खड़ा कइके **3**उ कहेस, "मइँ
तोहसे सच कहत हउँ जब ताईं कि तू सबइ मनवा क
फिरउब्या नाहीं अउर गदेलन क नाईं नाहीं बनि जाब्या,
सरगे क राज्य मँ घुसि न सकब्या। **4**एह बरे आपन खुद क
जउन कउनो इ बचवा क नाईं आपन क नवावत ह, सरगे
क राज्य मँ उहइ सबते बड़कवा अहइ।" **5**अउर जउन
कउनो अइसे गदेलन जइसे मनई क मोरे नाउँ मँ मान लेत
ह उ मोका मान लेत ह।

ईसू क पापन क बारेमा चेतउनी
(मरकुस 9:42-48; लूका 17:1-2)

6मुला जउन मोह मँ बिसवास करइया मोरे कउनों अइसे
गदेला क रस्ते क रोड़ा बनि जात ह, नीक होइ कि ओकरे
गटइया मँ एक ठु जाँत क पाट लटकाइके गहिरे समुद्दर
मँ बोर दीन्ह जाइ। **7**संसार क मनइयन बरे ठोकर क कारण
मोका दुख बाटइ मुला ठोकर तउ सदा आवत रइहीं। किंतु
दुख तउ ओहँ प अहइ जोकरे जरिये ठोकर आइ जात हीं।

8एह बरे तोहार हाथ या गोड़ तोहरे बरे मुसीबत बन जाइँ
तउ ओका काटि के फेंक द्या काहेकि सरगे मँ बगैर हाथ
या बे गोड़ क अनन्त जीवन मँ घुस जाइ पाउब तोहरे बरे
जियादा नीक अहइ। एँकरे बजाय कि दुइनउँ हाथ अउर
गोड़वन क साथे तोहका नरके मँ न बुझइवाली आगी मँ
नाइ दीन्ह जाइ। **9**जदि तोहार आँखी तोहरे बरे बियाध बन
जाइ तउ तू ओका बाहेर निकारि क डाइ द्या, काहेकि
सरगे मँ काना होइके अनन्त जीवन मँ घुसि पाउब तोहरे बरे
जिआदा बढ़िया बा, बजाय एँकर कि दुइनउँ आँखिन क संग
तोहका नरके मँ डाइ दीन्ह जाइ।

हेराइ गइ भेड़ क दिस्टान्त कथा
(लूका 15:3-7)

10"तउ देखा, मोर एँन गदेलन मँ स कउनो क तुच्छ
जिन समझ्या। मइँ तोहका बतावत हउँ कि सरगे मँ बसइ
मोरे परमपिता क लगे ओकर रच्छा करइवालन सरगदूतन
क पहुँच सदा रहत ह। **11**मनई क पूत भटक गवा मनइयन
क उद्धार बरे आइ अहइ।

12"बतावा तू का गूंथत मथत अहा? जदि कउनो क लगे
सौ भेड़ होइँ अउर ओहमाँ स एक भटक जाइ तउ का उ
दूसर निन्नान्बे क पहड़िया प तजिके उ एक ठु भटक गइ
भेड़ क ढूँढ़इ न जाई? **13**अउर ओका उ मिल जाई मइँ
तोहसे सच सच कहत हउँ कि निन्नान्बे क बजाय जउन
खोई नाहीं रहिन, ओका पाइके खूब खुस होई। **14**इ तरह
सरगे मँ बसा तोहार परमपिता का नाहीं चाहत कि मोर इ
अबोध चेलन मँ स कउनो एक भी भटकि जाइ।

जब कउनो तोहार बुराइ करइ
(लूका 17:3)

15"जदि तोहार भाई तोहरे संग कउनो बुरा बेवहार करइ
तउ अकेल्ले मँ जाइके आपुस मँ ही ओकर दोख बताइ
द्या। जदि उ तोहार सुनि लेइ तउ तू आपन भाई क फिन
जीत लिहा। **16**मुला जदि उ तोहार न सुनइ तउ एक दुइ क
आपन संग लइ जा काहेकि हर बाते क दुइ तीन साच्छी
होइ जाइ। **17**जदि उ ओनकी भी न सुनइ तउ कलीसिया क
बताइ द्या। अउर जदि उ कलीसिया क भी न मानइ तउ
फिन तू ओसे अइसा बेवहार करा जइसे उ विधर्मी होइ जाइ
या चुंगी क उगहिया।

18"मइँ तोहसे सच बतावत हउँ जउन कछू तू धरती प
बँधब्या सरग मँ पर्भू क जरिये बाँधि दीन्ह जाई अउर जउन
कउनो क तू धरती प न बँधब्या, ओका सरगे मँ परमेस्सर
क जरिये न बान्धा जाई।

19"मइँ तोहसे इ भी बतावत हउँ कि इ धरती प जदि
तोहमाँ स कउनो दुइ क बिचार मेल खात होइँ तउ एक होइ
क सरगे मँ मोरे परमपिता स कछू मंगब्या तउ उ तोहरे बरे
ओका पूरा करी **20**काहेकि जहाँ मोरे नाउँ प दुइ या तीन
मोरे मनवइयन क रूप मँ एकट्ठा होत हीं, हुवाँ मइँ ओनके
संग हउँ।"

छमा क न करइया नउकर क दिस्टान्त कथा

21फिन पतरस ईसू क लगे गवा अउर बोला, "पर्भू,
मोका आपन भाई क केतॅनी दाईं आपन खिलाफ जुर्म करइ
प छमा कइ देइ चाही? जदि उ सात दाईं जुर्म करइ तउ
भी?"

22ईसू कहेस, “न सिरिफ सात दाईं, मुला मइँ तोहसे बतावत हउँ तोहका ओका सतहत्तर* दाईं तलक छमा करत जाइ चाही।”

23“सरगे राज्य क तुलना ओ राजा स कीन्ह जाइ सकत ह जउन आपन नउकरन स हिसाब अदा करइ क बिचारे रहा। 24जब उ हिसाब लेब सुरु करेस तउ ओकरे समन्वा एक अइसे मनई क लइ आवा गवा जेहँ प दसउ लाख रूपया निकरत रहा। 25मुला ओकरे लगे चुकाइ देइ क कउनो उपाय नाहीं रहा। ओकर मालिक हुकुम दिहेस कि उ नउकर क, ओकर पत्नी, ओकर बाल बचवन अउर जउन कछू माल असबाब अहइ, सब समेट के बेचे स कर्ज अदा कइ दीन्ह जाइ। 26एँह प ओकर नउकर ओकरे गोड़वा प गिरिके गिड़गिड़ाइ लाग, ‘धीरा धरा, मइँ सब कछू चुकाइ देइहउँ।’ 27तब जाइके मालिक क तरस आवा अउर ओकर कर्जा माफ कइ दिहस।

28“फिन जब उ नउकर हुवाँ स जात रहा तउ ओका ओकर एक साथी नउकर मिला जेका सउ दिनारी* देइ क रहा। उ ओकर ढोंढ़ा पकड़िके गटइया क दबावत कहेस, ‘जउन तोहका मोर देइ क अहइ, लउटाइ द्या!’

29“एँह प ओकर साथी नउकर गोड़वा प गिरि गवा अउर बीसउ नह जोड़ेस, ‘धीरा धरा, मइँ तोहका दइ देब।’

30“मुला उ मना कइ दिहस। एँतना ही नाहीं उ ओका तब तलक बरे, जब तलक उ ओकर कर्ज अदा न कइ देइ, जेल मँ पठएस। 31दूसर संगी नउकरन देखेन कि का भवा, उ सबइ बहोत दुखी भएन। जउन कछू भवा रहा, सब आपन मालिक क जाइके बताइ दिहन।

32“तब ओकर मालिक ओका बोलाएस अउर कहेस, ‘अरे नीच नउकर, मइँ तोहार सारा कर्ज माफ कइ दिहउँ काहेकि तइ कहेस कि दाया क भीख द्या। 33का तोहका आपन संगी नउकर प दाया नाहीं करइ चाही जइसे मइँ तोह प दाया किहउँ?’ 34तउ ओकर मालिक कोहाइ गवा अउर ओका तब ताईं सजा भुगतइ बरे सुपुर्द करेस जब ताईं समूचा कर्ज अदा न होइ जाइ।

35“तउ जब तलक तू आपन भाई बंद क आपन मनवा स छमा नाहीं कइ दिहा मोर सरगे क परमपिता भी तोहरे साथ वइसा ही बेवहार करी।”

तलाक

(मरकुस 10:1-12)

19 इ बातन बताइ के ईसू गलील स लउटिके यहूदिया क पहँटा मँ यरदन नदी क पार गवा। 2हुवाँ एक ठु भारी भीड़ ओकरे पाछे होइ गइ। उ बेरमिया मनई क चंगा किहेस।

3कछू फरीसियन ओका परखइ बरे ओकरे निअरे पहुँचेन अउर बोलेन, “का इ ठीक बाटइ कि कउनो आपन पत्नी क कउने भी कारण स तलाक दइ सकत ह?”

4जवाब देत ईसू कहेस, “का तू पवित्तर सास्तरन मँ नाहीं बाँच्या कि जबहि संसार क रचइया एँका रचेस, सुरुआत मँ, ‘उ एक पुरुस अउर एक स्त्री बनाएस?’* 5अउर परमेस्सर कहे रहा, ‘इहइ कारण आपन महतारी बाप क तजिके पुरुस आपन पत्नी क संग होत भवा भी एक तन होइके रही।’* 6तउ उ सबइ दुइ नाहीं रहतेन मुला एक रूप होइ जात हीं। एह बरे जेका परमेस्सर जोड़ेस ह ओका कउनो मनई क अलगावइ नाहीं चाही।”

7उ फरीसियन बोलेन, “फिन मूसा इ काहे ठहराएन ह कि कउनो पुरुस आपन पत्नी क तलाक दइ सकत ह। सर्त इ अहइ कि उ ओका तलाकनामा लिखि के दइ देइ।”

8ईसू ओनसे कहेस, “तोहरे मन की कठोरता क कारण मूसा पत्नी क तलाक देने की अनुमति तोहका दिहेस। मुला सुरुआत मँ अइसी रीति नाहीं रही। 9तउ मइँ तोहसे कहत हउँ कि जउन व्यभिचार क तजिके आपन पत्नी क कउनो अउर कारण स तलाक देत ह अउर कउनो दूसर स्त्री क बीहत ह तउ उ व्यभिचार करत ह।”

10एँह प ओकर चेलन ओसे कहेन, “जदि एक स्त्री अउर एक पुरुस क बीच अइसी बात होइ तउ कउनो क बिआह नाहीं करइ क चाही।”

11फिन ईसू ओनसे कहेस, “हर कउनो तउ इ उपदेस क नाहीं मानत। एँका बस उहइ मान सकत ह जेका एँकर छमता प्रदान की गइ अहइ। परमेस्सर स ताकत मिलि गइ अहइ। 12कछू अइसेन बाटेन जउन महतारी क गर्भ स नपुंसक पइदा भएन। अउर कछू एसे अहइ जउन लोगोन द्वारा नपुंसक बना दिन्हा अहइँ। अउर आखिर मँ कछू अइसे भी बाटेन जउन सरगे क राज्य क कारण बिआह नाहीं करइ क फइसला कइ लिहन। इ उपदेस क जउन लइ सकत होइ, लइ ले।”

ईसू क आसीर्बाद-गदेलन बरे

(मरकुस 10:13-16; लूका 18:15-17)

13फिन मनइयन कछू गदेलन क ईसू क लगे लइ आएन कि उ ओनके मुँड़वा प हथवा धइके ओनका आसीर्बाद देइ अउ ओनके बरे पराथना करइ। मुला ओकर चेलन ओका डाटेन। 14ओह प ईसू कहेस, “गदेलन क रहइ द्या, ओनका जिन रोका, मोरे लगे आवइ द्या काहेकि सरगे क राज्य अइसेन क अहइ।” 15फिन उ गदेलन प आपन हाथ रखेस अउर हुवाँ स चला गवा।

एक खास प्रस्न

(मरकुस 10:17-31; लूका 18:18-30)

16हुवाँ एक मनई रहा। उ ईसू क लगे आवा अउर कहेस, “गुरु अनन्त जीवन पावइ बरे मोका का नीक काम करइ चाही?”

17ईसू ओसे कहेस, “नीक का अहइ, एँकरे बारे मँ मोसे काहे पूछत अहा? काहेकि नीक तउ सिरिफ एक ही बाटइ।

सतहत्तर हियाँ साते क सत्तर गुना तक अरथ कीन्ह जाइ सकत ह। उत्पत्ति 4:24

दिनारी रूपया मूरे मँ एक दीनार लगभग चालीस पइसा क बराबर।

‘उ … बनाएस’ उत्पत्ति 1:27; यसा 5:2

‘इहइ … रही’ उत्पत्ति 2:24

फिन भी तू अगर अनन्त जिन्नगी मँ घुसइ चाहत ह, तउ तू
हुकुमन क मान ल्या।"
18उ ईसू स पूछेस, "कउन स हुकुम?"
तब ईसू बोला, "'कतल जिन करा। व्यभिचार जिन करा।
चोरी जिन करा। झूठी साच्छी जिन द्या। 19आपन बाप अउर
आपन महतारी क इज्जत करा* अउर 'जइसे तू आपन खुद
क पिआर करत ह, वइसे ही आपन पड़ोसी स पिआर
करा।*
20नउजवान ईसू स पूछेस, "मइँ एन सब बातन क पालन
किहेउँ ह। अब मोहमाँ कउने बात क कमी अहइ?"
21ईसू ओसे कहेस, "जदि तू सिद्ध बनइ चाहत अहा तउ
जा अउर जउन कछू तोहरे लगे बा, ओका बेचिके धन
गरीबन क दइ द्या जेहसे सरग मँ तोहका धन मिल सकइ।
फिन आवा अउर मोरे पाछे होइ जा!"
22मुला जब उ नउजवान मनई इ सुनेस तउ उ दुखी
होइके चला गवा काहेकि उ बहोत धनी रहा। 23ईसू आपन
चेलन स कहेस, "मइँ तोहसे सच कहत हउँ कि धनी क
सरगे क राज्य मँ घुसि पाउब मुस्किल बाटइ। 24हाँ मइँ
तोहसे कहत हउँ कि कउनो धनी मनई क सरग क राज्य मँ
घुसि पाउब स एक ऊँटे क सुई क छेद स निकर जाब
सहल बा।"
25जब ओकर चेलन सुनेन तउ अचरज मँ आइके पूछेन,
"फिन केकर उद्धार होइ सकत ह?" 26ईसू ओनका देखत
भवा कहेस, "मनइयन बरे इ असम्भव बाटइ मुला परमेस्सर
बरे सब कछू होइ सकत ह।"
27जवाबे मँ पतरस ओसे कहेस, "देखा, हम पचे कछू
तजिके तोहरे पाछे होई गएन ह। तउ हमका का मिली?"
28ईसू ओनसे कहेस, "मइँ तू सबन स सच कहत हउँ
कि नवा जुग मँ जब मनई क पूत आपन प्रतापी सिंहासने प
बिराजी तउ तू भी, जउन मोरे पाछे अहा, बारह सिंहासन प
बइठिके इस्राएल क बारह कबीले क निआव करब्या।
29अउर मोरे बरे जेतना भी घर-बार या भाइयन या
बहिनियन या बाप या महतारी या बचवन या खेतन क तजि
दिहे अहा, उ सब सौ गुना जिआदा पाइ अउर अनन्त जीवन
क हकदार होई। 30मुला बहोत स जउन अब पहिले अहइँ,
पिछला होइ जइहीं अउर जउन पिछला अहइँ उ पहिले होइ
जइहीं।

मजूर क दिस्टान्त कथा

20 "सरगे क राज्य एक जमींदार क नाईं बाटइ जउन
भिन्सारे आपन अंगूरे क बगीचा बरे मजदूर लइ
आवइ निकरा।। 2उ चाँदी क एक रूपया प मजदूर क
लगाइके ओनके आपन अंगुरे क बगिया मँ काम करइ
पठएस।
3"नौ बजे क करीब जमींदार फिन घरवा स निकरा अउर
उ देखेस कि कछू मनई बजारे मँ एँहर ओहर अइसे ही
बेकार खड़ा रहेन। 4तब उ ओनसे कहेस, 'तू पचे भी मोरे
अंगूरे क बगीचा मँ जा, मइँ तोहका जउन कछू ठीक
अहइ, देब।' 5तउ उ पचे भी बगीचा मँ काम करइ गएन।
"फिन करीब बारह बजे अउर दुबारा तीन बजे क करीब,
उ वइसा ही किहेस। 6करीब पाँच बजे उ फिन आपन घरवा
स गवा अउर कछू मनइयन क बजारे मँ एँह कइँती ओह
कइँती खड़ा देखेस। उ ओनसे पूछेस, 'तू हियाँ दिन भइ
बेकार ही काहे खड़ा होइ रह्या?'
7"उ सबइ ओसे कहेन, 'काहेकि हम सबन क कउनो
मजूरी प नाहीं राखेस।' उ ओनसे कहेस, 'तू भी मोरे अंगूर
क बगीचा मँ चला जा।'
8"जब साँझ भइ तउ अंगूर क बगीचा क मालिक आपन
प्रधान करमचारी क कहेस, 'मजूरन क बोलाइके आखिरी
मजूरे स सुरू कइके जउन पहिले लगावा ग रहेन ओन
सबन क मजूरी दइ द्या।'
9"तउ उ पचे जउन पाँच बजे लगावा रहेन, आएन अउ
ओहमाँ स हर एक क बस एक ही चाँदी क रूपया मिला।
10फिन जउन पहिले लगावा ग रहेन, उ आएन उ सोचेन
ओनका कछू जिआदा मिली मुला ओनमा हर कउनो क एक
ठु चाँदी क रूपया मिला। 11रूपया तउ उ सबइ लइ लिहन
मुला जमींदारे स सिकाएत करत
12उ सबइ कहेन, 'जउन पाछे लगावा रहेन, उ पचे बस
एक ही घंटा भइ काम किहेन अउ तू हम पचेन क ओतँना
ही दिहा जेतँना ओनका। जब कि हम पचे दिन भइ
चिलचिलात धूपे मँ मेहनत कीन्ह।'
13"उ जवाबे मँ ओहमाँ स कउनो एक स जमींदारे कहेस,
'मीत, मइँ तोहरे साथ कउनो अनिआव नाहीं कर्यों ह।
का हम पचे तय नाहीं कीन्ह कि मइँ तोहका चाँदी क एक
ठु रूपया देब? 14जउन तोहार होत ह, ल्या अउर चला
जा। मइँ सबते पाछे रखा गवा इ मजदूर क ओतँना ही
मजूरी देइ चाहब जेतँना तोहका देत अही। 15का मोका इ
अधिकार नाहीं कि जउन मइँ आपन धने क चाहूँ, कइ
सकउँ? मइँ अच्छा हउँ का तू एँसे मने मँ जरत ह?' 16इ
तरह आखिरी पहिले होइ जइहीं अउर पहिले आखिरी होइ
जइहीं।"

ईसू आपन मउत क बारे मँ बताएस

(मरकुस 10:32-34; लूका 18:31-34)

17जब ईसू आपन बारहु चेलन क संग यरूसलेम जात
रहा तउ उ ओनका एक कइँती लइ गवा अउर चलत चलत
ओनसे बोला, 18"सुना, हम यरूसलेम पहुँचइ क अही। मनई
क पूत हुवाँ मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन क हाथे मँ
दइ दीन्ह जाई। उ पचे ओका मृत्युदण्ड क काबिल ठहरइहीं।
19फिन ओकर हँसी हँसारत करवावइ अउर कोड़न स
पिटवावइ बरे ओका गैर यहूदियन क दइ देहहीं। फिन
ओका क्रूस प चढ़ाइ दीन्ह जाई। मुला तिसरे दीन उ फिन
जी उठी।"

एक महतारी क गदेलन बरे खास चिरौरी

(मरकुस 10:35-45)

20फिन जब्दी क पूतन की महतारी आपन पूतन क संग

'कतल … करा' निर्गमन 20:12-16

'जइसे … करा' लैव्य. 19:18

ईसू क नगिचे गई अउर उ निहुरिके पराथना करत ओसे
कछू माँगेस।
21ईसू ओसे पूछेस, "तू का चाहति अहा?"
उ बोली, "मोका बचन द्या कि मोर इ दुइनउँ बेटवन
तोहरे राज्य मँ एक तोहरे दाहिन अउर दूसर तोहरे बाईं कइँती
बइठँइ।"
22ईसू जवाब दिहस, "तू नाहीं जानत अहा कि तू का
माँगत बाट्या? का तू यातनाओं क कटोरा पिउ सकत अहा,
जेहका मइँ पिअइवाला हउँ?"
उ सबइ ओसे कहेन, "हाँ पिउ सकित ह।"
23ईसू ओनसे बोला, "तू पचे सचमुच उ पिआला पीब्या।
मुला मोर दाहिन अउर बाएँ कइँती हक क देवइया मइँ नाहीं
हउँ। हियाँ बइठइ क हक तउ ओनही का बा, जेनके बरे इ
मोर परमपिता क जारिये रक्खा गवा अहइ।"
24जब बाकी दसउ चेलन इ सुनेन कि तउ उ पचे दुइनउँ
भाइयन प बहोत कोहाय गएन। **25**तब्बइ ईसू ओनका आपन
नगिचे बोलाइके कहेस, "तू जानत ह कि गैर यहूदियन राजा,
प्रजा प आपन सक्ती देखावा चाहत हीं अउर ओनके खास
नेता, मनइयन प आपन हक जमावा चाहत हीं। **26**मुला तोहरे
बीच अइसा न होइ चाही। मुला तो हम स जउन बड़वार
बनब चाही, तोहार नउकर बनइ।
27"अउ तोहमाँ जउन कउनो पहिला बनब चाही, ओका
तोहार गुलाम जरूर बनइ क होई। **28**तोहका मनई क पूत
जइसा होइ क चाही जउन आपन सेवा करावइ नाहीं, मुला
सेवा करइ अउर बहोतन क छुटौती बरे आपन प्रान क
फिरौती देइ आवा अहइ।"

अँधरे क आँखी

(मरकुस 10:46-52; लूका 18:35-43)

29जब उ सबइ यरीहो सहर स जात रहेन भारी भीड़ ईसू
क पाछे होइ गइ। **30**हुवाँ सरक क किनारे दुइ आँधर बइठा
रहेन। जब उ सबइ सुनेन कि ईसू हुवाँ स जात बाटइ, उ
पचे नरियानेन, "पर्भू, दाऊद क पूत! हम प दाया कर!"
31एँह प भीड़ ओनका धमकावत चुप रहइ क कहेस। पर
उ पचे अउ जिआदा चिल्लानेन, "पर्भू, दाऊद क पूत। हम
प दाया कर।" **32**फिन ईसू रुकि गवा अउ ओनका
बोलाएस। उ कहेस, "तू का चाहत अहा, मइँ तोहरे बरे का
करउँ?"
33उ पचे ओसे कहेन, "पर्भू, हम चाहित ह कि फिन स
निहारइ लागी।"
34ईसू क ओन प दाया आइ। उ ओनकइ अँखियन क
छुएस, अउर तुरंतहि उ पचे फिन लखइ लागेन। उ पचे
ओकरे पाछे होइ गएन।

ईसू राजा क नाई यरूसलेम मँ घुसत ह

(मरकुर 11:1-11; लूका 19:28-38; यूहन्ना12:12-19)

21 ईसू अउर ओकर चेलन जब यरूसलेम क लगे
जैतून पहाड़े क नगिचे बैतफगे पहुँच गएन। **2**तउ
ईसू आपन दुइ चेलन क इ हुकुम दइके पठएस, "आपन
सोझइ समन्वा क गाउँ मँ जा अउर हुवाँ जात भए ही
तोहका एक गदही बाँधी मिली। ओकरे लगे ओकर बच्चा
भी मिली। ओनका बाँधिके मोरे लगे लइ आवा। **3**जदि
कउनो तोहसे कछू कहइ तउ ओसे कह्या, 'पर्भू क एँकर
जरूरत अहइ। उ फउरन ही लउटाइ देई।'"
4अइसा यह बरे भवा कि नबी अइसा कहे रहा:
5"सिय्योन क नगरी स कहि द्या, 'देखा तोहार राजा
तोहरे लगे आवत बा। उ नमनसील अहइ, अउर गदहे प
सवार अहइ हाँ गदहे क बच्चा प जउन एक लादइवाला
पसु क बच्चा अहइ।'" *जकर्याह 9:9*

6तउ ओकर चेलन चला गएन अउ वइसा ही किहेन
जइसा ओनका ईसू बताए रहा। **7**उ पचे गदही अउर ओकरे
बच्चा क लइ आएन। अउर ओन प आपन ओढ़ना डार
दिहन काहेकि ईसू क बइठब रहा। **8**बहोत मिला आपन
ओढ़ना राहे मँ दसाइ दिहेन अउ दूसर मनइयन बृच्छ क
टहनी काटेन अउर ओनका राहे प बिछाइ दिहन। **9**जउन
मनई ओकरे आगे चलत रहेन अउर जउन मनई पाछे चलत
रहेन, सब पुकारि क कहत रहेन:
"दाऊद क पूत क होसन्ना!* धन्य अहइ जउन पर्भू क
नाउँ प आवत बाटइ! सरगे मँ बिराजेस परमेस्सर क
होसन्ना!" *भजन संहिता 118:26*

10तउ जब उ यरूसलेम मँ घुसा तब समूचा सहर मँ
हड़बड़ाइ गवा। लोग पुछइ लागेन, "इ कउन अहइ?"
11लोग ही जवाब देत रहेन, "इ गलील क नासरत क
नबी ईसू अहइ।"

ईसू मंदिर माँ

(मरकुस 11:15-19; लूका 19:45-48; यूहन्ना 2:13-22)

12फिन ईसू मंदिर क अहाते मँ आवा अउर उ मंदिर क
अहाते मँ जउन बेंचत बेसहत रहेन, ओन सबन क बाहेर
खदेरेस। उ पइसा क लेवइया देवइया क चउकी उलटि
दिहस अउ कबूतरे क दुकानदार क तखता पलटेस। **13**उ
ओनसे कहेस, "पवित्तर सास्तरन मँ कहत बा, 'मोर घर
पराथना घर कहा जाई।'* मुला तू सबइ एँका 'डाकुअन क
अड्डा' बनावत अहा।"*
14मंदिर मँ कछू आँधर, लंगड़ा लूला ओकरे लगे आएन।
जेनका उ नीक किहेस। **15**जब मुख्ययाजकन अउर धरम
सास्तिरियन ओकर अचरज कारजन क लखेन जउन उ किहे
रहा अउर मंदिर मँ गदेलन क ऊँची आवाजे मँ कहत सुनेन:
"दाऊद क पूत क होसन्ना।"
16तउ उ पचे कोहाइ गएन अउ ओसे पूछेन, "तू सुनत
अहा इ सबन का कहत अहइँ?"
ईसू ओनसे कहेस, "हाँ सुनत अही। का पवित्तर सास्तर

होसन्ना इ एक इब्रानी सब्द अहइ। पहिले एकर प्रयोग परमेस्सर स मदद मांगइ बरे कीन्ह जात रहा। मुला इ जगह पइ परमेस्सर या मसीह क तारीफ करत भव आनंद परगट करइ बरे भवा अहइ।

मोर … जाई यसायाह 56:7

'डाकुअन … अहा' यिर्म. 7:11

मँ तू बचन नाहीं पढ़्या, 'तू गदेलन अउर दूधमुँहन बचवन स
स्तुति कराया ह।'"* 17फिन उ ओनका हुवँइ तजिके
यरूसलेम सहर स बाहेर बैतनिय्याह चला गवा। जहाँ उ राति
बिताएस।

बिसवास क सक्ती

(मरकुस 11:12-14; 20-24)

18दूसर दिन अलख भिन्सारे जब उ सहर लउटत रहा तउ
ओका भूख लागि। 19रस्ता क किनारे अंजीर क बिरवा क
लखेस तउ उ ओकरे नगिचे गवा, मुला ओका ओह प
पातन क छोड़िके कछू नाहीं मिल सका। तब उ बिरवा स
कहेस, "तोह प आगे कछू फल न लागइ।" अउर अंजीरे
क बृच्छ फउरन झुराइ गवा।
20जइसेन चेलन इ निहारेन तउ अचरजे मँ आइके पूछेन,
"इ अंजीरे क बिरवा एँतनी हाली कइसे झुराइ गवा?"
21ईसू जवाब देत भवा ओन पचेन स कहेस, "मइँ तोहसे
सच कहत हउँ जदि तोहरे मँ बिसवास अहइ अउ तू संदेस
नाहीं करत बाट्या तउ तू न सिरिफ उ कइ सकत ह जउन
मइँ अंजीरे क बृच्छ कीन्ह, मुला जदि तू इ पहाड़े स कहि
द्या, 'उठा अउर आपन क सगरे मँ बोर द्या' तउ उहइ
होइ जाई। 22अउर पराथना करत तू जउन कछू मंगब्या,
जदि तोहका बिसवास बा तउ तू पउब्या।"

यहूदी नेता लोगन्क ईसू क हक प सक

(मरकुस 11:27-33; लूका 20:1-8)

23ईसू जब जाइके मंदिर मँ उपदेस देत रहा। मुख्ययाजकन
अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन ओसे पूछेन, "अइसी बातन क तू
कउने हक स करत ह? अउर इ हक तोहका कउन दिहस?"
24जवाबे मँ ईसू ओनसे कहेस, "मइँ तोहसे भी एक
सवाल पूछत हउँ, जदि तू ओकर जवाब मोका दइ द्या तउ
मइँ तोहका बताइ देब कि मइँ इन बातन क कउने हक स
करत हउँ। 25बतावा यूहन्ना क बपतिस्मा कहाँ ते मिला
रहा? परमेस्सर स या मनई स?"
उ सबइ आपुस मँ सोच बिचारिके कहइ लागेन, "जदि
हम पचेन कहत अही, 'परमेस्सर स' तउ इ हमसे पूछी,
'फिन उ ओह प बिसवास काहे नाहीं करत्या?' 26किंतु जदि
हम कहित ह, 'मनई स' तउ हमका मनइयन क डर बाटइ
काहेकि उ पचे यूहन्ना क एक नबी मानत हीं।"
27तउ जवाबे मँ उ सबइ ईसू स कहेन, "हमका पता
नाहीं?"
एँह प ईसू ओनसे बोला, "ठीक बा तउ फिन मइँ भी
तोहका नाहीं बतावत हउँ कि इ बातन क मइँ कउने हक स
करत हउँ।

यहूदियन बरे एक दिस्टान्त कथा

28"अच्छा बतावा तू पचे एँकरे बारे मँ का सोचत अहा?
एक मनई क दुइ बेटवा रहेन। उ बड़के क लगे गवा अउर
बोला, 'बेटवा आज मोरे अंगूर क बगिया मँ जा अउर काम
करा।'
29"मुला बेटवा जवाब दिहस, 'मोर मन नाहीं बा, मुला
पाछे ओकर मन फिरि गवा अउर उ चला गवा।
30"फिन उ बाप दुसरे बेटवा क लगे गवा अउर ओसे
भी बइसे ही कहेस। जवाबे मँ बेटवा कहेस, 'जी हाँ,' मुला
उ गवा नाहीं।
31"बतावा इन दुइनउँ मँ स जउन बाप चाहत रहा, कउन
किहेस?" यहूदी नेतन कहेन, "बड़कवा।"
ईसू ओनसे कहेस, "मइँ तोहसे सच कहत हउँ। चुंगी
उगहिया अउर वेस्यन परमेस्सर क राज्य मँ तोहसे पहिले
जइहीं। 32इ मइँ यह बरे कहत हउँ काहेकि बपतिस्मा
देवइया यूहन्ना तोहका जिन्नगी क सही रस्ता देखॉवइ आइ
अउर तू ओहमाँ बिसवास नाहीं किहा। मुला चुंगी उगहिया
अउर वेस्यन ओहमाँ बिसवास किहेन। तू जब इ देख्या तउ
पाछे न मन फिरावा किहा अउ न ओहे प बिसवास।

परमेस्सर क आपन पूत क पठउब

(मरकुस 12:1-12; लूका 20:9-19)

33"एक ठु अउर दिस्टान्त कथा सुना: एक जमींदार रहा।
उ अंगूरे क बगिया लगाएस। ओकरे चरिउँ कइँती बाड़ा
लगाएस। फिन अंगूरे क रस निकारइ बरे कोल्हू बनवइ क
एक गड़हा खोदेस अउर रखवारी बरे एक गुंबद बनवाएस।
फिन ओका बटाई प दइके जात्रा प चला गवा। 34जब
अंगूरे क फसल क समइ आइ तउ बगिया क मालिक
नउकरन क लगे आपन गुलामन क पठएस जेसे आपन
हींसा अंगूर लइ आवइँ।
35"मुला किसानन ओकरे नउकरन क धइ लिहन। कउनो
क पीटेन, कउने प पाथर उछारेन अउर कउनो क तउ मारि
डाएन। 36एक दाईं फिन पहिले स अउ जिआदा नउकरन क
पठएस। उ किसानन ओनके संग भी वइसा ही बर्ताव
किहेन। 37पाछे उ ओनके लगे आपन बेटवा क पठएस। उ
कहेस, 'उ सबइ मोरे बेटवा क मान रखिहइँ जरूर।'
38"मुला उ किसानन जब ओकरे बेटवा क देखेन तउ उ
सबइ आपुस मँ कहइ लागेन, 'इ तउ ओकर वारिस अहइ,
आवा एँका मारि डाई अउर ओकर वारिस क हक हथियाइ
लेई।' 39एँह प उ पचे ओका धइके बगिया क बाहेर
ढकेलेन अउर मार डाएन।
40"तू का सोचत बाट्या हुवाँ जब अंगूरे क बगिया क
मालिक आई तउ किसानन क संग का करी?"
41उ यहूदी याजकन अउ नेतन ओसे कहेन, "काहेकि उ
सबइ निरदयी रहेन यह बरे उ ओनका निरदयी होइके मारि
डाई अउर अंगूरे क बगिया क दूसर किसानन क बटाई प
दइ देइ जउन फसल आवइ प ओका ओकर हींसा देइहीं।"
42ईसू ओनसे कहेस, "का तू सबइ पवित्तर सास्तरन क
बचन कभी नाहीं पढ़्या:

'जउनो पाथर क मकान क बनवइयन बेकार समझेन,
उहइ कोने क सबते जिआदा महिमा क पाथर बन गवा'
'अइसा पर्भू क जारिये कीन्ह गवा जउन हमरी निगाह मँ
अजूबा बाटइ।'

भजन संहिता 118:22-23

'तू … कराया ह' भजन. 8:3

43“एह बरे मइँ तोहसे कहत हउँ परमेस्सर क राज्य तोहसे
छीन लीन्ह जाई अउर उ ओन मनइयन क दइ दीन्ह जाई
जउन ओकरे राज्य क रीति स बर्ताव करिहइँ। 44जउन इ
चट्टाने प गिरी, चूर चूर होइ जाई अउ इ चट्टान कउनो प
गिरी तउ उ ओका रउँद डाई।”
45जब मुख्ययाजकन अउर फरीसियन ईसू क दिस्टान्त
कथन क सुनेन तउ उ पचे समुझ लिहन कि उ ओनके बारे
मँ कहत रहा। 46तउ उ सबइ ओका धरइ क जतन किहन
मुला उ पचे मनइयन स डेरात रहेन काहेकि लोग ईसू क
नबी मानत रहेन।

बियाहे क भोज प लोगन्क क राजा क बोलावइ क दिस्टान्त कथा

(लूका 14:15-24)

22 एक दाई फिन ईसू ओनसे दिस्टान्त कथन क
कहइ लाग। उ बोला, 2“सरगे क राज्य उ राजा
का नाइँ अहइ जउन आपन बेटवा क बियाहे प भोज दिहेस।
3राजा आपन नउकरन क पठएस कि उ पचे ओन मनइयन
क बोलाइ लियावइँ जेका बियाहे क भोज प न्यौता दीन्ह
गवा रहा। मुला उ पचे नाहीं आएन।
4“उ आपन नउकरन क फिन पठएस, उ कहेस कि
जउन मनइयन क बियाह क भोजे प बोलावा गवा ह,
ओनसे कहि द्या, ‘देखा मोर भोज तइयार बा। मोर साँड़
अउर मोटवार ताजा पसू क काटा जाइ चुका बाटइ। सब
कछू तइयार अहइ। बियाहे क भोज मँ आइ जा।’
5“मुला न्यौतहरी ओह प कउनो धियान नाहीं दिहेन अउर
उ सबइ चले गएन। कउनो आपन खेत मँ काम करइ चला
गवा तउ दूसर मिला आपन आपन काम धंधा पा। 6अउ
कछू मिला तउ राजा क नउकरन क धइके ओकरे साथे
मार-पीट किहेन अउ ओनका मार डाएन। 7तउ राजा
कोहाइके आपन फउज पठएस। उ सबइ ओन हत्यारन क
मउत क घाते पहुँचाइ दिहस अउर ओनके सहर मँ आगी
बार दिहेन।
8“फिन राजा क नउकरन स कहेस, ‘बियाह क भोज
तइयार बाटइ मुला जेकाँ बोलाँइ गवा रहा, उ सबइ अजोग्ग
माना गएन, 9एह बरे गलियन क नोक्कड़ प जा अउर तू
जेका पावा, बियाहे क भोज प बोलाँइ लिआवा।’ 10फिन
नउकरन गलियन मँ गएन अउ जउन भी भला अउर बुरा
मनई भेंटेन उ पचे ओनका बटोरि लियाएन। अउ सादी क
महल मेहमानन स भरि गवा।
11“मुला जब जेवन्हार क लखइ राजा आवा तउ हुवाँ उ
एक अइसा मनई क निहारेस जउन बियाहे क ओढ़ना नाहीं
पहिरे रहा। 12राजा ओसे कहेस, ‘मितउ, बियाहे क वस्तर
पहिरे बिना हियाँ भीतर कइसे आइ गया?’ पर उ मनई
खमोस रहा। 13एँह प राजा आपन नउकरन स कहेस, ‘एँकर
हाथ गोड़ छाँदिके बाहेर अँधियारे मँ नाइ द्या। जहाँ मनई
रोवत अउर दँतवा कटकटावत होइहीं।’
14“काहेकि बोलावा तउ बहोत गवा अहइँ मुला चुना
भवा थोड़के अहइँ।”

यहूदी नेतन लोगन्क छलावा

(मरकुस 12:13-17; लूका 20:20-26)

15तब फरीसियन जाइके एक सभा बोलॉएन जेसे उ इ
बात क फरियाइ सकइँ कि ईसू क ओकरे आपन ही कही
भई बात मँ कइसे फँसावइ। 16उ पचे अपने चेलन क
हिरोदियन क संग ओकरे लगे पठएन उ मनइयन ईसू स
कहेन, “गुरु हम जानत अही कि तू सच्चा अहा। तू सचमुच
परमेस्सर क राहे क सिच्छा देत अहा। अउर तू, कउनो का
सोचत ह, एँकइ चिंता नाहीं करत्या काहेकि तू कउनो मनई
क हैसियत प नाहीं जात्या। 17तउ हमका बतावा तोहार का
बिचार बा कि सम्राट कैसर क चुंगी चुकाउब ठीक अहइ
कि नाहीं?”
18ईसू ओनकइ बुरा बिचार क समुझ गवा, तउ उ बोला,
“अरे कपटियो! तू पचे मोका काहे परखब चाहत बाट्या?
19मोका कउनो दीनार देखावा जेसे तू चुंगी अदा करत ह।”
तउ सबइ ओकरे लगे एक दीनार लइ आएन। 20तब उ
ओनसे कहेस, “एँह प केकर मूरत अउर लिखाई खुदी बा?”
21उ पचइ ओसे कहेन, “कैसर क।”
तब उ ओनसे कहेस, “अच्छा तउ फिन जउन कैसर क
अहइ, ओका कैसर क द्या, अउर जउन परमेस्सर क
अहइ, ओका परमेस्सर क।” 22इ सुनिके उ पचइ अचरजे स
भरि गएन अउर ओका छोड़िके चला गएन।

सदूकियन क चाल

(मरकुस 12:18-27; लूका 20:27-40)

23उहइ दिन कछू सदूकियन जउन पुनरुत्थान क नाहीं
मनतेन, ओकरे लगे आएन। 24अउ ओसे पूछेन, “गुरु, मूसा
क उपदेस क अनुसार जदि बिना बे बाल बच्चा क कउनो
मरि जाइ तउ ओकर भाई, निचके क नातेदार होइ क नाते
ओकरे विधवा स बियाह करइ अउर आपन भाई क बंस
चलावइ बरे संतान पइदा करइ। 25अब मान ल्या हम पचे
सात ठु भाई अही। पहिलौठा बेटवा का बियाह भवा अउर
पाछे ओकर मउत होइ गइ। फिन काहेकि ओकरे कउनो
संतान नाहीं भइ, यह बरे ओकर भाई आपन भउजी क
आपन पत्नी बनइ लिहस। 26तब दुसरका भाई मरि गवा।
उहइ घटना तिसरेक क संग भइ। जब तलक सातहु भाइयन
मरि नाहीं गएन वइसन भवा। 27अउर सब क पाछे उ स्त्री
भी मर गई। 28अब हमार पूछब इ अहइ कि पुनरुत्थान मँ
ओन सातउ मँ स कउने क पत्नी होई काहेकि सातउ ओका
आपन बनाएन?”
29जवाब देत ईसू ओनसे कहेस, “तू बगद गया काहेकि
तू पचे पवित्तर सास्तरन अउर परमेस्सर क सक्ती क नाहीं
जनत्या। 30तोहका समझइ चाही कि पुनरुत्थान मँ लोग न
तउ बियाह करिहीं अउर न ही कउनो सादी मँ दीन्ह जाई।
मुला उ पचे सरगे क दूतन क नाइँ होइहीं। 31इहइ
सिलसिला मँ तोहरे फायदा बरे परमेस्सर मरा भवा क
पुनरुत्थान क बारे मँ जउन कहेस ह, का तू कबहुँ नाहीं
पढ्या? उ कहे रहा, 32‘मइँ इब्राहीम क परमेस्सर हउँ,
इसहाक क परमेस्सर हउँ अउर याकूब क परमेस्सर हउँ।’*

‘मइँ … हउँ’ निर्गमन 3:6

उ मरा हुअन क नाहीं मुला जिन्दा क परमेस्सर अहइ।"
33जब मनइयन इ सुनेन तउ ओकरे उपदेस प उ सबइ बहोत
अचम्भा मँ पड़ि गएन।

सबन ते बड़का हुकुम

(मरकुस 12:28-34; लूका 10:25-28)

34जब फरीसियन इ सुनेन कि ईसू आपन जवाबे स
सदूकियन क चुप कराइ दिहस तब उ सबइ एँकट्ठा भएन।
35ओहमाँ क एक फरीसी ईसू क परीच्छा क बिचार स
ओसे पूछेन, 36"गुरु, व्यवस्था मँ सबन ते बड़का हुकुम
कउन स बाटइ?"
37ईसू ओसे कहेस, "'तोहका आपन सारे मनवा स, सारी
आतिमा स अउर सारी बुद्धि स आपन परमेस्सर पर्भू क
पिरेम करइ चाही।* 38इ सब ते पहिला अउर सब ते बड़ा
हुकुम अहइ। 39फिन अइसा ही दूसर हुकुम इ अहइ:
'आपन पड़ोसी स वइसा ही पिरेम करा जइसा तू अपने स
खुद करत ह।'* 40सारी व्यवस्था अउर नबियन क किताबन
इन दुइनउँ हुकुमन प टिका बाटइ।"

ईसू क फरीसियन स एक सवाल

(मरकुस 12:35-37; लूका 20:41-44)

41जब फरीसियन अबहीं एकट्ठा ही रहेन, कि ईसू
ओनसे एक ठु प्रस्न पूछेस, 42"मसीह क बारे मँ तू का
बिचारत ह कि उ केकर बेटवा अहइ?"
उ फरीसियन ओसे कहेन, "मसीह दाऊद क पूत ह।"
43ईसू ओसे पूछेस, "फिन आतिमा क बसे मँ होइके दाऊद
ओका 'पर्भू' कहत इ काहे कहेस:
44'पर्भू मोरे पर्भू (ईसू) स कहेस: मोरे दाहिन बइठिके
राज्य करा जब ताईं कि मइँ दुस्मनन क तोहरे गोड़वा तले
न कइ देउँ।' *भजन संहिता 110:1*

45फिन जब दाऊद ओका 'पर्भू' कहेस तउ उ ओकर
बेटवा कइसे होइ सकत ह?" 46जवाबे मँ कउनो भी ओसे
कछू नाहीं कहि पावा। अउर न ही उ दिना क पाछे कउनो
क ओसे पूछइ क हिम्मत भवा।

ईसू यहूदी धरम नेतन क नुक्ताचीनी किहेस

(मरकुस 12:38-40; लूका 11:37-52; 20:45-47)

23 ईसू फिन आपन चेलन अउर भीड़ स कहेस। 2उ
कहेस, "धरम सास्तिरियन अउर फरीसियन मूसा क
व्यवस्था क अरथ बतावइ क हकदार अहइँ। 3एह बरे जउन
कछू उ सबइ कहइँ ओह प चलत रहा अउर ओनका
मानके करत रहा। मइँ इ कहत हउँ काहेकि उ पचे बस
कहत रहत हीं मुला करतेन नाहीं। 4उ पचे मनई क काँधि प
एतना बोझा लादि देत हीं कि उ सबइ ओका उठाइके चल
न सकइँ अउर लोगन्प दबाव डारत हीं कि ओका लइके
चलइँ। मुला उ सबइ खुद ओहमाँ स कउनो प भी चलइ
बरे आपन अंगुरी तलक नाहीं हिलउतेन।
5"उ सबइ नीक काम यह बरे करत हीं कि लोग
ओनका लखइँ। असिल मँ उ सबइ आपन ताबीज अउर
पोसाक क झलरे क यह बरे बड़ा स बड़कवा करत रहत हीं
कि लोग ओनका धर्मात्मा समझइँ। 6उ सबइ जेवनार मँ
सबते जिआदा खास जगह पावा चाहत हीं। आराधनालयन मँ
ओनका प्रमुख आसन चाही। 7बजारे मँ उ पचे मान क साथ
पैलगी करावा चाहत हीं। अउ चाहत हीं कि लोग ओनका
'गुरु' कहिके पुकारइँ।
8"मुला तू पचे मनइयन स आपन क 'गुरु' जिन कहवावा
काहेकि तोहार सच्चा गुरु तउ बस एक अहइ। अउर तू
सबइ सिरिफ भाई बहिन अहा। 9धरती प मनइयन क आपन
मँ स कउनो क भी 'पिता' जिन कहइ द्या। काहेकि तोहार
'पिता' तउ बस एक ही अहइ, अउ उ सरगे मँ बा। 10न ही
तू मनइयन क आपन बरे 'स्वामी' कहइ द्या काहेकि तोहार
स्वामी तउ बस एक ठु बाटइ अउ उ अहइ मसीह।
11तोहमाँ सब ते बड़कवा मनई उहइ होई जउन तोहार
नउकर बनी। 12जउन आपन खुद क उँचा उठाई ओका
नंवई क होई। अउर जउन आपन खुद नवाई ओका ऊँचा
उठाइ जाइ।
13"हे कपटी धरम सास्तिरियो अउर फरीसियो! तोहका
धिक्कार अहइ। तू सबइ सरगे क राज्य क दुआर ढाँपि दिहा
ह। न तउ तू पचे ओहमाँ घुसि पउब्या अउर न ही ओनका
जाइ देब्या जउन घुसइ बरे जतन करत हीं। 14अरे कपटा
धरम सास्तिरियन अउ फरीसियन तू पचे विधवा क धन
दौलत हड़पत ह। देखाँवा बरे बड़ी बड़ी पराथना करत ह।
एकरे बरे तोहका कर्री सजा मिली।
15"अरे कपटी धरम सास्तिरियो अउर फरीसियो! तोहका
धिक्कार अहइ। तू कउनो क आपन मत मँ लइ आवइ बरे
धरती अउर समुद्दर पार कइ जात ह। अउ उ तोहरे नेम
धरम मँ आइ जात ह तउ तू ओका आपन स भी दुइ गुना
नरक क काबिल बनाइ देत ह।
16"अरे कपटी धरम सास्तिरियो अउर फरीसियो! तोहका
धिक्कार अहइ। तोहका धिक्कार अहइ जउन कहत ह, 'जदि
कउनो मंदिर क सपथ खात ह तउ ओका सपथ क खाब
जरूरी नाहीं मुला अगर कउनो मंदिरे क सोने सपथ खात ह
तउ ओका सपथ क मानब जरूरी अहइ!' 17अरे आँधर मूर्ख
लोगो! बड़का कउन अहइ? मंदिर क सोना या उ मंदिर
जउन उ सोना क पवित्तर बनएस। 18तू सबइ इ भी कहत
ह, 'जदि कउनो वेदी क सपथ खात ह तउ कछू नाहीं, मुला
जदि कउनो वेदी प धरा चढ़ावा क सपथ खात ह तउ आपन
सपथ स बँधा भवा अहइ।' 19अरे आँधर लोगो! कउन
बड़कवा अहइ? वेदी प धरा चढ़ावा या उ वेदी जेसे उ
चढ़ावा पवित्तर बनत ह? 20यह बरे जदि कउनो वेदी क
सपथ लेत ह तउ उ वेदी क साथे वेदी प जउन धरा बाटइ,
उ सबन क सपथ खात ह।
21"उ जउन मंदिर अहइ, ओकर भी सपथ लेत ह उ
मंदिर क संग जउन मंदिर क भितरे बा, ओकर भी सपथ
खात ह। 22अउर उ जउन सरगे क सपथ खात ह, उ

'तोहका ... चाही' व्यवस्था. 6:5

आपन ... ह' लैव्य. 19:18

परमेस्सर क सिंहासने क संग जउन उ सिंहासने प बिराजत
बा ओकर भी सपथ खात ह।
23“अरे कपटी धरम सास्तिरियो अउर फरीसियो! तोहका
धिक्कार अहइ। तोहरे लगे जउन कछू अहइ, तू ओकर
दसवाँ, हींसा, हीयाँ तलक कि आपन पुदीना, सौंफ अउर
जीरा तक क दसवाँ हींसा परमेस्सर क देत ह। फिन भी तू
व्यवस्था क खास बातन, निआव, दाया अउर बिसवास क
धकियाइ दिहा। तोहका इ चाहत रहा कि ओन बातन क
बगैर छोड़े भए इन बातन क करत जात्या। 24अरे आँधर
अगुवा लोगो! तू आपन पिअइ क पानी स मच्छर तउ छान
लेत ह पर ऊँटे क लील जात ह।
25“अरे कपटी धरम सास्तिरियो अउ फरीसियो! तोहका
धिक्कार अहइ। तू आपन खोरा अउर टाठी बाहेर स धोइके
फर्छइ करत ह पर ओकरे भितरे तू जउन चाल चपेट या
आपन बरे रियायत मँ पाया ह, भरा बाटइ। 26अरे आँधर
फरिसियो! पहिले आपन खोरा क भितरे स माँज ल्या जेसे
भितरे क साथ साथ उ बाहेर स भी चमकइ लगाइ।
27“अरे कपटी धरम सास्तिरियो अउर फरीसियो! तोहका
धिक्कार अहइ। तू लीपी पोती भई समाधि क नाईं अहा
जउन बाहेर स तउ सुन्नर देखाति अहइ मुला भितरे स मरे
हुअन क हाड़ अउर हर किसिम क मलिनता स ठूँसी रहत
ह। 28अइसे ही बाहेर स तउ धर्मी देखॉइ देत ह मुला भितरे
स चाल चपेट अउर अनभले स बुरा अहा।
29“अरे कपटी धरमसास्तिरियो अउ फरीसियो! तोहका
धिक्कार अहइ। तू नबियन क बरे मकबरा बनावत ह अउर
धर्मीयन क कब्र क सिंगार करत ह। 30अउ कहत बाट्या,
‘जदि तू आपन पूर्वजन क समइ मँ पइदा होत्या तउ नबियन
क मरवावइ मँ ओनकइ साथ न देत्या।, 31अइसे प तू खुद
ही साच्छी देत अहा, कि तू मानत बाट्या कि तू ओनकइ
बाल-बच्चा अहा जउन नबियन क हत्यारन रहेन। 32तउ तू
जउन तोहार पुरखन सुरु करेन, ओका पूरा कइ द्या।
33“अरे कीरा अउर नाग क संतान! तू सबइ कइसे सोच
लिहा कि तू नरक भोगइ स छूट जाब्या। 34यह बरे मइँ
तोहका बतावत हउँ कि मइँ तोहरे लगे नबियन, बुद्धिमानन
अउर गुरुअन क पठवत हउँ। तू पचे ओनमाँ स बहोतन क
मार डउब्या अउर बहोतन क क्रूसे प चढ़उब्या। कछू मनइयन
क तू सबइ आपन आराधनालयन मँ कोड़न स पिटवउब्या
अउर एक सहर स दूसर सहरे ताईं ओनकइ पाछा करत
खदेरब्या। 35आखिर निरीह हाबिल स लइके बिरिक्याह क
बेटवा जकरयाह ताईं जेका तू मंदिरे क गरभ घर अउर वेदी
क बीच मारि डाए रह्या हर धर्मी मनई क कतल क सजा
तोह प होई। 36मइँ तोहसे सच कहत हउँ कि इ सब कछू
बरे इ पीढ़ी क मनइयन क सजा भोगे होई।

यरूसलेम क मनइयन प ईसू क दुःख

(लूका 13:34-35)

37“यरूसलेम, ओ यरूसलेम! तू उ अहा जउन नबियन
क कतल करत ह अउर परमेस्सर क पठए गए दूतन क
पाथर मारत ह। मइँ केतनी दाईं चाह्यो ह कि जइसे कउनो
मुर्गी आपन चूजन क आपन पंखा तरे बटोर लेत ह वइसे
ही तोहरे गदेलन क बटोर लेउँ। मुला तू पचन नाहीं चाह्या।
38तोहार घर समूचइ उजड़ जाई। 39मइँ तोहका सच बतावत
हउँ तू मोका तब ताईं फिन नाहीं देखब्या जब ताईं तू नाहीं
कहब्या, ‘धन्य अहइ उ जउन पर्भू क नाउँ मँ आवत ह।’*

ईसू मंदिरे क बिनास क भविस्सबाणी किहेस

(मरकुस 13:1-31; लूका 21:5-33)

24 मंदिर क छोड़िके ईसू जब हुवाँ स होइके जात रहा
तउ ओकर चेलन ओका मँदिर क इमारत देखॉवइ
ओकरे लगे आएन। 2एह प ईसू ओनसे कहेस, “तू पचे इ
इमारतन क सोझ खड़ी देखत अहा? मइँ तोहका सच सच
कहत हउँ, हिआँ तलक एक पाथर प दूसर पाथर टिक
नाहीं पाई। एक एक गिराइ दीन्ह जाई।”
3ईसू जब जैतून पहाड़ प बइठा रहा तउ अकेल्ले मँ
ओकर चेलन लगे आएन अउर बोलेन, “हमका बतावा इ
कब होई? जब तू लउटि अउब्या अउर इ संसारे क अंत
होई तउ कइसे सँकेत परगट होइहीं?”
4जवाबे मँ ईसू ओनसे कहेस, “होसियार! तू पचन क
कउनो भरमाइ न पावइ। 5मइँ इ यह बरे कहत हउँ कि
अइसे बहोतन अहइँ जउन मोरे नाउँ स अइहीं अउर कइहीं,
मइँ मसीह हउँ अउर उ सबइ बहोतन क भरमइहीं। 6तू
सबइ नगीचे क जुद्ध क बातन या दूरि क जुद्ध क
अफवाह सुनब्या पर देखा तू घबराया जिन। अइसा तउ होइ
मुला अबहीं अंत नाही आवा अहइ। 7हर रास्ट्र दूसर रास्ट्र
क खिलाफ अउर एक राज्य दूसर राज्य क खिलाफ खड़ा
होई। अकाल पड़ी। हर कतहूँ भुँइडोल आई। 8मुला इ सब
बातन उहइ तरह अहइ जइसे नया पइदा होय क पहले की
सुरुआती पीडा।
9“उ समइ उ पचे तोहका सजा देवॉवइ बरे पकड़वइहीं
अउर उ पचे तोहका मरवाइ देइहीं। काहेकि तू सबइ मोर
चेलन अहा। सबहीं रास्ट्र क लोग तोहसे घिना करिहीं। 10उ
समइ बहोत मनइयन क मोह टूटी जाई अउर ओहहि समइ
बहुत स बिसवासियन क बिसवास डिग जाई। उ पचे एक
दूसर क अधिकारियन क हाथे मँ दइ देइहीं अउ आपस मँ
घिना करिहीं। 11बहोत स झूठे नबियन खड़ा होइ जइहीं
अउर मनइयन क ठगिहीं। 12काहेकि बुराई क बाढ़ आइ
जाए स पिरेम घटि जाई। 13मुला जउन अंत तक टिका रही
ओकर उद्धार होई। 14सरगे क राज्य क इ सुसमाचार समूचे
संसार मँ साच्छी रूप मँ प्रचार कीन्ह जाई। एँसे सब राजन
क साच्छी रही अउर तबहीं अंत होइ जाई।
15“एह बरे जबहिं तू लोग खौफनाक बिनास करइवाली
चीज* क पवित्तर स्थान प खड़ा होइके देखा, जेकरे बारे
मँ दानिय्येल नबी बताएन ह, (पढ़इया खुद समुझ जाई कि
एकर अरथ का बाएइ।) 16तब जउन मनई यहूदिया मँ होइँ,
ओनका पहाड़े प भाग जाइ चाही। 17जउन आपन घरे क
छत प होइँ, उ घरवा स बाहेर कछू भी लइ जाइके तर
खाले न आवइँ। 18अउ जउन बाहेर खेतन मँ काम करत

धन्य … आवत ह भजन. 118:26

खौफनाक … चीज दानि. 9:27; 12:11

होइँ, उ पाछे मुड़िके आपन ओढ़ना तक न लेइँ। 19ओन
स्त्रियन बरे जेकरे कोखे मँ गरभ होइ या जेकर लरिकन दूध
पिअत होइँ, उ दिनन कस्टे क होइहीं। 20पराथना करा कि
तोहका जाड़े क दिनन मँ या सबित क दिन पराइ क न
पड़इ। 21उ दिनन मँ अइसी बिपत आई जइसी जबते
परमेस्सर सृस्टि रचेस ह, आजु तक कबहुँ नाहीं आइ अउ न
कबहुँ आई। 22अउर जदि परमेस्सर उ दिनन क घटावइ क
पक्का इरादा न कइ लिहे होत तउ कउनो भी न बच पावत
किंतु चुना भएन क कारण उ दिनन मँ कमती कइ देइ।
23उ दिनन मँ जदि कउनो तू पचन स कहइ, देखा, इ रहा
मसीह या उ राह मसीह। तउ ओकर बिसवास जिन किहा।
24मइँ इ कहत हउँ काहेकि कपटी मसीह अउप कपटी नबी
खड़ा होइहीं अउर अइसे अचरज कारजन देखइहीं अउर
अद्भुत कारजन करिहइँ कि बन पड़इ तउ चुने भएन क भी
चकमा दइ देइँ। 25देखा, मइँ तोहका पहिले ही चेतावनी दइ
चुका अहउँ।

26"तउ जदि उ सबइ तोहसे कहइँ, 'देखा, मसीह जंगल
मँ बा!' फन हुवाँ जिन जाया अउर जदि उ कहइँ, देखा उ
पचे कोठरी मँ छुपा बाटइ! तउ ओनकइ बिसवास जिन
कर्‌या। 27मइँ इ कहत हउँ काहेकि जइसे बिजुली पूरब मँ
सुरू होइके पच्छिम क अकासे तक चमक जात ह वइसे ही
मनई क पूत भी परगट होई। 28जहँ कहूँ ल्हास होई हुआँ
गिद्ध एकट्ठा होइहीं।

29"उ दिनन जउन मुसीबत पड़ी, ओकरे फउरन बाद:

'सूरज करिया पड़ि जाई चन्दा स चाँदनी न निकसी
अकासे स तारा टुटिहीं अउ अकास मँ आसमानी सक्ति
झकझोर दीन्ह जइहीं। *यसायाह 13:10; 34:4-5*

30"उ समइ मनई क पूत क आवइ क चीन्हा अकास मँ
परगट होई। तबहिं भुइयाँ प सब जातिन क मनइयन फूटि
फूटि क रोइहीं अउर उ सबइ मनई क पूत क सक्ती अउर
महिमा क संग सरग क बदरन मँ परगट होत देखिहीं। 31उ
ऊँच सुर क तुरुही क संग आपन दूतन क पठइ। फिन उ
पचे सरग क एक छोर स दूसर छोर तलक सब कहूँ स
आपन चुना भवा मनइयन क एँकट्ठा करी।

32"अंजीरे क बृच्छ स उपदेस ल्या। जइसे ही ओकर
टहनियन सुक्रुवार होइ जात हीं अउर कोंपर फूटइ लागत
हीं। तू लोग जान जात ह कि गर्मी आवइ क अहइ।
33वइसे ही जब तू इ सब घटत देख्या तउ समुझ लिहा कि
उ समइ नगिचे आइ ग बाटइ, मुला ठीक दुआर तलक।
34मइँ तू लोगन्स सच कहत हउँ कि इ पीढ़ी क खतम होइ
क पहिले इ सब बातन होइ जइहीं। 35धरती अउर अकास
तउ मिट सकत हीं मुला मोर बचन कबहुँ न मिटी।"

सिरिफ परमेस्सर जानत ह कि उ समइ कब आई

(मरकुस 13:32-37; लूका 17:26-30, 34-36)

36"उ दिना या उ घड़ी क बारे मँ कउनो कछू न जानत!
न सरगे क दूतन अउर न खुद पूत। सिरिफ परमपिता जानत
ह। 37जइसे नूह क दिना मँ भवा, वइसे हि मनई क पूत क
अवाई भी होई। 38वइसे ही जइसे मनई जल बाढ आवइ स
पहिले क दिनन ताईं खात पिअत रहेन, बियाह सादी करावत
रहेन जब तलक नूह नाउ प नाहीं चढ़ गवा। 39ओनका तब
ताईं कछू पता नाहीं लगि सका जब ताईं प्रलय नाहीं आइ
गइ अउर ओन सबन क बहाइके नाहीं लइ गइ मनई क
पूत क अवाई भी अइसे ही होई। 40उ समइ खेते मँ काम
करत दुइ मनइयन मँ स एक क लइ लीन्ह ज़ाई अउर एक
क हुवँइ छोड़ि दीन्ह जाई। 41चकरी पीसत दुइ स्त्रियन मँ
एक क धइ लीन्ह जाई अउ एक हुवँइ पाछे छोड़ि दीन्ह
जाई।

42"तउ तू लोग होसियार रहा काहेकि तू नाहीं जनत्या कि
तोहार स्वामी कब आई। 43याद राखा अगर घरे क स्वामी
जानत होत कि राति क कउनो घड़ी मँ चोर आइ जाई तउ
उ जागत रहत अउर चोरे क आपन घरवा मँ सेंध नाही
लगावइ देत। 44एह बरे तू भी तइयार रहा काहेकि जब तू
पचे सोच भी नाहीं रहब होब्या, मनई क पूत आइ जाई।

45"तब सोचा उ भरोसामंद अउ समझदार सेवक कउन
बाटइ, जेका स्वामी आपन घरवा क सेवक क ऊपर ठीक
समइ प ओनका खइया क देइ बरे लगाएस ह। 46धन्य
अहइ उ सेवक जेका ओकर स्वामी जब आवत ह तउ
ओका दियाभया काज करत पावत ह। 47मइँ तोहसे सच
कहत हउँ उ स्वामी ओका आपन समूचे धन दौलत क
अधिकारी बनाईं देई। 48दूसर कइँती सोचा एक ठु बुरा
सेवक अहइ, जउन आपन मनवा मँ कहत ह मोर स्वामी
बहोत दिना स लुटि क नाहीं आवत ह। 49अइसे उ आपन
संगी साथी सेवकन स मारपीट करइ लागत ह अउर
सराबियन क संग खाब पिअब सुरु कइ देत ह। 50तउ
ओकर स्वामी अइसे दिन आइ जाई जउने दिन उ ओकरे
अवाई क सोचत तलक नाहीं अउ जेकर ओका पत तलक
नाहीं। 51अउर ओकर स्वमी ओका बुरे ढंग स सजा देई
अउर कपटियन क बीचउबीच ओकर ठउर ठहराई जहाँ
लोग रोवत होइहीं अउर दँतवन क किड़किड़ावत रहीं।

दस कुँवारियन क दिस्टान्त कथा

25 "उ दिन सरग का राज्य ओन दस कुँवारियन क
नाईं होई जउन मसाल लइके दुलहन स भेंटइ
निकरिन। 2ओनमाँ स पाँच मूरख रहीं अउ पाँट ठु चउकस।
3पाँच उ मूरख कुँवारियन आपन मसाल तउ थाम लिहन
मुला ओनके साथे तेल नाहीं लिहन। 4ओहँर चउकस
कुँवारियन मसाले क़ साथ कुप्पियन मँ तेल भी लइ लिहन।
5काहेकि दुलहन क अवाई मँ देर होत रही। सबहीं
कुँवारियन थके स ओंघाइ लागिन अउर ओलर क सोइ
गइन।

6"पर आधी राति मँ धूम मच गइं। ओ हो 'दुलहा आवत
बा। ओसे भेंटइ बाहर जा!'

7"उहइ छिन उ सबइ कुँवारियन उठि गइन अउर आपन
मसाल तइयार किहेन। 8मूरख कुँवारियन चउकस कुँवारियन
स कहेन, 'हमका आपन तनिक तेल दइ द्या, हमर मसालन
बुझि जात अहइँ।'

9"जवाबे मँ सबइ चउकस कुँवारियन बोलिन, 'नाहीं हम
नाहीं दइ सकित। काहेकि फुन इ हमरे बरे पूर न होई अउर

न तोहरे बरे। तउ तू पचे तेली क लगे जाइके आपन खातिर
बेसहि ल्या।'
10"जब उ पचे बेसहइ जात रहिन कि दुलहा आइ
पहोंचा। फिन उ कुँवारियन जउन तइयार रहिन, उ सबइ
ओनके संग भोजे मँ भीतर घुसिन अउर फिन कउनो फाटक
बंद कइ दिहस।
11"आखिर मँ उ सबइ बाकी कुँवारियन भी गइन अउर
बोलिन, 'स्वामी, हे स्वामी, दरवाजा खोलि द्या, हमका भीतर
आवइ द्या।'
12"मुला उ जवाब देत भवा कहेस, 'मइँ तोहसे सच सच
कहत हउँ: मइँ तोहका नाहीं जानत हउँ।'
13"तउ होसियार रहा। काहेकि तू न उ दिना क जानत ह,
न घड़ी क, जब मनई क पूत लउटी।

तीन सेवकन क दिस्टान्त कथा

(लूका 19:11-27)

14"सरग क राज्य उ मनई क नाईं होई जउन जात्रा प
जात भवा आपन नउकरन क बोलाइके अपने सामान क
रखवारा बनाएस। **15**उ एक क चाँदी स भरी पाँच ठु थैली
दिहस। दुसरे क दुइ अउ तिसरे क एक दिहस। उ हर एक
क ओकर जोग्गता होइ क मुताबिक दइके जात्रा प निकरि
गवा। **16**जेका चाँदी क रुपया स भरी पाँच ठु थैली मिलीं,
उ फउरन उ पइसे क धंधा मँ लगाइ दिहस फिन पांच थैली
अउर कमाएस। **17**अइसे ही जेका दुइ थैली मिलिन, उ भी
दुइ अउर कमाइ लिहस। **18**मुला जेका एक मिली रही उ
कहूँ जाइके भुइँया मँ गड़हा खोदेस अउर स्वामी क धने क
गाड़ दिहस। **19**बहोत समइ बीत जाए क पाछे ओन
सेवकन क स्वामी लउटि आवा अउर हर कउनो स लेखा
जोखा लेइ लाग। **20**उ मनई जेका चाँदी क पाँच थैली
मिलिन, आपन स्वामी क लगे गवा अउर चाँदी क पाँच
अउर थैली लइ जाइके ओसे बोला, 'स्वामी, तू मोका पाँच
थैली दिहे रहा। चाँद क इ पाँच थैली अउर अहइँ जउन मइँ
कमायउँ ह।'
21"ओकर स्वामी ओहसे कहेस, 'साबास! तू भरोसा क
बढ़िया नउकर अहा। तनिक क रकम क बारे मँ तू बिसवास
क जोग्ग रह्या मइँ तोहका अउर जिआदा हक देब। भितरे
जा अउर आपन स्वामी क खुसी मँ खुसी मनावा।'
22"फिन जेका चाँदी क दुइ थैली मिली रहीं, आपन
स्वामी क लगे गवा अउर बोला, 'स्वामी तू मोका चाँदी क
दुइ थैली दिहे रहा, चाँदी क इ दुइ थैली अउ अहइँ जेका
मइँ कमायो ह।,
23"ओकर स्वामी ओसे कहेस, 'साबास! तू भरोसा क
लायक बढ़िया नउकर अहा। तनिक रकम क बारे मँ तू
बिसवास क जोग्ग रह्या। मइँ तोहका अउर जिआदा हक
देब। भितरे जा अउर आपन स्वामी क खुसी मँ खुसी
मनावा।'
24"फिन उ जेका चाँदी क एक थैली मिली रही, आपन
स्वामी क लगे आवा अउर बोला, 'स्वामी, मइँ जानत हउँ तू
बहोत कठोर मनई अहा। तू हुवाँ काटत ह जहाँ तू बोया
नाहीं रहा, अउर जहाँ तू कउनो बिआ नाहीं छिटकाया तू
हुवाँ स फसिल बटोरब्या। **25**यह बरे मइँ डेराइ गवा रहे। तउ
मइँ जाइके चाँदी क थैलिया क भुइँया मँ गाड़ दीन्ह। इ लइ
ल्या जउन तोहार अहइ इ बाटइ, लइ ल्या।'
26"जवाबे मँ ओकर मालिक ओसे कहेस, 'तू एक बुरा
आलसी सेवक अहा, तू जानत ह कि मइँ बिन बोए कटनी
करत हउँ, हुवाँ स फसिल बटोरत हउँ। **27**तउ तोहका मोर
धन साहूकार क लगे जमा कइ देइ चाही रहा। फिन जब
मइँ आइत तउ जउन मोर रहा बियाज क साथ लइ लेइत।'
28एह बरे एँसे चाँदी क एक थैली लइ ल्या अउर जेकरे
लगे चाँदी क दस थैली अहइँ, एँका उहइ क दइ द्या।
29काहेकि हर उ मनई क जो जउन कछू ओकरे लगे रहा
ओकर सही प्रयोग किहेस ओका अउ जिआदा दीन्ह जाई।
अउर जेतँनी ओका जरुरत अहइ, उ ओसे जिआदा पाई।
मुला ओसे, जो जउन कछू ओकरे लगे रहा ओकर सही
प्रयोग नाहीं किहेस, सब कछू ओकरे लगे रहा ओकर सही
प्रयोग नाहीं किहेस, सब कछू छोर लीन्ह जाई। **30**तउ उ
बेकार क नउकर क बाहेर अँधियरे मँ धकियाइ द्या जहाँ
लोग रोइहीं अउर आपन दाँत पिसिहीं।

मनई क पूत सबक निआव करी

31"मनई क पूत जब आपन सरगे क महिमा क संग
आपन सबही दूतन क संग आपन सानदार सिंहासने प बइठी
32तउ संसार क सबहिं लोग ओकरे समन्वा एँकट्ठ होइ
जइहीं अउर एक दूसर क वइसे ही अलगाइ देइ, जइसे
एक गड़रिया आपन बोकरियन स भेड़न क अलगाइ देत ह।
33उ भेड़न क दाहिन कइँती अउर बकरियन क बाईं कइँती
राखी।
34"फिन उ राजा, जउन ओकरे दाहिन अहइ, ओनसे
कही, 'मोरे परमपिता स असीस पाए मनइयो, आवा अउर
जउन राज्य तोहरे बरे संसार क सृस्टि स पहिले तइयार कीन्ह
ग अहइ, ओकर अधिकारी बनि जा। **35**इ राज्य तोहार अहइ
काहेकि मइँ भुखान रह्यों अउ तू मोका कछू खाइके द्या,
मइँ पिआसा रह्यों अउर तू मोका कछू पिअइ क दिहा। मइँ
नगिचे स जात भवा अनजान रह्यों, अउर तू मोका भितरे
लइ गया। **36**मइँ बेवस्तर रह्यों, तू मोका ओढ़ना पहिराया।
मइँ बेरमिया रह्यों, अउर तू मोर सेवा किहा। मइँ गिरफ्तार
रह्यों, अउन तू मोरे लगे आया।'
37"फिन जवाबे मँ धर्मी मनई ओसे पुछिहइँ 'पर्भू, हम
पचे तोहका कब भुखान लखा ह अउर खिआवा या
पिआसा लखा अउर पिअइ क दिहा? **38**तोहका हम कब
नगिचे स जात भवा अजनबी लखा अउर भितरे लइ गएन,
या बेवस्तर के लखिके तोहका ओढ़ना पहिरावा? **39**अउ हम
कब तोहका बेरमिया या गिरफ़ार लखा अउर तोहरे लगे
आएन?'
40"फिन राजा जवाबे मँ ओनसे कही, मइँ तोहसे सच
कहत हउँ जब कबहुँ तू मोर भोले भाले मनइयन मँ स
कउनो एक बरे भी कछू किहा तउ उ तू मोरे बरे किहा।
41"फिन उ राजा आपन बाँई कइँती क मनइयन स कही,
'अरे अभागे लोगो मोरे नगिचे स चला जा, अउ जउन
आगी सइतान अउर ओकरे दूतन बरे तइयार कीन्ह गइ

अहइ उ अनंत आगी मँ जाइके कूद जा। 42इहइ तोहार
सजा अहइ काहेकि मइँ भुखान रह्यो पर तू मोका खाइके
कछू नाहीं दिहा, 43मइँ अनजान रहा पर तू मोका भितरे
नाहीं लइ गया। मइँ बिन ओढ़ना क बेवस्तर रहा, पर तू
मोका ओढ़ना नाहीं पहिराया। मइँ बेरमिया अउर गिरफ्तार
रहा, पर तू मोरे कइँती धियान नाही दिहा।'
44"फिन उ सबइ भी जवाबे मँ ओसे पुछिहइँ, 'पर्भू, हम
तोहका भूखा या पिआसा या अनजान या बिना ओढ़ना क
बेबस्तर या बेरमिया या गिरफ्तार कब लखा अउर तोहार
सेवा नाहीं कीन्ह?' 45फिन उ जवाबे मँ ओनसे कही, 'मइँ
तोहसे सच कहत हउँ जब कबहुँ तू मोर इन भोले भाले
मनवइयन मँ स कउनो एक क बरे लापरवाही बरत्या अउर
नहीं किहा उ मोरे बरे भी कछू करइ मँ लापरवाही बरती।'
46"फिन इ सबइ बुरे लोग अनन्त सजा पइही अउ धर्मी
मनई अनन्त जीवन मँ चला जइहीं।"

यहूदी नेतन क ईसू क कतल करइ क चाल

(मरकुस 14:1-2; लूका 22:1-2; यूहन्ना 11:45-53)

26 इ सब बातन क कहि चुकइ क पाछे ईसू आपन
चेलन स बोला, 2"तू पचे जानत ह कि दुइ दिना
पाछे पसह क त्यौहार बाटइ। अउर मनई क पूत दुस्मनन क
हाथन स क्रूसे प चढ़ाइ जाइ बरे पकड़वाइ जाइवाला
अहइ।"
3तब मुख्ययाजकन अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन कैफ़ा नाउँ
क महायाजक क घरे क आँगन मँ ऍकट्ठा भएन। 4अउर
उ पचे कउनो चाल स ईसू क धरइ अउर मार डावइ क
छल करेन। 5फिन भी उ सबइ कहत रहेन, "हमका इ
फसह क त्यौहार क दिनन मँ नाहीं करइ चाही। नाहीं तउ
होइ सकत ह मनई दंगा फसाद कइ बइठइँ।"

ईसू प इतर क छिरकब

(मरकुस 14:3-9; यूहन्ना 12:1-8)

6ईसू जब बैतनिय्याह मँ समौन कोढ़ी क घरे रहा। 7तबही
एक स्त्री चिकना, स्फटिक क सीसी मँ बहोत महँग इतर
भरिके लइ आाई अउर ओका ओकरे मूँड़े प उड़ेल दिहस।
उ समइ उ पटरा प टेक लगाइके निहुरा बइठा रहा। 8जब
ओकर चेलन इ देखेन तउ उ सबइ किरोध मँ आइके
बोलेन, "इतर क अइसी बर्बादी काहे कीन्ह गइ? 9इ इतर
तउ महँग दामे मँ बिक सकत रहा अउर फिन उ धने क
दीन दुखियन मँ बाँटि जाइ सकत रहा।"
10ईसू जानि गवा कि उ सबइ का कहत अहइँ। तउ
ओनसे बोला, "तू इ स्त्री क काहे तंग करत अहा? उ तउ
मोरे बरे एक सुन्नर काम करेस ह? 11काहेकि दीन-दुखी तउ
हमेसा तोहरे पास रइहीं* पर मइँ तोहरे साथ हमेसा नाहीं
रहब। 12उ मोरे सरीर पइ सुगंधि छिरकिके मोरे गाड़ा जाइके
तइयारी करेस ह। 13मइँ तोहसे सच कहत हउँ समूची दुनिया
मँ जहँ कहूँ भी सुसमाचार क प्रचार अउर फइलाव कीन्ह
जाइ, हुवँइ ऍकर याद मँ जउन कछू इ किहेस ह, ओकर
चर्चा होई।"

ईसू क दुस्मन यहूदा बनत ह

(मरकुस 14:10-11; लूका 22:3-6)

14तब यहूदा इस्करियोती जउन ओकर बारहु चेलन मँ एक
रहा, मुख्ययाजकन क लगे गवा अउर ओसे बोला 15"यदि
मइँ ईसू क तोहका पकरवाइ देउँ तउ तू मननई मोका का
देब्या?" तब उ पचे यहूदा क चाँदी क तीस रुपया देइ बरे
इच्छा परगट किहेन। 16उहइ समइ स यहूदा ईसू क धिखा
दइ के पकड़वावइ क ताक मँ रहइ लाग।

ईसू क आपन चेलन क संग फसह भोज

*(मरकुस 14:21-22; लूका 22:7-14, 21-23;
यूहन्ना 13:21-30)*

17बिना खमिरे क रोटी क त्यौहार स पहिले दिन ईसू क
चेलन आइके पूछेन, "तू का चाहत ह कि हम तोहरे खाइके
बरे फसह भोज क तइयारी कहाँ जाइके करी?"
18ईसू कहेस, "गाउँ मँ उ मननई क लगे जा अउर ओसे
कहा, कि गुरु कहेस ह, 'मोर तय भई घरी निगचे बाटइ,
मइँ तोहरे घर आपन चेलन क संग फसह क त्यौहार
मनावइ वाला अहउँ।'" 19फिन चेलन वइसा ही करेन जइसा
ईसू बताए रहा अउर फसह क त्यौहार क तइयारी किहन।
20दिन बूड़त ईसू आपन बारहु चेलन क संग पटरे पइ
निहुरा बइठा रहा। 21तबहीं ओनके खइया क खात उ बोला,
"मइँ सच कहत हउँ तोहमाँ स एक मोका धोखे स
पकरवाई।" 22उ सबइ बहोत दुखी भएन अउ ओनमाँ स हर
कउनो आपुस मँ पूछइ लागेन, "पर्भू, उ मइँ तउ नाहीं हउँ।
बतावा का मइँ अहउँ!"
23तब ईसू जवाब दिहस, "उहइ जउन मोरे संग एक
टाठी मँ खात बा मोका धोखा स पकड़वाई। 24मनई क पूत
तउ जाई ही, अइसा कि ओकरे बारे मँ पवित्त्तर सास्तरन मँ
लिखा बाटइ। मुला उ मनई क धिक्कार बा जउन मनई क
जारिये मनई क पूत पकड़वाइ जात अहइ। उ मनई बरे
केतॅना नीक होत कि ओकर जन्म ही न भवा रहत।"
25तब ओका धोखे स पकरवावइ वाला यहूदा बोलि उठा,
"हे गुरु, उ मइँ नाहीं हउँ। का मइँ हउँ? ईसू ओसे कहेस,
"हाँ अइसा ही अहइ जइसा तू कह्या ह।"

पर्भू क भोज

*(मरकुस 14:22-26; लूका 22:15-20;
1कुरिन्थियन 11:23-25)*

26जब उ पचे खइया क खात ही रहेन, ईसू रोटी लिहस,
ओका असीसेस अउर फिन तोड़ेस। फिन ओका चेलन क
देत भवा उ बोला, "ल्या ऍका भकोसा, इ मोर देह अहइ।"
27फिन उ दाखरस क खोरा उठाएस अउर धन्यबाद देइ
क पाछे ओका ओन पचेन क देत भवा कहेस, "तू पचे
एहमाँ स तनिक तनिक पिआ। 28काहेकि इ मोर खून अहइ
जउन एक नवा वाचा की सुरुआत अहइ। इ बहोतन लोगन
बरे बहाइ जात ह। जेसे ओनके पापन्क छमा करब संभउ
होइ सकइ 29मइँ तोहसे सच कहत हउँ उ दिना तक दाखरस
न चीखब जब ताईं आपन परमपिता क राज्य मँ तोहरे साथ

दीन-दुखी … रइहीं व्यवस्था 15:11

नवा दाखरस न पिउ लेउँ।" **30**फिन उ पचे फसह क भजन
गाइके जैतून पहाड़े प गएन।

ईसू क कहब: सब चेलन ओका तजि देइहीं

(मरकुस 14:27-31; लूका 22:31-34; यूहन्ना 13:36-38)

31फिन ईसू ओनसे कहेस, "आज राति तू पचन क मोह
मँ बिसवास डुग जाई। काहेकि पवित्तर सास्तरन मँ लिखा
अहइ:

मइँ गड़रिया क मारब अउर झुंड क भेड़न तितराइ
बितराइ जइहीं। *जकर्याह 13:7*

32पर फिन स जी जाए प मइँ तोहसे पचन्स पहिले गलिल
चला जाब।"
33परतस जवाब दिहस, "चाहे सब मिला तोहमाँ बिसवास
डुगाइ देइँ, मुला मइँ कबहूँ न खोउब।"
34ईसू ओसे कहेस, "मइँ तोहसे सच कहत हउँ आज
इहइ राति मुर्गा क बाँग देइ स पहिले तू तीन दाईं मोका
नकार जाब्या।"
35तब पतरस ओसे कहसे, "अगर मोका तोहरे संग मरि
जाइ क होइ तउ भी तोसे मइँ कबहूँ न मुकरब।" बाकी सब
चेलन इहइ कहेन।

ईसू क एकान्त मँ पराथना

(मरकुस 14:32-42; लूका 22:39-46)

36फिन ईसू ओकरे संग उ जगह प आवा जउन
गतसमनी कहा जात रहा। अउर उ आपन चेलन स कहेस,
"जब ताईं मइँ हुवाँ जाउँ अउर पराथना करउँ,तू सबे हियइँ
बइठा।" **37**फिन ईसू पतरस अउर जब्दी क दुइनउँ बेटवन
क आपन संग लइ गवा। अउर दुख अउ घबराहट महसूस
करइ लाग। **38**फिन उ ओनसे कहेस, "मोर मन बहोत दुखी
बा, जइसे मोर प्रान निकरि जइहीं। तू मोरे संग हिअँई ठहर
जा अउर होसियार रहा।"
39फिन तनिक अगवा बढ़इ क बाद उ धरती प निहुरिके
पराथना करइ लाग। उ कहेस, "हे, मोर परमपिता, जदि होइ
सकइ तउ यातना क कटोरा मोसे टरि जाइ। फिन भी जइसा
मइँ हात हउँ वइसा नाहीं मुला जइसा तू चाहत ह वइसा ही
कर।" **40**ओकरे पाछे उ आपन चेलन क लगे गवा अउर
ओनका सोवत पाएस। उ परतस स कहेस, "तउ तू पचे मोर
संग एक घंटा भी नाहीं जागि सक्या। **41**जागत रहा अउर
पराथना करा जेसे तू परिच्छा मँ न पड़ि जा। तोहार आतिमा
तउ उहइ करब चाहत ह जउन चंगा बा, मुला, तोहार सरीर
दुर्बल अहइ।"
42एक दाईं फिन उ जाइके पराथना किहेस अउर कहेस,
"हे मोर परमपिता, जदि यातना क कटोर मोरे बगैर पिए टर
नाहीं सकत तउ तोहार इच्छा पूरी होइ जाइ।"
43तब उ आवा अउ ओनका फिन सोवत पावा। उ पचेन
क आँखन थकी रहिन। **44**तउ उ ओनका छोड़िके फिन गवा
अउर तिसरी दाईं भी पहिले क नाईं ओनही सब्दन मँ
पराथना करेस।
45फिन ईसू आपन चेलन क लगे गवा अउर ओनसे
पूछेस, "का तू अबहूँ आराम स सोवत अहा? सुना, समइ
आइ ग अहइ, जब मनई क पूत पापी मनइयन क हथवन
मँ दइ दीन्ह जाई। **46**उठा, आवा चली। देखा मोका
धरइवाला इ बा।"

ईसू क गिरफतार करब

(मरकुस 14:43-50; लूका 22:47-53; यूहन्ना 18:3-12)

47ईसू जब बोलत रहा, यहूदा जउन बारहु चेलन मँ एक
रहा, आवा। ओकरे संग तरवारन अउर लाठियन स लइस
मुख्ययाजकन अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन क पठई एक भारी
भीड़ भी रही। **48**यहूदा जउन ओका पकड़वावइ वाला रहा,
ओनका एक इसारा बतावत भवा कहेस, "जउन कउनो क
मइँ चूमउँ, उहइ होई, ओका धइ लिहा।" **49**फिन उ सीधे
ईसू क लगे गवा अउ बोला, "हे गुरु!" अउर बस उ ईसू
क चूम लहेस।'
50ईसू ओसे कहेस, "मीत, जउन काज बरे तू आइ अहा,
ओका करा।"
फिन भिड़िया क लोग लगे जाइके ईसू क दहबोच कइ
गिरफ्तार कइ लिहन। **51**फिन जउन मिला ईसू क संग रहेन,
ओनमाँ स एक तरवार हींच लिहेस अउर वार कर महायाजक
क नउकर क कान काट लिहस।
52तब ईसू ओसे कहेस, "आपन तरवार क मियान मँ
घुसेड़ द्या। जउन तरवार चलावत हीं उ पचे तरवारे स मार
डावा जइहीं। **53**का तू नाहीं सोचत अहा कि मइँ आपन
परमपिता क बोलाइ सकत हउँ अउ उ फउरन सरगे क
दुतन क बारहु फउजन स भी जिआदा मोरे लगे पठइ देई?
54मुला मइँ अइसा करउँ तउ पवित्तर सास्तरन मँ लिखी
बात कइसे पूर होइ जाई कि सब कछू अइसे ही होइ क
अहइ?"
55उहइ समइ ईसू भीड़े स कहेस, "तू पचे तरवारन,
लाठियन क संग मोका धरवावइ अइसे काहे आइ अहा
जइसे कउनो डाकू क धरइ आवत हीं? मइँ हर दिन मंदिर मँ
बइठा उपदेस देत रहत हउँ अउर तू पचे मोका नाहीं धर्या!
56मुला इ सब कछू घटि गवा कि नबियन क लिखा पूर
होइ।" फिन ओकर चेलन ओका तजि क पराय गएन।

यहूदी नेतन क समन्वा ईसू क पेसी

*(मरकुस 14:53-65; लूका 22:54-55, 63-71;
यूहन्ना 18:13-14,19-24)*

57ईसू क जउन धरे रहेन, उ पचे ओका कैफ़ा नाउँ क
महायाजक क समन्वा लइ गएन। हुवाँ धरम सास्तिरियन
अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन भी एँकट्ठा भएन। **58**पतरस ओसे
दूर-दूर रहत ओकरे पाछे पाछे महायाजक क अंगना क
भितरे तलक चला गवा। अउर फिन अंत देखइ हुवाँ
पहरेदारन क संग बइठ गवा।
59महायाजकन समूची यहूदी महासभा क संग ईसू क
मउत क सजा देइ बरे ओकरे खिलाफ कउनो झूठा जुर्म
ढूँढ़इ बरे जतन करत रहेन। **60**मुला ढूँढ़ नाहीं पाएन। जदपि
बहोत स झूठे गवाहन अगवा बढ़िके झूठ बोलेन। आखिर
मँ दुइ मनई अगवा आएन **61**अउर बोलेन, "इ कहे रहा,
'मइँ परमेस्सर क मंदिर क तहस नहस कइ सकत हउँ अउर

तीन दिना मँ फिन बनाइ सकत हउँ।'" 62फिन महायाजक
खड़ा होइके ईसू स पूछेस, "का जवाबे मँ तोहका कछू नाहीं
कहइ क अहइ कि इ मनइयन तोहरे खिलाफ इ का साच्छी
देत अहइँ?" 63मुला ईसू खमोस रहा।
फिन महायाजक ओसे पूछेस, "मइँ तोहका साच्छात
परमेस्सर क सपथ देत हउँ, हमका बतावा का तू परमेस्सर
क पूत मसीह अहा?"
64ईसू जवाब दिहस, "हाँ, मइँ अहउँ। मुला मइँ तोहका
बतावत हउँ कि तू पचे मनई क पूत क उ परम सक्तीवाला
क दाहिन कइँती बइठा अउर सरगे क बदखन प आवत
हालि ही देखब्या।"
65महायाजक इ सुनिके एँतना गुस्साइ गवा कि आपन
ओढ़ना फाड़त भवा बोला, "इ जउन बातन कहेस ह उ सब
परमेस्सर प कलंक लगाएस ह। अब हमका अउर जिआदा
साच्छी न चाही। तू पचे एँका परमेस्सर क खिलाफ कहत
सुन्या ह। 66तू पचे का सोचत अहा?"
जवाबे मँ उ पचे बोलेन, "इ अपराधी अहइ। एँका मरि
जाइ चाही।" 67फिन उ सबइ ओकरे मुँहना प थूकेन अउ
ओका घूँसा स मारेन। कछू थप्पड़ दिहेन। 68अउर कहेन,
"हे मसीह! भविस्सबाणी करा कि उ कउन अहइ जउन
तोहका थोकरेस ह!"

पतरस क ईसू क न मानब

(मरकुस 14:66-72; लूका 22:56-62;
यूहन्ना 18:15-18, 25-27)

69पतरस अबहीं अंगना मँ बाहेर बइठा रहा कि एक ठु
नउकरानी लगे आइ अउर बोली, "तू भी तउ उहइ गलील
क ईसू क संग रह्या।"
70मुला सबइ क समन्वा परतस मुकर गवा। उ कहेस,
"मोका पता नाहीं तू का कहति अहा"
71फिन उ ड्यौढ़ी तलक गवा ही रहा कि एक दूसर
मेहरारू देखेस अउर जउन मनई हुवाँ रहेन, ओनसे बोली,
"इ मनई नासरत क ईसू क संग रहा।" 72एक दाईं फिन
पतरस इन्कार करेस अउर सपथ खात भवा कहेस, "मइँ उ
मनई क नाहीं जानत हउँ।"
73तनिक देर पाछे हुवाँ खड़ा लोग पतरस क लगे गएन
अउर ओसे बोलेन, "तोहार बोलइ क लहजा स साफ लागत
ह कि तू असिल मँ ओनही मँ स एक अहा।"
74तब परतस आपन क धिक्कारइ लाग अउर सपथ
खाएस, "मइँ उ व्यक्ति क नाहीं जानत हउँ।" तबहिं मुर्गा
बाँग दिहस। 75तब्बइ पतरस क उ याद होइ आवा जउन
ईसू ओसे कहे रहा, "मुर्गा क बाँग देइ स पहिले तू तीन
दाईं मोका नकार देब्या।" तब पतरस बाहेर चला गवा अउ
फूट फूट क रोवइ लाग।

ईसू क पीलातुस क अगवा पेसी

(मरकुस 15:1; लूका 23:1-2; यूहन्ना 18:28-32)

27 दूसर दिन बड़े भिन्सारे सबइ ही मुख्य याजकन
अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन ईसू क मरवाइ डावइ क
एक चाल चलेन। 2फिन उ पचे ओका बाँधि के लइ गएन
अउर राज्यपाल पिलातुस क सौंपं दिहन।

यहूदा क आत्महत्या

(प्रेरितन क काम 1:18-19)

3ईसू क धरवावइ वाला यहूदा जब देखेस कि ईसू क
दोखी ठहराइ दीन्ह ग अहइ, तउ उ बहोत पछतावा। अउर
उ याजकन तथा यहूदी नेतन क चाँदी क तीस रुपया लउटाइ
दिहस।
4उ कहेस, "मइँ एक बे अपराधी क मार डावइ बरे
धरावइ क पाप कीन्ह ह।"
एँह प मनई कहेन, "हम पचेन क का! इ तोहार आपन
मामिला अहइ।"
5एँह प यहूदा चाँदी क ओन रूपयन क मंदिर क भितरे
लोकाएके चला गवा अउर फिन बाहेर जाइके आपन क
फाँसी लगाएस।
6मुख्ययाजकन उ सब चाँदि क सिक्कन क उठाइ लिहन
अउर कहेन, "हमरे व्यवस्था क मुताबिक इ धन क मँदिर
क खजाना मँ धरब नीक नाहीं काहेकि एँकर प्रयोग कउनो
क मार डावइ बरे कीन्ह ग रहा। 7एह बरे उ पचे उ रुपयन
क यरुसलेम मँ बाहेर स आवइ वाले मनइयन क मरि जाए
प गाड़इ बरे कोहारे क खेत खरीदै क फैसला किहन। 8एह
बरे आजु ताईं इ खेत 'लहू क खेत' क नाउँ स जाना जात
ह। 9इ तरह परमेस्सर क नबी यिर्मयाह क कहा भवा बचन
पूर होइ ग:
"उ पचे चाँदी क तीस सिक्कान बरे, उ रकम जेका
इस्राएल क मनइयन ओकरे बरे देब तइ किहे रहेन। 10अउ
पर्भू क जारिये मोका दीन्ह गवा हुकुम क मुताबिक ओसे
कोंहारे क खेत खरीदेन।"*

पिलातुस क सवाल ईसू स

(मरकुस 15:2-5; लूका 23:3-5; यूहन्ना 18:33-38)

11एँकरे बीच मँ ईसू राज्यपाल क समन्वा पेस भवा।
राज्यपाल ओसे पूछेस, "का तू यहूदियन क राजा अहा?" ईसू
कहेस, "हाँ, मइँ हउँ।"
12दुसरी कइँती जब प्रमुखयाजकन अउर बुजुर्ग यहूदी
नेतन ओह प दोख लगाव रहेन तउ उ कउनो जवाब नाहीं
दिहस।
13तब पिलातुस ओसे पुछेस, "का तू नाहीं सुनत अहा कि
उ सबइ तोह प केतँता दोख लगावत अहइँ?"
14मुला ईसू पिलातुस क कउनो भी दोख क जवाब नाहीं
दिहस। पिलातुस क एँह प बहोत अचरज भवा।

ईसू क छोड़इ मँ पिलातुस सफल नाहीं भवा

(मरकुस 15:6-15; लूका 23:13-25;
यूहन्ना 18:39-19:16)

15फसह क त्यौहार क अउसर प राज्यपाल क रीति रही
कि उ कउनो भी एक कै़दी क, जेका भीड़ चाहत रही,
ओनके बरे छोड़ दीन्ह जात रहा। 16उहइ समइया बरअब्बा
नाउँ क एक बदनाम कैदी हुवाँ रहा। 17तउ जब भीड़
आइके एकट्ठी होइ गइ तउ पिलातुस ओसे पूछेस, "तू का
चाहत बाट्या, मइँ तोहरे बरे केका छोड़ि देउँ, बरअब्बा क

उ ... खरीदेन यिर्म. 32:6-9; जक. 11:12-13

या उ ईसू क, जउन मसीह कहा जात ह?" 18पिलातुस
जानत रहा कि उ पचे ओका मने मँ डाह क कारण धरवाइ
दिहेन ह।

19पिलातुस जब निआव क सासन प बइठा रहा तउ
ओकर पत्नी ओकरे लगे एक संदेसा पठएस: "उ सीधा साँच
मनई क संग कछू जिन कइ बइठ्या। मइँ ओकरे बारे मँ
एक ठु सपन देखिउँ ह जेसे मइँ आज सारा दिन भइ बेचइन
रही।"

20मुला प्रमुख याजकन अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन भीड़े क
बगदाएन, फुसलाएन कि उ पिलातुस स बरअब्बा क छोरि
देइ क अउर ईसू क मरवाइ डावइ बरे कहेन।

21जवाबे मँ राज्यपाल ओसे पूछेस, "दुइनउँ कैदियन मँ स
कउनो एक बरे केका मोसे छुरवावइ बरे तू पचे चाहत
बाट्या?"

उ पचे जवाब दिहन, "बरअब्बा क।"

22जब पिलातुस ओसे पूछेस, "तउ मइँ, जउन मसीह कहा
जात बा उ ईसू क का करउँ?"

उ सबइ कहेन, "ओका क्रूस प चढ़ावा!"

23पिलातुस पूछेस, "काहे, उ कउन अपराध किहेस ह?"
मुला उ सबइ तउ अउर जिआदा चिचियानेन, "ओका क्रूस प
चढ़ाइ द्या!"

24पलातुस देखेस कि अब कउनो फायदा नाहीं। मुला
दंगा भड़कइ क बा। तउ उ तनिक पानी लिहस अउर भीड़े
क समन्वा आपन हाथ धोएस, उ बोला, "इ मनई क लहू
स हमार कउनो जिम्मेदारी नहीं। यह तोहार मामिला बा!"

25जवाबे मँ सब लोगन कहेन, "एँव्करे मउत क जवाबदेही
हम अउ हमारा लरिकिन मान लेत हँ।"

26तब पिलातुस ओनके बरे बरअब्बा क छोरि दिहस
अउर ईसू क कोड़वा स पिटवाइ क क्रूस प चढ़ावइ बरे
सौंपि दिहस।

ईसू क मजाक

(मरकुस 15:16-20; यूहन्ना 19:2-3)

27फिन राज्यपाल क सिपारी ईसू क राज्यपाल निवास क
भितरे लइ गएन। हुवाँ ओकरे चारिहुँ कइँती सिपाहियन क
फउज एँकट्ठी होइ गइ। 28उ पचे ओकर ओढ़ना उतार
दिहन अउ चटकीले लाल रंग क ओढ़ना पहिराइ क
29काँटे स बनवा एक ताज ओकरे सिरे प ढाँपि दिहस।
ओकरे दाहिन हाथ मँ ए ठु नरकट थमाइ दिहन अउर
ओकर समन्वा अपने घुटनन पइ निहुरिके क ओकरे हँसी
करत बोलेन, "यहूदियन क राजा अमर रहइ!"

30फिन उ पचे ओकरे मुँहना पर थूकेन, डंडी छोरेन अउर
ओकरे मुँड़वा प सुटकइ लागेन। 31जब उ पचे ओकर हँसी
उड़ाइ चुकेन तउ ओकर पोसाक उतारेन अउर ओका ओकर
आपन ओढ़ना पहिराइ क क्रूसे प चढ़ावइ बरे लइ चलेन।

ईसू क क्रूस प चढ़ाउब

(मरकुस 15:21-32; लूका 23:26-43; यूहन्ना 19:17-27)

32जब उ पचे बाहेर ही रहेन तउ ओनका कुरैन क
निवासी समौन नाउँ क एक मनई मिलि गवा। उ पचे ओह
प जोर डाएन कि उ ईसू क क्रूस उठाइके चलइ। 33फिन
जब उ पचे गुलगुता नाउँ क जगह (जेकर अरथ अहइ
"खोपड़ा क ठउर।") पहुँचेन। 34तउ उ पचे ईसू क अंगूर
क रस मँ पित्त* नाइ क पिअइ बरे दिहन। मुला जब ईसू
ओका चखेस तउ पिअइ स मना किहस। 35तउ उ सबइ
ओका क्रूसे प चढ़ाइ दिहन अउर ओकरे ओढ़ना क आपुस
मँ बाँटइ बरे पाँसा खेलिके आपन हींसा लिहन। 36एँकरे पाछे
हुवाँ बइठिके ओह प पहरा देइ लागेन। 37उ पचे ओकर
जुर्म पत्थर लिखिके ओकरे मूँड़े पर लटकाइ दिहेन, "इ
यहूदियन क राजा ईसू अहइ।" 38इहइ समइ ओकरे संग दुइ
डाकु भी क्रुसे प चढ़ाइ जात रहेन एक ठु ओकरे दाहिन
अउर दूसर ओकरे बाईं कइँती। 39नगिचे स होइ क जात
मनइयन आपन मूँड़ि झमकावत ओका बेज्जत करत रहेन।
40उ पचे कहत रहेन, "अरे मंदिर क गिराइके तीन दिना
ओका फिन स बनवइया, आपन क तउ बचावा। जदि तू
परमेस्सर क पूत अहा तउ क्रूसे स तरखाले उतरि आवा!"

41अइसे ही मुख्ययाजकन, धरम सास्तिरियन अउर बुजुर्ग
यहूदी नेतन क संग ओकर इ कहिके हँसउआ करत रहेन:
42"दूसर क उद्धार करइया इ आपन उद्धार नाहीं कइ
सकत। इ इस्राएल क राजा अहइ। इ क्रूसे स अबहीं
तरखाले उतरइ तउ हम पचे एँका मान लेइ। 43इ परमेस्सर
मँ बिसवास करत ह। तउ जदि परमेस्सर चाहइ अब एँका
बचाइ लेइ। आखिर इ तउ कहत भी रहा 'मइँ परमेस्सर क
पूत हउँ।'" 44उ सबइ लुटेरन भी जउन ओकरे संग क्रूसे प
चढ़ाइ गएन रहा, ओकर अइसा ही हँसउआ भवा।

ईसू इ मउत

(मरकुस 15:33-41; लूका 23:44-49; यूहन्ना 19:28-30)

45फिन समूची धरती प दुपहर स तीन बजे तलक
अँधियारा छावा रहा। 46कउनो तीन बजे क लगभग ईसू
ऊँच अवाजे मँ चिल्लान, "एली, एली, लमा सबक्तानी"
अरथ, "मोरे परमेस्सर, हे मोरे परमेस्सर, तू मोका काहे
बिसार दिहा ह?"

47हुवाँ खड़ा भवा मनइयन मँ स कछू इ सुनिके कहइ
लागेन, "यह एलिय्याह क पुकारत अहइ।"

48फिन फउरन ओनमाँ स एक मनई धावत सिरका मँ
बोरा भवा स्पंज एक डंडी पइ लटकाइ क लइ आवा अउर
ओका ईसू क चूसइ बरे दिहस। 49मुला दूसर लोग कहत
रहेन, "छोड़ द्या, देखित ह कि एलिय्याह एँका बचावइ
आवत ह कि नाहीं।"

50ईसू फिन एक दाईं ऊँच सुरे मँ चिल्लाइ क प्राण तजि
दिहस। 51उहइ समइया मंदिर क परदा ऊपर स तरखाले
तलक फाटिके दुइ टुकड़न मँ बँटि गवा। धरती डोल उठी।
चट्टानन फाट पड़िन। 52हियाँ तलक कब्रन खुलि गइन
अउर परमेस्सर क मरा भएन भक्तन क बहोतन सरीर जी
उठेन।

53उ पचे कब्रन स निकरि आएन अउर ईसू क जी जाइ
क पाछे पवित्तर नतर मँ जाइके बहोतन क देखाइँ दिहेन।
54रोम क फऊजी नायक अउर ईसू क पहरुअन भूँइडोल

पित्ता एक अइसी चीज अहइ जेका अगूंर रस मँ मिला कर पिअब स पीढ़ा कम होय जात हय।

अउर वइसी ही दूसर घटनन क लखिके डेराअ गएन। उ
पचे बोलेन, "ईसू असिल मँ परमेस्सर क पूत रहा!"
55हुवाँ ढेरि के स्त्रियन खड़ी रहिन जउन दूरे स लखत
रहिन। उ पचे ईसू क देखभाल बरे गलील स ओकरे पाछे
पाछे आवत रहिन। 56ओनमाँ स मरियन मगदलीनी, याकूब
अउर योसेस क महतारी मरियम तथा जब्दी क बेटवन की
महतारी रही।

ईसू क दफन

(मरकुस 15:42-47; लूका 23:50-56; यूहन्ना 19:38-42)

57सांझ क समइ अरिमतियाह सहर स यूसुफ नाउँ क एक
धनवान आवा उ खुद ही ईसू क चेला होइ गवा। यूसुफ
पिलातुस क लगे गवा अउर ईसू क ल्हास माँगेस। 58तबहिं
पिलातुस हुकुम दिहस कि सब ओका दइ दीन्ह जाइ।
59यूसुफ ल्हास लइ लिहस अउर ओका एक नई चदरे मँ
लपेटिके 60आपन खुद क नई कब्र मँ धइ दिहस। जेका उ
चट्टाने मँ काटि के बनवाए रहा। फिन उ चट्टाने क
दरवाजे प एक बड़का सा पाथर लुढ़काएस अउर चला गवा।
61मरियम मगदलीनी अउर दूसर स्त्री मरियम हुवाँ कब्रे क
समन्वा बइठी रहिन।

ईसू क कब्रे प पहरा

62अगले दिन जब सुक्रवार बीत गवा तउ प्रमुख याजकन
अउर फरीसियन पिलातुस स मिलइ गएन। 63उ पचे कहेन,
"महासय हमका याद बा कि इ छलिया, जब उ जिअत रहा,
कहे रहा, 'तिसेर दिन मइँ फिन जी उठब।' 64तउ हुकुम द्या
कि तिसरे दिन तलक कब्रे प चौकसी कीन्ह जाइ। जेसे
अइसा न होइ कि ओकर चेलन आइके ओकर ल्हास चोरॉइ
लइ जाइँ अउर मनइयन स कहइँ, उ मरे भवा मँ स जी
गवा। इ दूसर छल पहिले छल स जिआदा बुरा होई।"
65पिलातुस ओसे कहेस, "तू पहरा बरे सिपाही लइ जाइ
सकत ह। जा जइसी चौकसी कइ सकत ह, करा।" 66तब
उ पचे चला गएन अउर उ पाथर प मोहर लगाइके अउर
पहरुअन क हुवाँ बइठाइ के कब्र क हिफाजत करइ
लागेन।

ईसू क फिन स जी उठब

(मरकुस 16:1-8; लूका 24:1-12; यूहन्ना 20:1-10)

28 सबित क बाद जब रविवार क भिन्सारे पउ फाटत
रही, मरियम मगदलीनी अउर दूसर स्त्री मरियम
कब्र क जाँच करइ आइन।
2काहेकि सरगे स पर्भू क एक दूत हुवाँ उतरा रहा, एह
बरे उ सबइ बहोत बड़का भुइँडोल आवा। सरगदूत हुवाँ
आइके पाथर क लुढ़काएस अउर ओह पर बइठ गवा।
3ओकर रूप अकासे क बिजरी क नाईं चमचमात रहा अउर
ओकर ओढ़ना बरफ जइसे उज्जर रहेन। 4उ सिपाहियन
जउन कब्रे प पहरा देत रहेन, डर क कारण डेरानेन अउर
अइसा होइ गएन जइसे मरि गवा होइँ।
5तब सरगदूत बोला अउर उ ओन स्त्रियन स कहेस,
"डेराअ जिन, मइँ जानत हउँ कि तू ईसू क खोजति अहा
जेका, क्रूस प चढ़ाइ दीन्ह गवा रहा। 6उ हियाँ नाहीं बा।
जइसा कि उ कहे रहा। उ मउत क पाछे फिन जिआइ दीन्ह
जाई। आवा, उ ठउरे क लखा, जहाँ उ ओतरा रहा। 7अउ
फिन तुरंत जा अउर ओकरे चेलन स कहा, 'उ मरे हुअन मँ
स जिआइ दीन्ह जाई अउर अब उ तोहसे पहिले गलील क
जात अहइ। तू ओका हुवाँ देखब्या।' इहइ मइँ तोहका
बतावइ आवा हउँ, ओका याद राखा।'"
8उ स्त्रियन फउरन ही कब्र क तजि दिहन। उ पचे डर
अउर आनंद स खुस होइ गइन। फिन ईसू क चेलन क इ
बतावइ उ पचे धाएन। 9एकाएक ईसू ओनसे भेंटेस अउर
बोला, "अरे तू!" उ पचे ओकरे लगे आइन, उ पचे ओकर
गोड़वा धइ लिह अउर ओकर आराधना करेन। 10तब ईसू
ओनसे कहेस, "डेराअ जिन, मोरे भाइयन क लगे जा, अउर
ओनसे कहा कि उ पचे गलील बरे रवाना होइ जाइँ, हुवँइ
उ सबइ मोका देखिहइँ।"

पहरेदारन यहूदी नेतन क घटना क बारे मँ बताएन

11अबहिं उ स्त्रियन आपन राहे मँ ही रहिन कि कछू
सिपाही जउन पहरुअन मँ रहेन, सरह मँ गएन अउर जउन
कछू भवा, उ सब क खबर प्रमुख याजकन क जाइके
सुनाएन। 12तउ उ सबइ बुजुर्ग यहूदी नेतन स मिलिके एक
चाल चलेन। उ पचे सिपाहियन क बहोतइ धन दइके।
13कहेन कि उ पचे मनइयन स कहइँ, "ईसू क चेलन राति
क आएन अउ जब हम सबइ सोवत रहेन ओकरे ल्हास क
चुराइ लइ गएन। 14जदि तोहार इ बात राज्यपाल तक पहुँचत
ह तउ हम ओका समझाइ लेब अउर तोहरे प कउनो आँच
न आवइ पाई।" 15पहरुअन धन लइके वइसा ही
करेन, जइसा ओनका बतावा ग रहा। अउ इ कहानी
यहूदियन मँ आज तलक इहइ रुप मँ सँचर गउ अहइ।

ईसू क आपन चेलन स बातचीत

(मरकुस 16:14-18; लूका 24:36-49; यूहन्ना 20:19-23; प्रेरितन क काम 1:6-8)

16फिन ग्यारहु चेलन गलील मँ उ पहाड़ी प पहुँचेन जहाँ
जाइके बरे ईसू कहे रहा। 17जब उ पचे ईसू के निहारेन तउ
ओकर आराधना करेन। जदपि कछूक मनवा मँ सक रहा।
18फिन ईसू ओनके लगे जाइके कहेस, "सरगे मँ अउ धरती
प सबइ हक मोका दइ दीन्ह गवा अहइँ। 19तउ, जा अउर
सब देसन क मनइयन क मोर चेलन बनावा। तोहका इ काम
परमपिता क नाउँ मँ, पूत क नाउँ मँ अउर पवित्तर आतिमा
क नाउँ मँ ओनका बपतिस्मा दइके पूर करब अहइ। 20उ
सबइ हुकुम जउन मइँ तोहका दिहे हउँ, ओनका ओन प
चलब सिखावा। अउर याद राखा इ सृस्टि क अंत ताईं मइँ
हमेसा तोहरे संग रहब।"